राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 76
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 30 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 इग्नू और एनएसडीसी ने छात्रों के रोजगार और उद्यमशीलता कौशल को बढ़ाने के लिए कई पहलों पर सहयोग करने के लिए समझौता ज्ञापन

पेज 5 अयोध्या में मिड डे मील के नाम पर बच्चों को नमक-चावल खिलाने वाली प्रिंसिपल सस्पेंड

पेज 7 रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची इंडिया लीजेंड्स

अबॉर्शन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

पत्नी जबरन संबंध बनाने से प्रेग्नेंट हुई तो गर्भपात की हकदार, विवाहित-अविवाहित में भेद करना असंवैधानिक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गर्भपात पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने सभी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार दे दिया, फिर चाहें वो विवाहित हों या अविवाहित। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत 22 से 24 हफ्ते तक गर्भपात का हक सभी को है।

बेंच की अगुआई कर रहे जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये दकियानूसी धारणा है कि सिर्फ शादीशुदा महिलाएं ही सेक्शुअली एक्टिव रहती हैं। अबॉर्शन के अधिकार में महिला के विवाहित या अविवाहित होने से फर्क नहीं पड़ता।

कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट में मैरिटल रेप को शामिल किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अगर जबरन सेक्स की वजह से पत्नी गर्भवती होती है तो उसे सेफ और लीगल अबॉर्शन का हक है।

मेरिटल रेप पर सुप्रीम कोर्ट का पूरा फैसला

विवाहित महिला भी सेक्शुअल असॉल्ट और रेप सर्वाइवर्स के दायरे में आती है। रेप की सामान्य परिभाषा यह है कि किसी महिला के साथ उसकी सहमति के बिना या इच्छा के खिलाफ संबंध बनाया जाए। भले ही ऐसा मामला वैवाहिक बंधन के दौरान हुआ हो। एक महिला पति के द्वारा बनाए गए बिना सहमति के यौन संबंधों के चलते गर्भवती हो सकती है।

अंतरंग साथी की हिंसा एक वास्तविकता है और यह रेप में भी तब्दील हो सकती है... अगर हम इसे नहीं पहचानते हैं तो ये लापरवाही होगी। अजनबी ही विशेष तौर पर या खास मौकों पर यौन और लिंग आधारित हिंसा के लिए जिम्मेदार होते हैं, यह गलत और अफसोसनाक धारणा है। परिवार के लिहाज से देखा जाए तो महिलाएं सभी तरह की यौन हिंसा के अनुभवों से गुजरती हैं। ये लंबे समय से हो रहा है। रेप की परिभाषा में मेरिटल रेप को शामिल किए जाने की एकमात्र वजह MTP एक्ट यानी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी है। इसके कोई और मायने निकाले जाने पर एक महिला बच्चे को जन्म देने और ऐसे पार्टनर के साथ उसे पालने को मजबूर होगी, जिसने महिला को मानसिक और शारीरिक यातना दी है। हम यहां यह साफ करना चाहते हैं कि MTP के तहत अबॉर्शन कराने के लिए महिला को यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि उसका रेप हुआ है या सेक्शुअल असॉल्ट हुआ है।

23 अगस्त को फैसला सुरक्षित रखा था

अदालत ने कहा- मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट की धारा 3 (2) (बी) किसी महिला को 20-24 सप्ताह के बाद गर्भपात कराने की अनुमति देती है। इसलिए केवल विवाहित महिलाओं को अनुमति और अविवाहित महिला को न देना संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन होगा। जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस ए.एस. बोपन्ना और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने 23 अगस्त को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

25 वर्षीय अविवाहित की याचिका पर फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने यह बड़ा फैसला 25 साल की एक अविवाहित महिला की याचिका पर सुनाया। महिला ने अदालत से 24 हफ्ते के गर्भ को गिराने की इजाजत मांगी थी। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 जुलाई को महिला की इस मांग को खारिज कर दिया था। महिला ने हाईकोर्ट को बताया था कि वह सहमति से सेक्स के चलते प्रेग्नेंट हुई, लेकिन बच्चे को जन्म नहीं दे सकती क्योंकि वह एक अविवाहित महिला है और उसके साथी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया है।

असम : ब्रह्मपुत्र नदी में 30 लोगों से भरी नाव पलटी

असम के धुबरी में हादसा, स्कूली बच्चों और अफसर समेत 7 लापता

पुल पोस्ट से टकराकर पलटी नाव

एक अधिकारी ने बताया कि भाशानी जा रही नाव धुबरी शहर से करीब 3 किलोमीटर दूर अदाबारी में एक पुल पोस्ट से टकराकर पलट गई। इसमें कई स्कूली बच्चे सवार थे नाव पर धुबरी के सर्कल अफसर संजू दास, एक लैंड रिकॉर्ड अफसर और ऑफिस स्टाफ के साथ सवार थे। वे कटान प्रभावित इलाके का सर्वे करने के लिए जा रहे थे। दास लापता है, जबकि दो अन्य तैरकर बाहर निकलने में सफल रहे।

एजेंसी

गुवाहाटी। असम की ब्रह्मपुत्र नदी में गुरुवार को 30 लोगों से भरी एक नाव पलट गई। इसमें सवार 7 लोग लापता हो गए हैं। इनमें एक सीनियर अफसर समेत कई स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। हादसा धुबरी जिले में हुआ। हालांकि स्थानीय लोगों का दावा है कि नाव पर करीब 100 यात्री सवार थे और उस पर 10 मोटरसाइकिल लदी हुई थीं। इधर, असम डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के CEO ने बताया कि सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अब तक 15 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है, हालांकि स्कूली बच्चों की तलाश जारी है। SDRF ने इसके लिए 10 गोताखोरों की तैनाती की है। 8 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई।

दिल्ली में शिक्षा क्रांति से बच्चों का बढ़ा आत्मविश्वास : सिसोदिया

एजेंसी

नयी दिल्ली । दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में आयी शिक्षा क्रांति की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे न केवल अपने करियर को बेहतर बनाने का सपना देख रहे है बल्कि भविष्य में कुछ ऐसा करना चाहते है जिससे देश में परिवर्तन आए ।

सिसोदिया ने रोजाना सुबह स्कूल विजिट कर बच्चों और शिक्षकों से मिलकर अपने दिन की शुरुआत करने की श्रृंखला को जारी रखे हुए आज यहाँ एसकेवी खेड़ा खुर्द में बच्चों के साथ संवाद किया। उन्होंने संवाद के दौरान बच्चों से पूछा कि स्कूल की नयी शानदार बिल्डिंग बनने, पढ़ने-पढ़ाने के तरीकों में आए बदलाव तथा तीनों माइंडसेट करिकुलम से उनकी जिन्दगी में क्या बदलाव आए है। बच्चों ने जवाब में कहा , हमारा स्कूल अब किसी बड़े प्राइवेट स्कूल जैसा दिखता है और हमें अब स्कूल आने में ज्यादा अच्छा लगता है। इससे हमारा कॉन्फिडेंस बढ़ा है कि हम सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे भी भविष्य में बहुत अच्छा कर सकते है।

पठानकोट के अस्पताल में फर्श पर डिलीवरी

लेबर पेन के बावजूद डॉक्टरों ने नहीं किया भर्ती, महिला ने रिसेप्शन पर दिया बच्चे को जन्म

जालंधर। पंजाब में पठानकोट के सिविल अस्पताल में एक प्रवासी महिला की फर्श पर डिलीवरी हुई। अस्पताल में गर्भवती को उसका पति जंग बहादुर लेकर आया था। महिला को तेज लेबर पेन हो रही थीं। जंग बहादुर ने अस्पताल में स्टाफ और डॉक्टरों को रिक्वेस्ट किया कि उसकी पत्नी की हालत ठीक नहीं है उसे दाखिल कर लिया जाए, लेकिन उस गरीब की किसी ने एक ना सुनी।

असंवेदनशीलता की हद तो यह है कि गर्भवती को लेबर पेन में ही अमृतसर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन दर्द से कराह रही महिला ने अस्पताल के रिसेप्शन के पास फर्श पर ही बच्चे को जन्म दे दिया।

इस सारे घटनाक्रम को कुछ लोगों ने सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किए जा रहे दावों की पोल खोलने के लिए अपने मोबाइल में कैद कर लिया। इस दौरान कुछ महिलाओं ने गरीब महिला को कपड़े से ढका।

इससे भी बड़ी हैरानी की बात तो यह है कि जब महिला की डिलीवरी हो गई और वह खून से लथपथ थी तो स्टाफ ने उसे स्ट्रेचर पर ले जाना भी उचित न समझा। फर्श पर बच्चे को जन्म देने वाली महिला को पैदल चला कर ही लेबर रूम तक ले जाया गया। जो वीडियो वहां पर लोगों ने बनाए हैं उसमें महिला के खून से सने पैरों के निशान अस्पताल के लेबर रुम तक जाते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं।

मामले पर लीपापोती करने के लिए अस्पताल के सीनियर मेडिकल सुपरिटेंडेंट सुनील चांद ने कहा है कि जिस महिला की डिलीवरी हुई है उसकी पांचवी डिलीवरी थी, लेकिन महिला के पास अल्ट्रासाउंड या अन्य टेस्टों की कोई रिपोर्ट नहीं थी। स्टाफ ने महिला के पति को टेस्ट और अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए कहा था, लेकिन इसी दौरान महिला की डिलीवरी हो गई।

सोनिया से मिले पायलट, समूह 23 के नेताओं की भी हुई बैठक

नयी दिल्ली। राजस्थान के राजनीतिक संकट के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाद उनके विरोधी गुट के नेता सचिन पायलट ने भी आज कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की और उन्हें राजस्थान के राजनीतिक संकट की जानकारी दी । पायलट ने श्रीमती गांधी से मुलाकात के बाद बताया कि उन्होंने राजस्थान की राजनीति को लेकर श्रीमती गांधी के सारी स्थिति रखी है और अब उन्हीं को राजस्थान के मामले में अंतिम निर्णय लेना है। इससे पहले आज दिन में है श्री गहलोत ने भी श्रीमती गांधी से मुलाकात की और जो कुछ स्थिति उनके समर्थकों के कारण राजस्थान में पैदा हुई उसके लिए माफी मांगी। इसके साथ ही उन्होने स्पष्ट करते हुए कहा कि अब वह कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे।

जबलपुर ऑर्डनेंस फैक्ट्री में ब्लास्ट, 6 कर्मचारी झुलसे

घायल बोला-अचानक धुआं और आग की लपटें उठीं; दो लोग जलते हुए बाहर भागे

एजेंसी

जबलपुर। केंद्रीय सुरक्षा संस्थान ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया में गुरुवार दोपहर अचानक फिलिंग सेक्शन में आग लग गई। हादसे में 6 कर्मचारी झुलस गए। घटना उस समय हुई बमों में फिलिंग के लिए बारूद को मिक्स करने के बाद पिघलाने का काम किया जा रहा था। पिघले हुए बारूद को ट्रे में रखते समय आग लग गई। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल कर्मचारी ने बताया कि आग के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। मैंने दो साथियों को जलते हुए बाहर भागते देखा। घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

एफ-6 सेक्शन में पहली बार यह हादसा हुआ है। यहां सभी प्रकार के बड़े बमों का निर्माण किया जाता है। घायलों को देखने पहुंचे कर्मचारी नेता अरनब दास गुप्ता ने बताया कि 450 केजी बम के लिए बारूद को मिल्टन मशीन के माध्यम से तैयार किया जा रहा था।

उसी दौरान मिल्टन मशीन में विस्फोट के साथ आग लग गई। नंदकिशोर तकरीबन 50 प्रतिशत जले हैं, जिन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गुप्ता की माने तो फिलिंग-6 सेक्शन में आज जो घटना हुई है, इससे पहले वहां पर कभी इस तरह का हादसा नहीं हुआ है।

गंभीर घायल को एयर एंबुलेंस से मुंबई भेजा जाएगा

ऑडनेंस फैक्ट्री खमरिया के फीलिंग-6 सेक्शन में हुए हादसे में गंभीर रूप से जले कर्मचारी नंद किशोर से मिलने जनरल मैनेजर अशोक कुमार अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि नंद किशोर के बेहतर इलाज के लिए मुंबई में नेशनल बर्न सेंटर में बात की जा रही हैं। शुक्रवार की सुबह नंद किशोर को एयर एंबुलेंस से मुंबई ले जाया जा रहा हैं।

कोविड- 19 : देश में पिछले 24 घंटे में 11 मरीजों की मौत

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी से 11 मरीजों की मौत हो गयी, जिससे देश भर में अब मृतकों की संख्या बढ़कर 528611 हो गई और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 218.17 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं और पिछले 24 घंटे में कोविड-19 सक्रिय मामलों के आंकड़ों में 229 की कमी आई है, जिससे अब संक्रिय मरीजों का आंकड़ा घटकर 40750 रह गया और दैनिक संक्रमण दर 1.35 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों की दर 0.10 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी संक्रमण से ग्रसित 4,272 नये मरीजों की पुष्टि हुई है, जिससे अब संक्रमित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 4,45,83,360 हो गया। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 4474 लोगों को मुक्ति मिली है और देश भर में अब तक कुल 44013999 लोगों की सेहत में सुधार हो चुका है और स्वस्थ दर बढ़कर 98.72 प्रतिशत हो गयी है।

पिछले 24 घंटों में 3,16,916 कोविड परीक्षण किए गये हैं। जिसके बाद कुल परीक्षणों की संख्या 89.47 करोड़ से अधिक हो चुकी हैं।

पिछले 24 घंटों में सात राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेश में कोराना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी देखी गयी है।

इसी दौरान केरल में भी 82 सक्रिय मरीज पाए जाने से, अब इनकी संख्या बढ़कर 12195 हो गयी है। इस वायरस से ठीक होने वालों का आंकड़ा बढ़कर 6719562 हो गया है और मृतकों का आंकड़ा 71134 पर स्थिर है।

पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी में छह मामले बढ़े हैं, जिससे संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 392 हो गया है। इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 1976314 पर स्थिर बनी रही। इसी अवधि में मृतकों का आंकड़ा 26501 पर बरकरार है।

ईडी के छापे, चीन नियंत्रित संस्थाओं के खाते फ्रीज

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एचपीजेड नामक ऐप-आधारित टोकन के कथित दुरुपयोग से संबंधित जांच में पेमेंट गेटवे के साथ बनाए गए विभिन्न चीनी-नियंत्रित संस्थाओं की तलाशी ली और उनके खातों को फ्रीज कर दिया।

ईडी ने गुरूवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि एचपीजेड टोकन और अन्य के खिलाफ नागालैंड के कोहिमा में साइबर अपराध पुलिस द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत आठ अक्टूबर 2021 में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन मामले जांच शुरू की।

एचपीजेड टोकन एक 'ऐप-आधारित टोकन' था जिसके उपयोगकर्ताओं को 'बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी के लिए खनन मशीनों में निवेश' पर बड़े लाभ का वादा किया था। कथित धोखेबाजों के तौर-तरीकों में पहले पीड़ितों को 'ऐप एचपीजेड टोकन' और इसी तरह के अन्य अनुप्रयोगों के जरिए अपने निवेश को दोगुना / कई गुणा करने के बहाने अपनी कंपनियों में निवेश करने के लिए लुभाया गया

था। ईडी को जांच से पता चला है कि विभिन्न एनबीएफसी के साथ सेवा समझौतों में विभिन्न चीनी नियंत्रित संस्थाएं भी कई संदिग्ध ऋण/ अन्य ऐप संचालित कर रही थीं और इन ऐप के संचालन के बहाने जनता से धन प्राप्त करने में शामिल था। ईडी ने इससे पहले 14 सितंबर, 2022 को ली गई तलाशी के दौरान 46.67 करोड़ रूपये के बैंक/वर्चुअल खाते की शेष राशि को फ्रीज कर दिया था।

अब जेड प्लस सुरक्षा घेरे में रहेंगे मुकेश अंबानी, खतरे की समीक्षा के बाद सरकार का फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के प्रमुख उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के सुरक्षा कवर को अपग्रेड कर दिया है। अब उन्हें जेड प्लस कैटेगिरी की सुरक्षा दी जाएगी। जेड प्लस सुरक्षा की टॉप श्रेणी होती है। सरकार की ओर से यह फैसला मुकेश अंबानी के खतरों को लेकर केंद्रीय खुफिया एवं सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समीक्षा किए जाने के बाद लिया गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अंबानी (65) को पहली बार 2013 में भुगतान आधार पर सीआरपीएफ कमांडो का जेड श्रेणी का सुरक्षा कवर दिया गया था। उनकी पत्नी नीता अंबानी को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है, जिसमें कमांडो की संख्या

कम होती है। हाल ही में ब्लूमबर्ग की ओर से जारी दुनिया के धन कुबेरों की सूची में मुकेश अंबानी 10वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। सूत्रों ने बताया कि अंबानी की सुरक्षा को शीर्ष श्रेणी के जेड प्लस में बदल दिया गया है और इस संबंध में आवश्यक सूचना जल्दी ही जारी की जाएगी। अंबानी को खतरे की धारणा के संबंध में केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों से जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सिफारिश को औपचारिक रूप दिया।

सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को मौजूदा सुरक्षा कवर को बढ़ाकर जेड प्लस करने और उनकी सुरक्षा में और कमांडो शामिल करने के लिए कहा जा सकता है। उनकी सुरक्षा में कुल 40-50 कमांडो शामिल हो सकते हैं जो पाली में काम करते हैं। सीआरपीएफ अभी अंबानी के आवास और कार्यालय परिसर को भी सुरक्षा प्रदान करता है।

पिछले साल की शुरुआत में, उस समय अंबानी की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी जब मुंबई में उनके आवास के पास विस्फोटकों से लदी एक एसयूवी कार बरामद हुई थी। इसके बाद राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने मामले की जांच शुरू की थी।

छात्र हत्या

6 साल का छात्र स्कूल के बाहर बेहोश मिला, चेहरे पर सूजन थी

बिहार : टीचर ने होमवर्क ना करने पर छात्र को पीटा, मौत

एजेंसी

गया। बिहार में एक टीचर ने होमवर्क ना करने पर छात्र को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। यह मामला गया का है। 6 साल का बच्चा तीसरी क्लास में स्कूल के ही हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक बुधवार को बच्चा स्कूल के गेट के बाहर गांव के ही एक व्यक्ति को बेसुध हालत में पड़ा मिला। उसका पूरा चेहरा सूजा हुआ था। उसकी नाक से खून बह रहा था। यूनिफॉर्म भी फटी हुई थी। अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई।

पीड़ित वजीरगंज- फतेहपुर रोड पर बड़ही बिगहा गांव के पास लिटिल लीडर्स पब्लिक स्कूल में पढ़ता था। उसका घर स्कूल से 3 किलोमीटर दूर था, इसलिए परिवार ने स्कूल के ही हॉस्टल में उसे रखा था। बच्चे की मौत के बाद परिवार ने स्कूल के बाहर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस ने बुधवार शाम स्कूल संचालक विकास सिंह को गिरफ्तार कर लिया। 302 के तहत हत्या का केस दर्ज किया गया है। बच्चे की मौत के बाद स्कूल को भी बंद करवा दिया गया है। हॉस्टल से भी सभी बच्चों को घर भेज दिया है।

पहले भी मारपीट की शिकायत की थी, हमने सोचा अब नहीं करेंगे

बच्चे के दादा रामबालक प्रसाद ने स्कूल पर मारपीट और बच्चे की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया, पहले भी मारपीट को लेकर शिकायत की थी, लेकिन स्कूल वालों ने कहा था अब नहीं होगा। इसके बाद सब ठीक था।

दादा ने बताया कि वहां के शिक्षक विकास कुमार सिंह ने उनके पोते विवेक कुमार की पिटाई की और स्कूल से बाहर कर दिया, जिसके बाद स्कूल के बाहर कुछ दूरी पर वह घंटों बेहोश पड़ा रहा।

उन्होंने बताया, इस बीच मेरे गांव उखड़ा का रहने वाला बंटी राजवंशी उसी रास्ते से गुजर रहा था। उसने विवेक को सड़क किनारे देखा तो उसे उठा कर घर ले आया। हम उसे स्कूल ले गए और फिर थाना लेकर गए, लेकिन पुलिस ने पहले इलाज कराने को कहा। फिर उसे गया रेफर कर दिया गया, रास्ते में बच्चे ने दम तोड़ दिया।

अस्पताल पहुंचा तो बच्चे का चेहरा पूरा सूजा हुआ था

वजीरगंज CHC के डॉ. रविशंकर कुमार ने बताया कि विवेक हमारे पास बेहोशी की हालत में आया था। शरीर का ऊपरी भाग पूरी तरह से सूजा हुआ था, उनके परिजन ने बाहर भी इलाज करवाने की बात बताई थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे तुरंत एएनएमसीएच रेफर कर दिया था। थानाध्यक्ष रामएकबाल प्रसाद यादव ने बताया कि पीड़ित परिवार ने बच्चे की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या का आरोप लगाया है।

शार्ट न्यूज

श्रीनगर में एजीयूएच आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने श्रीनगर में कट्टरपंथी संगठन अंसार गजवत उल हिंद (एजीयूएच) के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ्तार आतंकवादी की पहचान नवाकदल निवासी जुनैद अहमद पार्रे के रूप में की गयी है। उसके पास से एक पिस्तौल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। दो सप्ताह पहले श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम में हुए एक मुठभेड़ में एजीयूएच के दो आतंकवादी मारे गए थे।

आंध्र में तेज बारिश के आसार

अमरावती। आंध्र प्रदेश तट से दूर पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है जिससे विभिन्न राज्यों में अगले तीन दिनों तक तेज बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के प्रकाशम और एसपीएसआर नेल्लोर, गुंटूर जिला और रायलसीमा के अनंतपुर, वाईएसआर और चित्तूर जिला तथा यनम के विशाखापट्टनम सहित विभिन्न जिलों के अलग-अलग स्थानों पर तेज बारिश होने का अनुमान हैं। विज्ञप्ति में बताया गया कि यनम के पश्चिमी गोदावरी, पूर्वी गोदावरी जिले और दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के कृष्णा, गुंटूर, प्रकाशम और एसपीएसआर नेल्लोर जिले, रायलसीमा के कुरनूल, अनंतपुर, वाईएसआर जिला और चित्तूर जिले के अलग-अलग स्थानों पर शुक्रवार को भारी वर्षा के आसार हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गयी है। इस बीच, दैनिक मौसम रिपोर्ट में मौसम विभाग ने कहा कि उत्तरी-दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर अगले तीन दिनों तक गरज के साथ बौछारें पड़ने के अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि तटीय आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में पिछले 24 घंटे में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हुई और रायलसीमा के कुरनूल और वाईएसआर जिले में एक या दो स्थानों पर तेज बारिश हुई। रायलसीमा में दक्षिण पश्चिम मानसून जोरदार रहा है। इसी दौरान पुडुचेरी के यनम में शुष्क मौसम रहा।

तमिलनाडु में आरएसएस को रैली निकालने की अनुमति नहीं

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को राज्य में रैली निकालने और जनसभाएं आयोजित करने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है हालांकि मद्रास उच्च न्यायालय ने एक सप्ताह पहले ही इसके लिए इजाजत दे दी थी। तमिलनाडु पुलिस ने कानून व्यवस्था की समस्या बताते हुए अनुमति देने से इंकार किया है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और इससे जुड़े अन्य संगठनों के खिलाफ देशभर में एनआईए के छापे और केंद्र सरकार द्वारा पीएफआई को पांच साल के लिए गैरकानूनी संगठन घोषित किये जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस के पदाधिकारियों के खिलाफ हमलों को देखते हुए यह फैसला लिया है। पुलिस ने कहा कि आरएसएस को अनुमति इसलिए नहीं दी गयी क्योंकि कुछ असामाजिक तत्व प्रदर्शन या किसी और तरह की हरकत कर शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास कर सकते हैं जिससे चल अचल संपत्ति या लोगो को हानि होने की आशंका है। इसके साथ ही पुलिस ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विदुथालाई चिरूथैगल कच्ची (वीसीके) पार्टी को भी अनुमति देने से इंकार कर दिया है। इस बीच अनुमति नहीं दिये जाने के विरोध में आरएसएस ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी है जिसके बाद पुलिस ने भी 22 सितंबर के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए एक याचिका दायर कर दी है।

कांग्रेस नेता जयंती पटनायक का निधन

भुवनेश्वर। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं ओडिशा से पहली महिला सांसद जयंती पटनायक का यहां उनके आवास पर वृद्धावस्था संबंधी बीमारी के कारण बुधवार की रात निधन हो गया। वह 90 वर्ष की थीं। पटनायक ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री जानकी बल्लव पटनायक की पत्नी थीं। पारिवारिक सूत्रों ने कहा कि उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को पुरी के स्वर्गद्वार में किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ओडिशा के राज्यपाल प्रो गणेशी लाल, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक, पूर्व ओपीसीसी अध्यक्ष निरंजन पटनायक, ओडिशा मंत्रिपरिषद के सदस्य और कई कांग्रेस नेता भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयनात पांडा ने सुश्री पटनायक के निधन पर शोक व्यक्त किया। सात अप्रैल 1932 को गंजम जिले के अस्का में जन्मी सुश्री पटनायक ने हरिहर विद्यापीठ, अस्का से मैट्रिक, सैलाबाला महिला कॉलेज कटक से स्नातक और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई से पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा किया था। उनकी शादी 1953 में प्रख्यात राजनीतिक नेता जानकी बल्लव पटनायक से हुई थीं। वह 1981 में कटक लोकसभा क्षेत्र से पहली महिला सांसद निर्वाचित हुई थी। वह 1984 में कटक से और 1998 में बरहामपुर लोकसभा क्षेत्र से फिर से चुनी गईं। वह 1996 में राज्यसभा के लिए चुनी गईं। पटनायक राष्ट्रीय महिला आयोग की पहली अध्यक्ष थी और अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली ओडिया महिला भी थीं।

भारत जोड़ो यात्रा का 22वां दिन, केरल यात्रा पूरा

गुडलुर (तमिलनाडु)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक चल रही भारत जोड़ो यात्रा 22वें दिन आज केरल से होते हुए कर्नाटक पहुंचने से पहले फिर तमिलनाडु पहुंची है। पदयात्री सुबह साढ़े छह बजे निलंबूर से वज़िक्क़दबु के लिए रवाना हुए और सुंदर नीलगिरी पहाड़ियों से होते हुए करीब दो घण्टे में केरल के वज़िज़्कदबु पहुंचे। बाद में पदयात्री केरल छोड़कर तमिलनाडु के गुडालूर में टीकेएच मनीमूली गवर्नमेंट आर्ट एंड साइंस कॉलेज पहुंचे जहां से यात्रा कल सुबह आगे के लिए रवाना होगी। पद यात्रियों ने केरल में मिले समर्थन और प्यार के लिए वहां के लोगों का आभार व्यक्त किया है। खुद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी इसके लिए केरल के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें केरल में घर जैसा स्नेह मिला। गांधी ने बाद में केरल कांग्रेस के लोगों को भी संबोधित किया।

दहेज की मांग को लेकर की पत्नी की हत्या

अलवर। राजस्थान में अलवर के एमआईए थाना क्षेत्र अंतर्गत साहडोली सहमत का बास में एक वयक्ति द्वारा देहज की मांग को लेकर अपनी पत्नी की हत्या करने का मामल सामने आया है। पुलिस के अनुसार मृतका रफीकन बानो के पिता हुसैन खान की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कराया है। पीहर पक्ष का आरोप है कि ससुराल वाले लम्बे समय से एक बोलेरो गाड़ी एवं पांच लाख रूपए दहेज की मांग कर रहे थे। दहेज नहीं देने पर उसकी हत्या कर दी। पुलिस उपाधीक्षक कमल प्रसाद ने बताया मृतक रफीकन बानो का ससुराल साहडोली में था। रफीकन का विवाह 2019 में हुआ था जिसके दो बच्चे है मृतक रफीकन के पिता हुसैन ने थाने पर रिपोर्ट दी की ससुराल पक्ष के लोगों ने रफीकन बानो की हत्या कर दी है। उसके बाद मृतका का शव को सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया और घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को भेजकर जांच करवाई गई। मृतका का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है और प्रकरण को पंजीबद्ध कर लिया गया है। आगे अनुसंधान के बाद अग्रिम कारवाही की जाएगी।

गीले कचरे से बायो गैस और बायो सीएनजी बनाने किए गए प्रयास : भूपेन्द्र

भोपाल। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वेस्ट-टू-वेल्थ के स्वप्न को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश अपने संकल्प के साथ देश के अन्य प्रमुख राज्यों के लिए आदर्श बन कर उभरेगा और कचरा प्रबंधन क्षेत्र में प्रदेश की आत्म-निर्भरता की संकल्पना को साकार करेगा। प्रदेश में शहरी गीले कचरे से बायो गैस, बायो सीएनजी बनाने के लिए बहु-उद्देश्यीय इकाइयों की स्थापना के लिये नीतिगत निर्णय लिया गया।

कर्नाटक में दलितों का मंदिर पर कब्जा

मंदिर में घुसने पर दलित बच्चे के साथ हुई थी मारपीट, 60 हजार का जुर्माना भी लगा था

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक के एक मंदिर में दलितों ने कब्जा कर वहां पर नीला झंडा फहरा दिया। दरअसल, 8 सितंबर को कोलार जिले में भूतयम्मा मेले का आयोजन किया गया था और दलितों को गांव के देवता के मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी। इसी गांव के रहने वाले शोबा और रमेश का 15 साल का बेटा चेतन मंदिर में चला गया। बच्चे ने ग्राम देवता सिदिराना से जुड़े एक खंभे को छू लिया।

कुछ ग्रामीण ने बच्चे को मंदिर का हिस्सा छूता देख लिया और बुजुर्गों को बता दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लड़के ने गांव के नियमों की अनदेखी की। बस इसी बात से गुस्साए ग्रामिणों ने दलित बच्चे के साथ मारपीट की। उसके बाद बच्चे के परिवार को अगले दिन गांव के बुजुर्गों के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया।

वहीं गुरुवार को दलित परिवार के साथ इस व्यवहार से गुस्साए अन्य दलितों ने गांव का घेराव किया। साथ ही नाराजगी जताते हुए मंदिर में नीला झंडे लगा दिए और कब्जा कर लिया।

1 अक्टूबर तक जुर्माना देने का कहा था

ग्रामिणों ने आरोप लगाया था कि खंभा छूने से अशुद्ध हो गया और उसे फिर से रंगना पड़ेगा। गांव के मुखिया नारायणस्वामी ने उन पर री पेंटिंग के लिए 60 हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर वे 1 अक्टूबर तक जुर्माना नहीं भरते हैं, तो पूरे परिवार को गांव से निकाल दिया जाएगा।

दलित परिवार ने इसके खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज की थी। पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक, गांव में केवल 8-10 दलित परिवार ही रहते हैं।

तेलंगाना के छह जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

हैदराबाद। मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को तेलंगाना के छह जिलों नलगोंडा, सूर्यापेट, यादाद्री भुवनगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी और मेडक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया, जहां अगले 24 घंटों में अलग-अलग स्थानों पर अतिवृष्टि होने का अनुमान जताया है। विभाग ने इसी अवधि के दौरान तेलंगाना के कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, करीमनगर, पेड्डापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलूगू, भद्राद्री कोठागुडम, खम्माम, महबूबाबाद, वारंगल, जनागांव, सिद्दीपेट, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरि, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानपर्ति, नारायणपेट, जोगुलाम्बा गडवाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है और येलो अलर्ट' भी जारी किया है।तेलंगाना के सभी जिलों में शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने के आसार हैं। इस कारण राज्य के कई जिलों के निचले इलाकों में जलजमाव की समस्या हो सकती है और रेल, सड़क यातायात कुछ घंटों के लिए प्रभावित हो सकती है तथा बिजली गुल होने की समस्या से दोचार होना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर 1.5 किलोमीटर ऊपर चक्रवाती हवाएं चल रही है।

आरक्षित वन क्षेत्र में खनन के मामले में हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से मांगा जवाब

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने आरक्षित वन क्षेत्र में निजी लोगों को खनन की अनुमति देने के मामले में प्रदेश सरकार के कदम पर रोक लगाते हुए मुख्य सचिव को जवाबी हलफनामा पेश करने को कहा है। मामले को बाजपुर निवासी रमेश कांबोज की ओर से जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती देते हुए कहा गया है कि उच्च न्यायालय ने 2014 में एक आदेश जारी कर आरक्षित वन क्षेत्र में निजी खनन पर रोक लगा दी थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में हुई। प्रदेश सरकार की ओर से उच्च न्यायालय के आदेश को 2015 में उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गयी, लेकिन सरकार वहां भी लड़ाई हार गयी। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश को सही ठहराते हुए सरकार की अपील को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से आगे कहा गया प्रदेश सरकार उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद आरक्षित वन क्षेत्र में निजी लोगों को खनन की अनुमति देने जा रही है।

कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के 40 पोस्टर फाड़े गए

आज राज्य में एंट्री करेंगे राहुल गांधी, विधानसभा चुनाव में मिल सकती है मदद

कर्नाटक। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक में प्रवेश करने वाली है। 30 सितंबर को पार्टी कर्नाटक पड़ाव की शुरुआत करेगी।

इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य में राहुल गांधी के स्वागत में पोस्टर लगाए हैं, लेकिन राहुल गांधी के पहुंचने से पहले करीब 40 पोस्टर फाड़ दिए गए हैं।

कांग्रेस नेता इसे भाजपा की हरकत बता

रहे हैं। उनका का आरोप है कि भाजपा ने गुंडलपेट हाईवे पर लगे पोस्टर्स फाड़ दिए हैं। हालांकि, अभी तक इस बारे में जानकारी नहीं मिली है कि पोस्टर क्यों और किसने फाड़े हैं।

भारत जोड़ो यात्रा को 22 दिन पूरे

7 सितंबर से शुरू हुई कांग्रेस की पदयात्रा को 22 दिन हो चुके हैं। केरल में करीब 450 किमी का सफर तय करने के बाद 30 सितंबर को यात्रा कर्नाटक में चामराजनगर जिले के जरिए कर्नाटक में प्रवेश करेगी। कर्नाटक में साल 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राज्य में कांग्रेस की यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। यहां कांग्रेस का सीधा मुकाबला भाजपा से है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजनीतिक जानकार संदीप शास्त्री कहते हैं, यह यात्रा बताएगी कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर कितनी मौजूद है और कर्नाटक में पार्टी की स्थिति क्या है।

उधमपुर विस्फोट में संभवतः टाइमर वाले स्टिकी बम का इस्तेमाल : एडीजीपी

एजेंसी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह (जम्मू रेंज) ने गुरुवार को कहा कि उधमपुर जिले में दो बसों में हुए विस्फोटों में संभवत: टाइमर वाले स्टिकी बमों का इस्तेमा हुआ है।

उधमपुर जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान दो धमाके हुए हैं। पहला धमाका बुधवार की रात डोमेल मोड़ पर एक बस में हुआ जबकि दूसरा गुरुवार सुबह पुराने बस अड्डे पर दूसरे बस में हुआ।

श्री सिंह ने पत्रकारों से कहा, विभिन्न एजेंसियां इन मामलों की जांच कर रही हैं। हमलोग सभी जगहों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर काम कर रहे हैं और हाल ही में खोजे गए आतंकी मॉड्यूल के कनेक्शन पर भी ध्यान दे रहे हैं। शुरुआत में जांच के अनुसार, दोनों विस्फोट एक जैसे हैं और इनमें एक ही विस्फोटक का उपयोग हुआ है। इन विस्फोटों में टाइमर वाले स्टिकी बमों का उपयोग होने की आशंका है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है।

उन्होंने कहा कि उधमपुर में पुराने बस अड्डे में खड़ी एक बस में आज सुबह 6:00 बजे विस्फोट हुआ जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि उधमपुर के डोमेल चौक पर बुधवार की रात 10:30 बजे एक पेट्रोल पंप के पास खड़ी एक बस में विस्फोट हुआ था जिसमें दो लोग मामूली रूप से घायल हुए थे।

नाबार्ड ने हिमाचल के लिए किए 609.54 करोड़ रुपए ऋण की मंजूरी

शिमला। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक ने ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास कोष के तहत हिमाचल प्रदेश की 113 परियोजनाओं के लिए 609.54 करोड़ रुपए ऋण की मंजूरी दी है। नाबार्ड ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि वह राज्य सरकारों को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए रियायती ऋण प्रदान करेगा। नाबार्ड के प्रवक्ता ने कहा कि बैंक ने 26 पेय जल आपूर्ति, 30 लघु सिंचाई के लिए, 40 ग्रामीण सड़कों के लिए और चार पुलों के लिए तथा 13 सीवरेज परियोजनाओं सहित 113 परियोजनाओं के लिए 609.54 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।

यूकेएसएसएससी भर्ती घोटालाः हाकम सिंह की रिमांड को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) भर्ती घोटाले में जेल में बंद आरोपी हाकम सिंह रावत की रिमांड के मामले में सरकार को एक सप्ताह के अंदर जवाब देने को कहा है। इस मामले में अगले महीने 12 अक्टूबर को सुनवाई होगी। मामले को आरोपी हाकम सिंह की ओर से उच्च न्यायालय में चुनौती दी गयी है। आज प्रकरण की सुनवाई न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की पीठ में हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि इस प्रकरण में अभियोग भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 420 के तहत पंजीकृत किया गया है लेकिन अभियोजन पक्ष की ओर से उसके खिलाफ अपराध की धारा 467, 468, 471 एवं 34 में बढ़ोतरी कर दी गयी है। साथ ही अभियोजन पक्ष की ओर से इस मामले की सूचना उसे नहीं दी गयी है। यह भी नहीं बताया गया कि उसके विरूद्ध अपराध की धाराओं में वृद्धि क्यों की गयी है। जो कि सीआरपीसी की धारा 41ए का उल्लंघन है। अदालत ने अंत में सरकार से इस मामले में एक सप्ताह के अदंर जवाब देने को कहा है। अब इस प्रकरण की सुनवाई 12 अक्टूबर होगी।

सतर्कता छापेमारी के लिये पैनल तैयार करने का फैसला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सतर्कता छापेमारी के लिए स्वतंत्र गवाह नियुक्त करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के पांच राजपत्रित अधिकारियों का पैनल तैयार करने का निर्णय किया है जिसमें से एसपी विजिलेंस छापेमारी के लिए स्वतंत्र गवाह के रूप में किसी को भी चुन सकते हैं। इस आशय का एक परिपत्र मुख्य सचिव ने राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, सभी मंडल आयुक्तों और सभी उपायुक्तों को लिखा है। पत्र के अनुसार उपायुक्त द्वारा हर तीन महीने में पैनल को संशोधित किया जाएगा और पैनल के लिए चुने गए अधिकारियों की सूची को केवल महानिदेशक, राज्य सतर्कता ब्यूरो के साथ साझा किया जाना चाहिए। पैनल के लिए चुने गए अधिकारी को त्रुटिहीन सत्यनिष्ठा के साथ-साथ अच्छी प्रतिष्ठा वाला होना चाहिए।

इसके अलावा, पैनल में कोई भी दो व्यक्ति एक ही विभाग/बोर्ड/निगम से नहीं होने चाहिए। पैनल में शामिल अधिकारियों को उपायुक्त द्वारा व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाना चाहिए, पैनल के अन्य अधिकारियों के नाम उसमें शामिल नहीं होना चाहिए।

अकाली दल (यूनाइटेड) युवा विंग के अध्यक्ष मनप्रीत सिंह आप में शामिल

चंडीगढ़। पंजाब में लुधियाना के पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं शिरोमणि अकाली दल (यूनाइटेड) युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनप्रीत सिंह तलवंडी गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। आप के प्रदेश महासचिव हरचंद सिंह बरसट ने औपचारिक रूप से श्री सिंह का पार्टी में शामिल होने पर स्वागत किया और कहा कि आप सरकार के जनहितैषी कामों से प्रभावित होकर राज्य का युवा वर्ग लगातार पार्टी में शामिल हो रहा है। उन्होंने कहा कि मान सरकार राज्य की युवा पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर है और प्रतिदिन जनहित में फैसले ले रही है।

पर्वतीय जिलों के मेडिकल कॉलेज की फैकल्टी को मिलेगा 50 फीसदी अतिरिक्त भत्ता : रावत

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय जनपदों में स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज अब फैकल्टी की समस्या से नहीं जूझेंगे। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में नियमित एवं संविदा पर तैनात मेडिकल फैकल्टी को उनके वेतनमान के सापेक्ष 50 फीसदी अतिरिक्त भत्ता देने का निर्णय लिया है, जिसका शासनादेश शीघ्र जारी कर दिया जायेगा।

राज्य सरकार के इस फैसले से पर्वतीय क्षेत्रों में राजकीय मेडिकल कॉलेजों को आवश्यकतानुसार फैकल्टी मिल सकेगी। डॉ. रावत ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि लम्बे समय से पर्वतीय क्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी महसूस की जा रही थी। जिसके मद्देनजर एक नई पहल शुरू की गई है। जिसको राज्य कैबिनेट से मंजूरी के बाद लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर आने वाले समय में इस नई पहल का लाभ वहां के मेडिकल छात्रों को पर्याप्त फैकल्टी के रूप में मिल सकेगा। उन्होंने इस पहल के लिये मुख्यमंत्री सहित कैबिनेट के समस्त सदस्यों का आभार एवं धन्यवाद दिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के लिये निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य कैबिनेट ने पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार के इस निर्णय के तहत पर्वतीय जनपदों के मेडिकल कॉलेजों में नियमित एवं संविदा पर तैनात मेडिकल फैकल्टीज को उनके वेतनमान के सापेक्ष 50 फीसदी अतिरिक्त भत्ता दिया जायेगा। जिससे फैकल्टी की कमी से जूझ रहे मेडिकल कॉलेजों को बड़ी राहत मिलेगी।

बारिश से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई करेगी सरकार : चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि किसानों की फसलों को पिछले दिनों बारिश से हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी तथा इसके लिए जिला प्रशासन को गिरदावरी करने संबंधी आदेश दिए जा चुके हैं।

चौटाला ने गुरुवार को जिला सिरसा के ताजिया खेड़ा गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसान स्वयं भी अपनी फसलों के नुकसान का ब्यौरा ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल पर कर सकते हैं। खेतों के अलावा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भी जहां पर जलभराव हुआ है, उसकी निकासी के संबंध में भी जिला प्रशासन को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं।

इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों की समस्याएं भी सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पूरे प्रदेश में हुई बारिश के कारण खेतों आदि स्थानों पर पानी जमा होने की स्थिति बन गई है, इसलिए सिंचाई और राजस्व विभाग के अधिकारियों को खेतों से पानी निकालने संबंधी भी आदेश दिए गए हैं, ताकि खेतों में तैयार फसल को कोई नुकसान न हो और रुके हुए पानी के कारण रबी सीजन की फसलों की बुवाई करने में देरी न हो।

चौटाला ने कहा कि जिन किसानों ने मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर फसल पंजीकरण करवाया हुआ है, वह ई-फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल पर सीधे ही फसलों को पहुंचे नुकसान की जानकारी स्वयं ही दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद कानूनगो व पटवारी पोर्टल पर दर्ज नुकसान का आंकलन कर एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की हर सीजन की फसल को उचित दाम पर खरीदने का काम किया है तथा फसल के दाम भी सीधे किसानों के खाते में भेजे जा रहे हैं।

दो दिवसीय इन्वेस्ट राजस्थान समिट की तैयारियां जोर शोर से

जयपुर। राजस्थान में निवेश आकर्षित करने और रोजगार के नवीन अवसरों का सृजन करने के लिए राजधानी जयपुर में आगामी सात अक्टूबर से आयोजित होने वाले 'इन्वेस्ट राजस्थान समिट 2022'' की जोर शोर से तैयारियां चल रही है। दो दिवसीय तैयारियों के मध्यनजर आज जेईसीसी में 'इन्वेस्ट राजस्थान समिट'' में प्रोटोकॉल ऑफिसर्स एवं वॉलिटीयर्स के लिए ऑरियेंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन, उद्योग विभाग, रीको के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस ऑरियेंटेशन प्रोग्राम में राजकीय अधिकारियों के साथ आईसीजी, पूर्णिमा, जेईसीआरसी कॉलेज के 175 बच्चों ने भाग लिया। उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने बताया कि समिट में आने वाले गेस्ट बहुत ही हाई प्रोफाईल है।

भोपाल : दिग्विजय के मध्यप्रदेश से प्रस्तावक कांग्रेस नेता दिल्ली कूच पर

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव में ताल ठोकने के बाद उनके समर्थक नेताओं ने दिल्ली में डेरा डाल लिया है और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता डॉ गोविंद सिंह ने आज यहां 12 प्रस्तावक विधायकों की सूची जारी की।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के र्प्रमुख के के मिश्रा ने यूनीवार्ता से चर्चा में डॉ गोविंद सिंह की ओर से 12 विधायकों के नाम प्रस्तावकों के रूप में जारी करने की पुष्टि करते हुए कहा कि ये सभी नेता दिल्ली की ओर कूच कर गए हैं और वे कल वहां श्री दिग्विजय सिंह के नामांकनपत्र दाखिल के दौरान प्रस्तावकों के रूप में मौजूद रहेंगे।

डॉ गोविंद सिंह की ओर से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को लिखा गया पत्र भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ है, जिसमें श्री दिग्विजय सिंह के प्रस्तावकों के रूप में 12 विधायकों डॉ गोविंद सिंह के अलावा सुश्री हिना कांवरे, जीतू पटवारी, पी सी शर्मा, लाखन सिंह यादव, आलोक चतुर्वेदी, आरिफ मसूद, कांतिलाल भूरिया, रामलाल मालवीय, सुरेंद्र सिंह बघेल, विपिन वानखेड़े और कमलेश्वर पटेल के नाम शामिल हैं। इस पत्र में विपक्ष के नेता डॉ सिंह ने श्री कमलनाथ को संबोधित करते हुए लिखा है, %%आपसे दूरभाष पर हुयी चर्चा अनुसार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के चुनाव के नामांकन हेतु प्रस्तावकों समर्थकों के नाम दिए जाने के संबंध में मुझे निर्देशित किया था।

छह किलोग्राम अवैध गांजा के दो तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की बनेड़ा क्षेत्र में पुलिस ने पाबंदी के दौरान छह किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजेंद्र ताड़ा, हेड कॉन्स्टेबल मांगीलाल जाट, कॉन्स्टेबल सीताराम, विक्रम, जगदीश के साथ सर्किल में जयपुर कांकरोली स्टेट हाईवे पर स्थित कंकोलिया तिराहे पर नाकाबंदी कर रहे थे। इस दौरान संदेह के आधार पर बाइक सवार दो लोगों को रोका और उनके पास मिले प्लास्टिक के कट्टे की तलाशी ली तो छह किलो 45 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने दोनों तस्करों शाहपुरा थाने के तस्वारिया निवासी रामप्रसाद (32 एवं पवन प्रजापत (24) को गिरफ्तार कर गांजा बरामद कर लिया। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

आउटसोर्स कर्मियों की नीति पर बड़ा फैसला, पेंशनभोगियों को मिलेगा भत्ता

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुये प्रदेश कौशल विकास निगम का नाम बदलकर कंपनी अधिनियम-2013 के प्रावधानों के तहत 'हिमाचल प्रदेश कौशल विकास एवं रोजगार निगम कंपनी' किया जाएगा। सभी आउटसोर्स कर्मी इसी कंपनी में शिफ्ट किए जाएंगे। इस आशय का निर्णय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में बुधवार शाम तक चली मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इससे इन्हें समय पर वेतन, अन्य लाभ और निजी कंपनियों के शोषण से मुक्ति मिलेगी। इस फैसले से 27 हजार लोगों को लाभ मिलेगा। इससे नई भर्तियां भी यही कंपनी करेगी और उसमें रोस्टर भी लागू होगा।

बैठक में विभिन्न वर्ग के पेंशनभोगियों को पांच से 15 फीसदी तक पेंशन भत्ता देने को भी मंजूरी दी। बैठक में मंत्रिमंडल उपसमिति ने आउटसोर्स कर्मियों के बारे में रिपोर्ट रखी जिसे सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

बैठक में फैसला लिया है कि यह कंपनी तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करेगी। विभिन्न सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों, राज्य के शिक्षण संस्थानों, सांविधिक संस्थाओं, राज्य सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाले अन्य उपक्रमों की अस्थायी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुशल, अर्द्धकुशल और अन्य कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करेगी। निजी कंपनियों के साथ इन कर्मियों का अनुबंध खत्म किया जाएगा। अन्य फैसलों में पेंशनभोगियों, पारिवारिक पेंशनभोगियों और राज्य संवर्ग से संबंध रखने वाले अखिल भारतीय सेवा से संबंधित पारिवारिक पेंशनभोगियों को उनकी संशोधित मूल पेंशन और मूल पारिवारिक पेंशन पर क्रमवार पांच, 10 और 15 प्रतिशत पेंशन भत्ता देने का निर्णय लिया है। इससे 65 से 80 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 86200 पेंशनभोगी और पारिवारिक पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे। राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की ओर से संचालित सभी विद्यालयों को स्टाफ सहित शिक्षा विभाग में हस्तांतरित करने की सैद्धांतिक मंजूरी भी कैबिनेट ने दी।

शार्ट न्यूज

नव श्री मानव धर्म रामलीला में मुंबई के कई फिल्मी सितारे अभिनय करते हुए नजर आएंगे

नई दिल्ली। देरावल नगर मॉडल टाउन में इस वर्ष भी नव श्री मानव धर्म रामलीला कमेटी प्रभु श्री राम की लीला का मंचन करवा रही है। इस वर्ष रामलीला में मुंबई के कई फिल्मी सितारे अभिनय करते हुए नजर आएंगे। रामलीला कमेटी के प्रधान श्री विकेश सेठी के अनुसार रावण की भूमिका में पुनीत इस्सर, भगवान राम की भूमिका में सिद्धांत इस्सर, मनोज तिवारी अंगद की भूमिका में, हनुमान जी की भूमिका में वीर विरेंद्र सिंह जो फिल्म टाइगर 3 में सलमान खान के साथ दिखाई देंगे, पंकज बेरी विश्वामित्र के रूप में, पायल रोहतगी स्वरूप नखा के रूप में दिखाई देंगे। रामलीला कमेटी के चेयरमैन श्री अखिल सिंघल के अनुसार बीती रात सीता स्वयंवर के दृश्य को देखने के लिए हजारों की संख्या में राम भक्तों पधारे और रामलीला का आनंद लिया। इस रामलीला में विशाल फूड कोर्ट और बड़े बड़े झूले लोगों के आकर्षण का केंद्र है। 25 साल पुरानी इस रामलीला में हर वर्ष राष्ट्रीय स्तर के नेता सम्मिलित होते हैं। दशहरा दहन पर रावण कुंभकरण और मेघनाथ के विशाल पुतले लोगों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कमेटी के प्रधान विकेश सेठी के अनुसार रिहायशी इलाका होने की वजह से प्रतिदिन यहां 15 से 20 हजार लोगों के आने की संभावना है।

बॉबी कटारिया ने दिल्ली में किया सरेंडर, बी वारंट पर दून पुलिस करेगी खातिरदारी

नई दिल्ली। खुलेआम सड़क पर ट्रैफिक रुकवाकर शराब पीने के मामले में फरार ब्लॉगर बॉबी कटारिया ने आखिर दिल्ली में सरेंडर कर दिया। दिल्ली में उसे तिहाड़ भेजा गया है। वहां से आरोपी को एक अक्तूबर को पुलिस बी वारंट पर दून लाएगी। यहां उसके खिलाफ सड़क रोककर शराब पीने का केस दर्ज है। अगस्त में बॉबी कटारिया का एक वीडियो वायरल हुई था। वह सड़क पर ट्रैफिक रुकवाकर शराब पीता दिख रहा था। मामले में डीजीपी के आदेश पर 11 अगस्त को कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। यह वीडियो उसने 25 जुलाई को किमाड़ी मार्ग पर रिकार्ड कराया था। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद कटारिया ने सोशल मीडिया पर उत्तराखंड पुलिस को धमकी भी दी थी। इस मामले में उसे कई बार बुलाने के लिए नोटिस जारी किए गए, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुआ। गैर जमानती वारंट लेने के बाद उसके घर की कुर्की का नोटिस चस्पा किया। दून के साथ ही दिल्ली पुलिस की गिरफ्त से वह फरार था। दिल्ली पुलिस फ्लाइट में खुले आम सिगरेट पीने के मामले में उसकी तलाश कर रही थी। इंस्पेक्टर कैंट राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि तीन दिन पहले बॉबी कटारिया ने दिल्ली में सरेंडर कर दिया है। वहां से उसे जेल भेजा गया। इसकी सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस ने उसे दून लाने की तैयारी कर ली है। उसे एक अक्तूबर को बी वारंट पर दून लाया जाएगा।

आधे उपभोक्ता मांग चुके बिजली पर सब्सिडी, अभी 47 लाख उपभोक्ता को मिल रहा है लाभ

नई दिल्ली। वर्तमान में बिजली पर सब्सिडी पा रहे 47 लाख लोगों में से आधे लोगों ने आगे भी सब्सिडी जारी रखने के लिए पंजीकरण करा लिया है। गुरूवार दोपहर तक 22.82 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने बिजली सब्सिडी जारी रखने के लिए आवेदन कर चुके है। दिल्ली में आगामी एक अक्तूबर से बिजली सब्सिडी एक वैकल्पिक व्यवस्था होगी। सिर्फ मांगने पर ही सब्सिडी मिलेगी, अगर आवेदन नहीं किया तो यह अगले बिल से बंद हो जाएगी। दिल्ली में वर्तमान में करीब 58 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ता है, जिसमें 47 लाख के करीब लोगों को बिजली पर सब्सिडी का फायदा मिलता है। बिजली के 30 लाख उपभोक्ता जिनका बिजली का बिल जीरो आता है जबकि 16-17 लाख उपभोक्ता ऐसे है जिनका बिजली का बिल आधा आता है। अब इन 47 लाख उपभोक्ताओं में आगामी एक अक्तूबर से उन्हें ही बिजली की सब्सिडी मिलेगी जो कि आवेदन करेंगे। सरकार ने मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बिजली पर सब्सिडी देने के लिए 3250 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। दिल्ली में बिजली सब्सिडी के लिए सबसे अधिक आवेदन बीआरपीएल इलाके से आया है इस बिजली आपूर्ति कंपनी के इलाके से 10.59 लाख से अधिक लोग पंजीकरण करा चुके है। वहीं बीवाईपीएल के इलाके से 5.44 लाख, टाटा पावर के इलाके से 6.71 लाख और लुटियन दिल्ली समेत एनडीएमसी इलाके में बिजली आपूर्ति करने वाली एनडीपीएल के इलाके से 7154 लोगों ने बिजली की आपूर्ति के लिए आवेदन किया है। जिन लोगों ने आवेदन किया है उन्हें तीन दिन के अंदर सब्सिडी जारी रखे का एसएमएस व मेल के जरिए सूचना दी जा रही है।

दिल्ली में मंकीपॉक्स के 3 और मरीज मिले, अब तक कुल 12 मरीज; 5 एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। दिल्ली में मंकीपॉक्स के तीन नये मामले सामने आये हैं। पीटीआई ने गुरुवार को सूत्रों के हवाले से बताया है कि इन तीन नये मामलों के सामने आने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में मंकीपॉक्स से संक्रमित कुल लोगों की संख्या 12 पहुंच गई है। दिल्ली के एनएनजेपी अस्पताल में अभी मंकीपॉक्स के 5 मरीज भर्ती हैं। नाईजीरिया की रहने वाली 30 साल की एक महिला मंकीपॉक्स पॉजीटिव मिली थे और यह इस संक्रमण से संबंधित 9वां केस था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में मंकीपॉक्स के अब तक कुल 12 केस मिले हैं। पांच मरीज अभी एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती हैं। वहां कोई संदिग्ध मरीज भर्ती नहीं है। बता दें कि मंकीपॉक्स एक संक्रामक रोग है। मंकीपॉक्स के लक्षणों में बुखार, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, सूजी हुई लसीका ग्रंथिया, ठंड लगना, थकावट, त्वचा का फटना, शरीर में रैशेज, गला खराब होना इत्यादी शामिल हैं। बीते रविवार को 30 साल के एक संदिग्ध नाईजीरियन युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिकारियों ने पहले कहा था कि इनके रिपोर्ट का इंतजार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनियाभर के 70 से ज्यादा देशों में 16 हजार से ज्यादा मंकीपॉक्स के मामले सामने आ चुके हैं। संक्रमण बढ़ने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी भी घोषित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मंकीपॉक्स जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारी है। इस वायरस से संक्रमित होने पर चेचक जैसे लक्षण दिखते है। हालांकि, इसमें गंभीर बीमारी का खतरा कम होता है।

मेरठ में नोएडा पुलिस पर हमला, पथराव कर गाड़ियों के शीशे तोड़े, भागकर बचाई जान

मेरठ सरधना। मेरठ जिले के सरधना के खिर्वा गांव में पशु चोरी के मामले में दबिश देने गई गौतमबुद्धनगर पुलिस पर हमला कर दिया गया। युवक को पकड़ने व कैमरे की डीवीआर कब्जे में लेने पर लोग भड़क गए। पुलिस ने लाठी चलाई तो लोगों ने पथराव कर दिया। पुलिस की गाड़ियों के शीशे टूट गए। किसी तरह पुलिस ने गांव से भागकर जान बचाई। स्थानीय पुलिस ने मामले की जानकारी से ही इंकार कर दिया। गौतमबुद्धनगर पुलिस कई गाड़ियों में सवार होकर गुरुवार सुबह खिर्वा गांव पहुंची। कुछ लोग सिविल ड्रेस में थे, जबकि कुछ वर्दी में थे। पुलिस ने आते ही एक युवक को हिरासत में ले लिया। एक डेयरी में लगे सीसीटीवी की डीवीआर कब्जे में ले ली। इसे लेकर ग्रामीणों में रोष फैल गया। लोगों ने डीवीआर उतारने का विरोध करते हुए हंगामा कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए लाठियां बरसा दी। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस को घेरकर पथराव कर दिया। पुलिसकर्मियों ने गाड़ी में बैठकर जान बचाई और वहां से भागे। इस दौरान पुलिस के वाहनों के शीशे टूट गए। सरधना गंगनहर पुल पर पुलिस ने पकड़े गए युवक को छोड़ दिया।

इग्नू और एनएसडीसी ने छात्रों के रोजगार और उद्यमशीलता कौशल को बढ़ाने के लिए कई पहलों पर सहयोग करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। इग्नू और एनएसडीसी संयुक्त रूप से गुणवत्ता और समावेशी शिक्षा के माध्यम से छात्रों के 21वीं सदी के कौशल को बढ़ाने और तेज करने के अवसर प्रदान करने के लिए कई पहलों पर सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं, जिससे भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने में योगदान दिया जा सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित कौशल और शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में शिक्षकों, प्रशिक्षकों और जमीनी स्तर के नेताओं की क्षमता निर्माण का पारस्परिक रूप से पता लगाने के लिए उद्योग से जुड़ने, पाठ्यक्रमों में कौशल को एम्बेड करने की पहल की गई है, जो उच्च शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देती है। शिक्षा और लक्ष्य 2025 तक व्यावसायिक शिक्षा में 50त्न नामांकन और 2035 तक उच्च शिक्षा में 50त्न जीईआर स्थिर और सुरक्षित रोजगार को सक्षम करने के लिए मार्ग बनाने के लिए उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के बीच एक सेतु बनाने की परिकल्पना करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य उद्देश्य को पूरा करने के लिए, जो %अकादमिक% या अन्य क्षमताओं के विकास के साथ-साथ व्यावसायिक क्षमताओं को विकसित करना है।

समझौता ज्ञापन का दायरा

इग्नू विभिन्न संयुक्त रूप से तय किए गए कार्यक्रमों में कौशल मॉड्यूल को एम्बेड करने की सुविधा प्रदान करेगा और एनएसडीसी के साथ बाजार से जुड़े अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम को कॉन्फ़िगर और डिजाइन करेगा। इग्नू के मानदंडों के अनुसार, पाठ्यक्रम कार्यान्वयन के मामले में प्रशिक्षकों को सक्षम करने और मूल्यांकन पद्धति के लिए प्रक्रियाओं की सुविधा प्रदान करेगा।

एनएसडीसी इग्नू के साथ सॉफ्ट स्किल एन्हांसमेंट, एम्प्लॉयबिलिटी और एंटरप्रेन्योरशिप मॉड्यूल के लिए इग्नू के पाठ्यक्रमों में डिग्री अप्रेंटिसशिप के साथ इग्नू कार्यक्रमों को एकीकृत करके छात्रों और बाजार प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यक्रमों को डिजाइन करने, संकल्पना करने में सहयोग करेगा, जो कि उद्योग से जुड़ा हुआ है और प्लेसमेंट समर्थित है।

एमओयू पर विश्वविद्यालय की ओर से इग्नू के रजिस्ट्रार डॉ. आलोक चौबे और एनएसडीसी की ओर से एनएसडीसी के सीओओ और कार्यवाहक सीईओ वेद मणि तिवारी द्वारा प्रो. नागेश्वर राव, वीसी इग्नू और इग्नू और एनएसडीसी के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।.

एनएसडीसी के सीओओ और कार्यवाहक सीईओ वेद मणि तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि सहयोग देश के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में एक प्रमुख मील का पत्थर होगा। पाठ्यक्रमों में कौशल जोड़ने की पहल से देश में उद्योग जगत से जुड़ाव और कार्यबल की रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी।

इस अवसर पर, वीसी इग्नू प्रो. नागेश्वर राव ने एनईपी 2020 में निर्धारित लक्ष्यों को साकार करने के लिए इग्नू की प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों को दोहराया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों को रोजगार के लिए तैयार करने के लिए कौशल / व्यावसायिक घटकों का एकीकरण मुख्य प्रमुख क्षेत्रों में से एक है जहां विश्वविद्यालय काम कर रहा है। प्रो. राव ने कहा कि कौशल ढांचे (राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के संदर्भ में एनएसडीसी की विशेषज्ञता इग्नू की कार्यक्रम सामग्री के साथ कार्यक्रमों को डिजाइन करने में बहुत मददगार होगी।

आर्यन हेरिटेज फाउंडेशन की 'ब्रॉडवे रामलीला'- वापिस आ रही है एक नए भव्य अवतार में

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। राजेंद्र मित्तल के नेतृत्व में आर्यन हेरिटेज फाउंडेशन गुरुवार, 29 सितंबर, 2022 से मंगलवार, 4 अक्टूबर, 2022, शाम 7.00 बजे तक नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली में ब्रॉडवे रामलीला के अपने भव्य मंचन से दर्शकों के लिए फिर से एक अविस्मरणीय अनुभव लेकर आ रही है।

रामायण- महाकाव्यों में सर्वोत्तम और समय जितना प्राचीन माना जाता है। इस गाथा के बारे में अंतहीन कहा गया है, लेकिन आज भी भगवान राम के जीवन का आकर्षण उतना ही ताजा और प्रासंगिक लगता है। यह हजारों वर्षों से मानव जाति के लिए मार्गदर्शन रहा है। रामानंद सागर 80 के दशक में रामायण को हर घर में लेकर आए थे और अब आर्यन हेरिटेज फाउंडेशन की ब्रॉडवे रामलीला एक भव्य स्टेज प्रोडक्शन के रूप में दर्शकों के लिए वही जादू ला रही है। इस प्रोडक्शन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि यह रामायण की पूरी कहानी को मात्र 3 घंटे में दिखाती है। आर्यन हेरिटेज फाउंडेशन की ब्रॉडवे रामलीला की यह एक शानदार वापसी है। इस बार अहिल्या, केकई, हनुमान और रावण के चरित्रों को नई दृष्टि से प्रस्तुत किया जाएगा जो सबको एक बार सोचने को विवश अवश्य करेगा। इस बार का मंच और सेट और भी भव्य है, पोशाकों का रूप नया है और साउंड सराउंड है।

भगवान राम के जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक रामायण की पूरी कहानी को 3 घंटे के कैप्सूल में बुनते हुए, ब्रॉडवे रामलीला सरल हिंदी भाषा, मधुर संगीत, बहु मंजिला मंच डिजाइन और शानदार वेशभूषा का उपयोग करती है जिसके कारण युवाओं के बीच यह बेहद पसंद की जाती है। उनके कोमल मन को साधने के लिए भगवान राम की शिक्षाओं से जीवन की सीख भी देती है।

महामारी के बावजूद यह शो लोकप्रियता के चरम पर पहुंच गया जब सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए यह मल्टीप्लेक्स में प्रदर्शित होने वाली भारत की पहली रामलीला बन गई। इसी कारण आज यह मल्टीप्लेक्स रामलीला के नाम से भी विख्यात है।

इस ब्रॉडवे रामलीला को संपूर्ण रामायण के नाम से भी जाना जाता है। इस शो का अवलोकन करते हुए दर्शकों ऐसा प्रतीत होता है मानो वह स्वयं त्रेतायुग में पहुँच गए हो और उनके समक्ष रामायण के प्रसंग घटित हो रहे हों। यह अद्भुत उपलब्धि अत्याधुनिक 3डी मल्टी लेयर स्टेज डिजाइन, उदित नारायण, कैलाश खेर, कुमार विशु, जीतेंद्र सिंह और अन्य के 17 ओरिजिनल साउंड ट्रैक, चंद्र कमल और भरत कमल के संगीत निर्देशन, और शशिधरन नायर के निर्देशन की मदद से हासिल की गई है। 100 से अधिक मंजे हुए अभिनेता और नर्तक, शानदार सेट और वेशभूषा, और महर्षि वाल्मीकि द्वारा एक कसकर बुनी गई कथा, मुकेश खन्ना की में, जो शो की पूरी अवधि के लिए दर्शकों का ध्यान खींचती है।

'ब्रॉडवे रामलीला' के निर्माता और आर्यन हेरिटेज फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल इस शो को मिली प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं और कहते हैं, 'हम अपने संरक्षकों से मिली प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। मल्टीप्लेक्स में ब्रॉडवे रामलीला की स्क्रीनिंग की सफलता इस बात का प्रमाण है कि लोग भगवान् राम को नए नए माध्यमों और रूपों से जानने को उत्सुक हैं। ब्रॉडवे रामलीला मेरा एक सपना था और इस सपने को साकार करने के लिए हमने आधुनिक तकनीक और बारीकियों का उपयोग किया है ताकि दर्शकों को भगवान राम के पूरे जीवन से नैतिकता और शिक्षाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग के साथ आमने-सामने लाया जा सके।

सांसद रमेश बिधूड़ी ने सेवा पखवाड़े के तहत दीया स्वनिधि योजना का लाभ

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष में सेवा पखवाड़े के तेहरवें दिन, आज दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिभर्र) के अंतगर्त बदरपुर विधानसभा स्थित बी.जे.पी. ऑफिस और राजनगर में ऋण वितरण शिविर लगवाकर बैंक व निगम अधिकारियों द्वारा रेहड़ी-पटरी, फुटपाथ पर फल-सब्जियों के ठेले लगाने वाले गरीब लोगों को व्यवसाय हेतु 10 हजार रूपये का ऋण स्वीकृत करवाया। इस दौरान लगभग 500 की संख्या में सड़क विक्रेताओं ने योजना के अंतगर्त लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर सांसद बिधूड़ी ने लोगों को मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। बिधूड़ी ने कहा कि पीएम योजनाओं से जुड़ कर देश में गरीब अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पा रहा है वह आत्मनिभर्र व सशक्त बन रहा है और सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। बिधूड़ी ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण सड़क विक्रेता जो रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचकर अपने परिवार का जीवन-यापन चलाते हैं ऐसे लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। लॉकडाउन के बाद उन्हें अपना व्यवसाय फिर से शुरू करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति से कज के लिए मोहताज ना रहना पड़े इस उद्देश्य से मोदी सरकार ने स्वनिधि योजना देश के गरीब रेहड़ी-पटरी वाले छोटे सड़क विक्रेताओं को आत्मनिभर्र बनाने के लिए शुरू की है। इस योजना के माध्यम से वह केन्द्र सरकार से 10,000 रूपये तक बगैर गारंटी के ऋण प्राप्त कर अपना खुद का व्यवसाय नए सिरे से शुरू कर सकते हैं और एक वष के भीतर मासिक किस्तों के अनुसार उसे चुका सकते हैं। बिधूड़ी ने बताया कि जो स्ट्रीट वेंडस लिये गए लोन का भुगतान समय पर करेंगे तो उनके बैंक खाते में सात प्रतिशत (7:) का वाषिर्क ब्याज सब्सिडी के तौर पर मिलेगा और साथ ही वह अगले वर्ष दोगुनी 20 हजार ऋण राशि प्राप्त करने के भी पात्र होंगे। इस कायर्क्रम में रविंद्र चैधरी, उदय शंकर मिश्रा, मिंटू, अरुणा रावत व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर हुआ हादसा, 40 फीट गहरे बेसमेंट में गिरकर मजदूर की मौत

नई दिल्ली। सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के दौरान गुरुवार सुबह मिट्टी खिसकने से हादसा हो गया। यहां काम कर रहा एक मजदूर मिट्टी खिसकने से बेसमेंट के लिए खोदे गए 40 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने दमकल और एनडीआरएफ के साथ मजदूर को बचाने के लिए राहत कार्य शुरू किया। मलबा हटाने के बाद जब मजदूर को निकाला गया, तो उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने कम्पनी और ठेकेदार पर आईपीसी एक्ट की धारा 304-ए तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त मनोज सी ने बताया कि मृतक मजदूर शमशेर मूलत~गोटिया गांव जिला अररिया बिहार का रहने वाला है। लंबे समय से दिल्ली में किराए के मकान में रहता था और बतौर वेल्डर काम करता था। सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर एक इमारत में शमशेर वेल्डिंग का काम कर रहा था। गुरुवार को सुबह करीब 5.15 बजे शमशेर साइट पर एक पानी के पंप की वेल्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान पंप के आसपास की ढीली मिट्टी ढह गई। जिसके लिए शमशेर मिट्टी के साथ लगभग 40 फीट गहरे बेसमेंट में नीचे जा गिरा और मलबे में दब गया। शमशेर के साथियों ने वहां मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को मामले की सूचना दी। जिसके बाद दमकल विभाग, एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने शमशेर को बचाने के लिए राहव कार्य शुरू किया। राहत कार्य के बाद जब मलबे से शमशेर को निकाला गया, तो उसकी मौत हो चुकी थी। स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सफदरजंग अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखा दिया और शमशेर के परिजनों को हादसे की सूचना दी। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने पाया कि निर्माण कार्य के दौरान हुए हादसे के लिए ठेकेदार और कंपनी जिम्मेदार है।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ़ डिज़ाइन के फैशन डिज़ाइन के छात्रों ने 'पोषण पंचायत 2022' के पोषण फैशन शो में भाग लिया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नईदिल्ली। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ़ डिज़ाइन के फैशन डिज़ाइन के छात्रों ने शनिवार, 24 सितंबर, 2022 को ताज विवांता, सूरजकुंड, दिल्ली में शार्प एनजीओ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन - पोषण पंचायत 2022 के पोषण फैशन शो में भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार की संयुक्त सचिव ए धनलक्ष्मी ने किया।

सतत विकास लक्ष्य के अनुरूप, जिसका उद्देश्य 2030 तक सभी प्रकार के कुपोषण को समाप्त करना है, सम्मेलन ने पोषण चौपाल, पोषण मेला, पोषण दंगल और पोषण सम्मान जैसे विभिन्न आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय पोषण अभियान मनाया। WUD के छात्रों द्वारा पोषण फैशन शो के साथ, अधिक जनहित पैदा करने और उपस्थित लोगों को पोषण के दायरे में विभिन्न विषयों के बारे में अधिक शिक्षित करने का प्रयास किया गया था। भारत में हर तीसरा बच्चा कुपोषित है, और हर दूसरा आदिवासी बच्चा कुपोषण से पीड़ित है, जिससे यह समस्या गंभीर हो जाती है।

पूरे देश में प्रतिनिधियों की उपस्थिति के बीच, जिसमें पोषण विशेषज्ञ, जीवन शैली कोच, डॉक्टर, पेशेवर, विद्वान, सीएसआर सदस्य शामिल थे, पोषण पंचायत 2022 ने भारत में कुपोषण से निपटने के लिए रचनात्मक समाधानों पर चर्चा की।

जहां वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के छात्र पोषण पंचायत की थीम के इर्द-गिर्द अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहद उत्साहित थे, वहीं उन्होंने अपने युवा कंधों पर रखे गए उत्तरदायित्व में जागरूकता भी दिखाई। उन्हें इस शो में शामिल करते हुए, कुलपति डॉ. संजय गुप्ता ने कहा, जब हम कार्यक्रमों में भोजन की सौ प्लेट बर्बाद करते हैं, तो वास्तविकता यह है कि एक दिन में एक ही भोजन का प्रबंधन करने के लिए बहुत सारे परिवार संघर्ष कर रहे हैं! मैं आभारी हूं कि शार्प एनजीओ द्वारा शुरू की गई इस नेक पहल का हिस्सा हम बन पाए हैं। साथ ही हमारे छात्रों को विशेषाधिकार की दुनिया से परे देखने के लिए, उनके पास जो है उसे महत्व देने और उनके संघर्षों के लिए दूसरों का सम्मान करने का अवसर मिला है। मार्च 2018 में प्रधान मंत्री ने बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए समग्र पोषण के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए सरकार के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में पोषण अभियान शुरू किया। पोषण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सितंबर महीने को आधिकारिक तौर पर पोषण माह यानी पोषण माह घोषित किया गया है।

'एनडीएमसी महिला कर्मचारी कल्याण यूनियन' ने 'विशेष सम्मान समारोह' आयोजित किया

संवाददाता/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। एनडीएमसी महिला कर्मचारी कल्याण यूनियन ने विशेष सम्मान समारोह आज काउंसिल रूम, पालिका केंद्र में आयोजित किया।

इस अवसर पर यूनियन द्वारा श्री भूपिंदर सिंह भल्ला-अध्यक्ष, श्री सतीश उपाध्याय-उपाध्यक्ष, श्रीमती विशाखा सैलानी-परिषद सदस्य और परिषद् के वरिष्ट अधिकारियो का फूलों, मोमेंटो और शाल द्वारा सम्मान किया गया।

इस अवसर पर श्री उपाध्याय सभी महिलाओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज के आधुनिक युग में न केवल महिलाएं दिन प्रतिदिन नई ऊंचाइयां हासिल कर रही है अपितु नए-नए कीर्तिमान भी बना रही है। महिलाओं के बिना देश को विकसित कर पाना असंभव है और उनके बिना एक समृद्ध समाज की कल्पना करना भी नामुमकिन है।

उपाध्याय ने बताया कि सामाजिक शिक्षा विभाग की महिलाओं ने मुझे डीटीएल वेतनमान पर 15-20 लाख की रिकवरी हेतु जानकारी दी थी जिसे परिषद् बैठक में तुरंत कार्यवाही करके रुकवाया गया। उन्होंने कहा एक बार डीटीएल वेतनमान देकर वापस लेना ठीक नहीं था क्योंकि इनमें से कई ऐसे कर्मचारी हैं जो रिटायर हो चुके थे। श्री उपाध्याय ने महिलाओं के कार्यालय में सुरक्षा और यौन उत्पीड़न हेतु उचित कदम उठाने के लिए अध्यक्ष महोदय से अनुरोध भी किया।

उपाध्याय ने कहा मुझे आज का कार्यक्रम देखकर बहुत प्रसन्नता हुई क्योंकि आज सम्मानित लोग केवल परिषद् उच्च अधिकारी ही नहीं अपितु प्रत्येक वर्ग से जुड वो लोग हैं जिन्होने अपनी उत्कृष्ट सेवाए प्रदान की हैं जिनमें क्लर्क, सुरक्षा गार्ड, फायर कार्मिक, फिजियोथेरेपिस्ट, टीचर आदि रहे। इस अवसर पर श्रीमती सुधा शर्मा, अध्यक्ष यूनियन ने परिषद् का धन्यवाद देता हुए कहा कि आज जिन लोगो को हम सम्मानित कर रहे हैं उनकी हमारे जीवन में बहुत बड़ी भूमिका रही है जिसमें विशेषतौर से अध्यक्ष जिन्होने सुविधा कैंप की महिला डेस्क सेवा फिर से प्रारभ करवाई, उपाध्यक्ष जिन्होने समाज शिक्षा विभाग के डीटीएल की समस्या का समाधान करवाया, निर्देशक कार्मिक और निर्देशक शिक्षा जिन्होने कोविड महामारी के समय महिलाओ की समस्या का निवारण किया। उन्होंने कहा आज यहाँ सम्मानित लोगो की हम सभी के जीवन में कही न कही बहुत बड़ी भूमिका रही है।

इस अवसर पर श्रीमती विशाखा सैलानी ने धन्यवाद देते हुए कहा कि महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण समाज के लिए बहुत ही जरूरी है। क्योंकि महिला का योगदान हर जगह पर सामने आता है। महिला के बिना परिवार बनाना संभव नहीं है। महिला के बिना घर बनाना संभव नहीं है।

मांगेराम त्यागी समेत 70 लोगों के खिलाफ केस

नोएडा। सेक्टर-93बी की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी के समर्थन में विरोध प्रदर्शन और धरना देने के मामले में मांगेराम त्यागी सहित 70 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फेज दो थाना पुलिस ने इस मामले में मांगेराम सहित छह लोगों को नामजद किया है। मांगेराम त्यागी अपने अन्य समर्थकों के साथ 27 सितंबर को ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में पहुंच गए थे। यहां पर उन्होंने श्रीकांत त्यागी की पत्नी का समर्थन करते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद वह देर रात तक धरने पर बैठ गए थे। जिले में धारा 144 लागू है। पुलिस ने धारा 144 का उल्लंघन करने को लेकर मांगेराम त्यागी सहित आदेश त्यागी, सुशांत त्यागी, रविंद्र राजपूत, शोभा त्यागी को नामजद कर 70 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फेज दो थाना प्रभारी की शिकायत पर कार्रवाई की गई है।

ऊंची इमारतों पर लगेगी एंटी स्मॉग गन, 15 अक्टूबर से निगम प्रदूषण के खिलाफ चलाएगा अभियान

नई दिल्ली। उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी की 125 ऊंची इमारतों पर एंटी स्मॉग गन लगाने का निर्देश दिया है, ताकि सर्दी में होने वाले प्रदूषण से बचाव हो सके। एलजी ने बुधवार को अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर चर्चा की गई। एलजी को बताया गया कि एंटी स्मॉग गन लगाने के लिए 30 ऊंची इमारतों की पहचान की गई है। एलजी ने कहा कि कम से कम 125 इमारतों की पहचान की जानी चाहिए। धूल प्रदूषण की रोकथाम के लिए एलजी ने निगम को 15 अक्तूबर से अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। इस दौरान पांच सौ वर्ग मीटर से ज्यादा के निर्माण व ध्वस्तीकरण स्थलों का अनिवार्य पंजीकरण कराने पर जोर दिया जाएगा। अभी तक सिर्फ 26 फीसदी द्वारा ही पंजीकरण कराए जाने की बात कही जा रही है। एलजी ने नगर निगम और लोक निर्माण से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि फुटपाथ और सड़क के बीच की सेंट्रल वर्ज पर हरियाली की जाए और सड़कों पर गड्ढे नहीं हों, ताकि धूल को उड़ने से रोका जा सके। बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के प्रमुख एमएम कुट्टी, पर्यावरण व वन, डीपीसीसी, डीडीए, निगम, पीडब्लूडी, परिवहन, यातायात पुलिस, सीपीडब्लूडी, एनडीएमसी और डीसीबी के अधिकारी शामिल रहे। पटाखों पर पाबंदी लगाने के लिए पर्यावरण विभाग दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर योजना तैयार करेगी। खासतौर पर ऑनलाइन पटाखों की बिक्री और डिलीवरी पर रोक लगाने का प्रयास किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया की पिछले साल ऑनलाइन पटाखों की खरीद की गई थी। लेकिन, इस बार इस पर भी पूरी तरह से रोकथाम का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए पुलिस के साथ मिलकर कार्ययोजना बनाई जाएगी। हालांकि, पटाखों पर रोक के लिए दिल्ली के लोगों से भी अपील की। कहा कि साफ-सुथरी हवा के लिए पटाखों की बजाय दिए जलाकर दीपावली मनाई जानी चाहिए।

संपादकीय

विकास की हकीकत , पिछत्तर साल बाद तो पानी मिल रहा है

जल जीवन की मूल भूत जरूरत है जैसे स्वांस के बिना एक पल भी जीवन संभव नहीं है इसी तरह बिना जल के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। आजादी के 70साल बाद किसी सरकार को यह सूझ बनी है कि आने वाले समय में पेयजल की होने जा रही तंगी और मौजूदा समय में भी पेयजल की अनुपलब्धता को देखते हुए देश में एक अभियान चलाकर सब नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए और साथ ही नागरिकों को जल के दुरुपयोग को रोकने के लिए तथा जल के संग्रह के लिए जागरूक किया जाए। जल जीवन मिशन मोदी सरकार का एक देशव्यापी अभियान है। इसका उद्देश्य देश के हर घर तक 2024 तक पीने के लिए उपयुक्त शुद्ध जल पहुँचाना है। जल जीवन अभियान को सफल बनाने के लिए भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उनकी सरकार देश में कई कार्यक्रम चला रही है। साथ ही जल संरक्षण, शुद्ध पेय जल की उपलब्धता और दुरुपयोग को रोकने के लिए एक विशेष मंत्रालय भी बनाया है। इस मंत्रालय का नाम जल शक्ति मंत्रालय रखा गया है।इस योजना के पचास फीसदी लक्ष्य को हासिल किया जा चुका है जाहिर है कि 75 साल बाद तो नागरिकों को पानी मिल सका है विकास के बड़े बड़े दावों की एक हकीकत यह भी है।

बढ़ती जनसंख्या के साथ साथ पानी जैसी समस्या भी बढ़ती जा रही है ऐसे अनेक ग्रामीण क्षेत्र है जहां पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है और लोगो को कई दूर पैदल चल कर पानी लाना पड़ता है। पानी की कमी से किसानों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।अनेक लोगों को गंदा व दूषित पानी का मजबूरन पीने के लिए इस्तेमाल करना पड़ता है। इन सभी परेशानियों को देख कर सरकार ने जल जीवन मिशन स्कीम मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन के तहत जिन इलाकों में पानी नहीं है वहां हर घर में पाइप लाइन के माध्यम से पानी पहुंचाया जाएगा इस मिशन को सरकार ने हर घर जल योजना का नाम भी दिया है। स्कीम का लाभ लेने के लिए उन लाभार्थियों को पात्र माना जाएगा जिनके घर में पानी का कनेक्शन नहीं है।

जल ही जीवन है नारे तो पिछले सत्तर सल में खूब लगाए जाते रहे लेकिन धरातल पर हालात दिन पर दिन खराब होते चले गए यहां तक कि जिन इलाकों में बीस फुट गहराई पर पानी उपलब्ध था वहां भूमि का जल स्तर घटते घटते सततर फुट नीचे पहुंच गया। बिना जल के जीवन संभव नहीं है इस बात को ध्यान में रखते हुए हमें जल संरक्षण और दुरुपयोग को रोकने पर ध्यान देने की आवश्यकता नारो में सिमट कर रह गई बाते तो बहुत की गई गोष्ठियों के आयोजन हुए लेकिन धरातल पर काम नहीं हुआ ।

जल की व्यवस्था के लिए जवाहर नल योजना में हर गांव में हैंडपंप लगे जिसे लाल रंग से पोत दिया जाता था और ग्रामीण नल को लाल बहादुर नाम से पुकारते थे यह हैंडपंप भी पिछली सरकारों में बड़े भ्रष्टाचार की नुमाइश थे कागज पर एक सौ बीस फुट के 24 गेज के पाइप पाइप के स्थान पर वास्तव में अस्सी फुट और बीस गेज का हल्का पाइप लगा कर सरकारी धन की जमकर लूट की जाती रही वहीं आधे हैंडपंप सिर्फ कागजों पर लगा दिए जाते थे हकीकत में लगाएं ही नही जाते थे। बेचारे आम आदमी कस्बों में रहने वाले लोगों व खास कर ग्रामीणों को पेयजल की समस्या बनी रही। इस लालबहादुर नल पर बॉलीवुड सिनेमा में एक फिल्म भी बनीथी जिसमें घटिया राजनीति को चित्रित किया गया था।

बहरहाल पहली बार किसी सरकार ने हर घर तक पीने योग्य पानी मुहैया कराने का बीड़ा उठाया। प्रत्येक घर तक शुद्ध जल पहुंचाने के लिए मोदी सरकार ने जल जीवन मिशन योजना की शुरुआत की है। इस जल जीवन मिशन योजना की शुरुआत 15 अगस्त 2019 को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गयी थी। इस योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक पानी की बचत करके भारत के ग्रामीण इलाकों में नल के जरिये स्वच्छ जल पहुंचाना है। जल जीवन मिशन के तहत चलाए गए इस कार्यक्रम को हर घर जल का नाम दिया गया है। इसके तहत प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 55 लीटर स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाता है।

कैमरे की काली करतूत की बड़ी कमाई

वीरेंद्र बहादुर सिंह

पंजाब के चंडीगढ में लेडीज हास्टल की लड़कियों के नहाते समय किसी को पता न चल सके, इस तरह उनकी वीडियो बना लेने के प्रकरण ने इस समय काफी तहलका मचा रखा है। इससे घर छोड़कर अकेली रहने वाली लड़कियां तो डरी हुई हैं ही, मां-बाप भी परेशान हैं। पता नहीं कब उनकी बेटी बेपर्दा हो जाए। इस प्रकरण मे एक लड़की ने पहले अपने नहाते समय का वीडियो शिमला में रहने वाले अपने ब्वॉयफ्रेंड को भेजा था। उसके बाद उस लड़की ने उसी तरह की दूसरी लड़कियों की वीडियो बनाई। इस मामले में कितनी लड़कियों की वीडियो बनाई गई और उनका क्या उपयोग किया जाता था, इस बारे में तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। बहरहाल, यह तो जांच में पता चल ही जाएगा, पर इस प्रकरण से एक बार फिर चोरी-छुपे शूट किए जाने वाले पोर्न कांटेंट का मुद्दा चर्चा में आ गया है। हम सभी रूढ़िवादी समाज में जीते हैं। आज भी हमारे यहां सेक्स, पोर्न और एडल्ट तो क्या, किश का नाम सुन कर ज्यादातर लोगों की नाक-भौं सिकुड़ जाती है। खुलेआम जिस चीज के बारे में कहना और सुनना टाला जाता है, उसे चोरी-छुपे यानी व्यक्तिगत रूप से देखने में किसी को भी संकोच नहीं होता। अमेरिका और ब्रिटेन के बाद सब से अधिक पोर्न कंटेंट अपने देश में देखा जाता है। अपने देश में 70 प्रतिशत लोग पोर्न देखते हैं। पोर्न देखने में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। 30 प्रतिशत महिलाएं पोर्न देखती हैं। अपने देश में पोर्न कंटेंट देखना, बनाना, बेचना और शेयर करना आपराधिक कृत्य माना जाता है। भारत सरकार ने असंख्य पोर्न साइटों पर प्रतिबंध लगा रखा है। फिर भी हकीकत यह है कि पोर्न आसानी से उपलब्ध है। पहले सीडियां आती थीं। अब तो जो देखना हो, मोबाइल पर ही देखा जा सकता है। साइबर एक्सपर्ट्स का कहना है कि पोर्न कंटेंट को रोकना किसी के लिए भी संभव नही है। दुख तो इस बात का है कि जिसे नही देखना चाहिए, उसके सामने भी यह कंटेंट आ जाता है। आप कोई अच्छी साइट या न्यूज वेबसाइट देख रहे हैं, तब भी अचानक गंदा कंटेंट आ जाता है। नाजुक उम्र के लड़के या लड़की कौतूहलवश ऐसे कंटेंट पर क्लिक करते हैं और धीरे-धीरे उसमें रमते जाते हैं। एक दूसरी बात यह भी समझने जैसी है कि लोगों को पोर्न कंटेंट में भी तरह-तरह की वेरायटी चाहिए। पोर्न रिलेटेड एक सर्वे से पता चला है कि चोरी-छुपे से बनाया गया पोर्न कंटेंट लोगों को बहुत पसंद आता है। हार्डकोर सेक्स की बात नहीं, लड़कियां नहा रही हों, दैनिक नित्यकर्म कर रही हों या कपड़े बदल रही हों, इस तरह के कंटेंट की भी खूब डिमांड होती है। अमुक शूटिंग तो प्लांटेड होती है या छुपा कर शूट हुई न हो। जो लोग चोरी-छुपे एमएमएस बनाते हैं, उनकी अलग-अलग नीयत होती है। एक तो इस तरह की क्लिप बना कर लड़कियों को ब्लैकमेल किया जाता है। जाने अंजाने में लड़कियों की खुली फिल्म बनाई जाती है और फिर उसके बाद उनकी हालत खराब हो जाती है। लड़कियां भी भोलेपन में अपने प्रेमी या दोस्त से बिंदास हो कर वीडियो काल पर बातें करती हैं। खुद ही अपनी क्लिक बनाती हैं और प्रेमी को भेजती हैं। चंडीगढ वाली लड़की ऐसा ही करती थी। छुप कर क्लिप बनाने के पीछे मोटी कमाई करना होता है। पोर्न वेबसाइट पर इस तरह की क्लिप बाकायदे बेची जाती हैं। अमुक मामलों में तो ऐसा भी होता है कि लड़की नहा रही होती है और क्लिप बना ली जाती है और उसे पता ही नहीं होता कि उसकी पोर्न क्लिप वेबसाइट पर डाल दी गई है। पोर्न वेबसाइट की संख्या लाखों में नहीं, करोड़ो में है। इसमें किस वेबसाइट को कंटेंट बेचा गया, पता नहीं चलता। पोर्न कंटेंट के लिए गरीब और अनपढ़ वर्ग को टार्गेट किया जाता है। अपने देश में ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें दो जून पेट भर रोटी भी नसीब नहीं होती। ऐसे लोग कुछ पैसों के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। इन्हें कुछ भी फर्क नहीं पड़ता कि कौन देखता है और क्या देखता है। अब तो तमाम लोगों को इस बात का पता चल गया है कि एडल्ट कंटेंट के लिए अच्छा पैसा मिलता है।

8-9 अक्टूबर को ऋषिकेश में आयोजित नारी संसद के आलोक में

टूटते परिवार, बिखरती स्त्री : एक प्रखंड

डॉ. रचना बिमल

प्रोफेसर, सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली विश्वविद्यालय

● लेखिका नारी संसद परामर्श दात्रि समिति की सदस्य हैं
● ऋषियों ने प्रकृति की शक्तियों को नारी शक्ति का प्रतीक मानकर जहां उनमें देवत्व को स्थापित किया वहीं परिवार और संस्कारों के विधान में स्त्री को प्रधानता दी गई।
● तैतिरीय ब्राह्मण ग्रंथ तो स्पष्ट कहता है कि अथो अघो वा एव आत्मनः यत पत्नी (तै. ब्रा. 3.3.3.5)। पत्नी उस काल में गृह सेविका नहीं बल्कि घर की साम्राज्ञी कही गई सम्राज्ञी श्वशुरे भव सम्राज्ञी श्वश्रवां भव ।
● पति-पत्नी नदी के दो किनारों के समान अब साथ-साथ तो हैं पर 'अर्धनारीश्वर' की कल्पना से कोसों दूर हैं।
● समाज की दृष्टि में सदियों से सीता ही पूजनीय है द्रौपदी नहीं क्योंकि सीता अधिकार नहीं मांगती । वह वनवास का दंश झेल कर भी लव-कुश को संस्कारित कर पति को सौंप देती है। अपने स्वाभिमान और स्त्री की लड़ाई लड़ने वाली द्रोपदी तो महाभारत करवा बैठी ! वह कैसे पूजनीय हो सकती है? फलतः जो स्त्री 'पढ़िए गीता, बनिए सीता' का पालन नहीं करती उसे घर की चौखट से बाहर होना ही पड़ेगा।

समाजशास्त्रीयों के अनुसार परिवार मानव समाज की मूलभूत इकाई है। सामाजिक प्राणी होने से पूर्व वह पारिवारिक प्राणी है क्योंकि मानव परिवार में जन्म लेकर, वहीं संस्कारित होता हुआ सामाजिकता की ओर कदम बढ़ाता है। इसलिए परिवार को समाज की प्राथमिक इकाई भी कहा जाता है। यूँ भी 'परिवार ऐसे व्यक्तियों के समूह को कहते हैं जो एक ही छत के नीचे रहते हैं, रक्त संबंधी होते हैं तथा पारस्परिक आदान-प्रदान के द्वारा रक्यता को अनुभूत करते हैं। 'परिवार संस्था का जन्म व्यक्ति की स्वतंत्रता को नष्ट करने के लिए नहीं बल्कि मानव जीवन-संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले साधनों के रूप में आदिकाल में ही हो गया था। जीवशास्त्रीयों के अनुसार अपनी प्रजाति की रक्षा के लिए मनुष्य ने आदिकाल में ही अपने आसपास के अन्य जीवों को देखकर परिवार संस्था का निर्माण कर लिया ताकि संतान का लालन-पालन और प्रजाति का संरक्षण भली-भांति हो सके। मनुष्य के निकटस्थ की प्रजाति चिम्पांजी और गोरिल्ला में भी यह व्यवस्था मिलती है। समय के साथ-साथ मानव की बुद्धि अन्य प्राणियों की तुलना में विकसित होती गई और मनुष्य-समाज भी सरल से जटिल होता गया। परिवार अब केवल संतान को जीवित रखने का दायित्व ही नहीं निभाने लगा बल्कि बालक बालिकाओं को संस्कारित कर उन्हें विकसित होते समाज के लिए उपयोगी बनाने में भी जुट गया और 'विवाह'मानवीय सभ्यता के लगभग सभी समाजों में अनिवार्य संस्कार के रूप में स्थापित हुआ। भले ही इसकी स्थापना में अलग-अलग समाजों में अलग-अलग समय लगा था। भारत में विवाह संस्कार अत्यंत प्राचीन है। ऋग्वेद जो भारत का ही नहीं अपितु संसार का भी प्राचीनतम ग्रंथ है, उसमें परिवार और विवाह संस्कार के विधान का भी स्पष्ट एवं उज्जवल विधान किया गया है। इसे नारी जाति का स्वर्णिम विधान भी कहा जा सकता है। स्त्रियां यहां भोग्या नहीं उपासना योग्य हैं। ऋषियों ने प्रकृति की शक्तियों को नारी शक्ति का प्रतीक मानकर जहां उनमें देवत्व को स्थापित किया वहीं परिवार और संस्कारों के विधान में स्त्री को प्रधानता दी गई। अर्थात् नारी को लेकर भावना और यथार्थ का मणिकांचन योग तत्कालीन समाज में मिलता है। पुत्री का जन्म ना तो कलंक था ना ही उसे शिक्षा-दीक्षा से वंचित किया जाता था और बाल विवाह भी नहीं होते थे। यहां कुछ उद्धरण दृष्टव्य हैं कि संगचछमाने युवती समन्ते स्वसाराजामी पित्रोरूपस्थे अर्थात् परस्पर उपकारी मानव से युक्त नित्य तरुणी युवती और जामात पिता की गोद में बैठते हैं (ऋग्वेद 11.85.5)। अथर्ववेद में कहा गया है कि ब्रह्महना चर्येण कन्या युवानं विन्दते पतिम (अथर्व वेद 11.5.18) विवाह जो स्त्री को पुरुष के साथ बंधन में बांध कर उसके जीवन की दिशा बदल देता है उसे निर्धारित करने का अधिकार भी स्त्री को ही प्रदान किया गया और 'सूर्या सावित्री' ने पाणिग्रहण संस्कार के मंत्र रचे। यही कारण है कि हिंदू विवाह मात्र शारीरिक संबंध का विधान करने के स्थान स्त्री के मान सम्मान और आध्यात्मिक उन्नति का विधान बनकर अर्धनारीश्वर की कल्पना को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ऋग्वेद में पत्नी को पति का अंग कहा गया है। ब्राह्मण काल में भी यही स्थिति थी । तैत्तिरीय ब्राह्मण ग्रंथ तो स्पष्ट कहता है कि अथो अघो वा एव आत्मनः यत पत्नी (तै. ब्रा. 3.3.3.5)। पत्नी उस काल में गृह सेविका नहीं बल्कि घर की साम्राज्ञी कही गई सम्राज्ञी श्वशुरे भव सम्राज्ञी श्वश्रवां भव । ननान्दारि सम्राज्ञी भव सम्राज्ञी अधिदेवृषु। हे वधु तू सास ससुर, ननद तथा देवर के मध्य में राजरानी का पद - प्राप्त करें। समय की गति का एहसास बनेगी ना हो किंतु होती बड़ी तीव्र है। उषा, लोपामुद्रा, विश्ववारा, सरस्वती, यमी, अपाला, घोषा की ओजस्वी नारी परंपरा की डोर न जाने कब और कैसे पीछे छूटती गई। वैदिक संस्कृति का जैसे-जैसे प्रसार हुआ उसमें अपने अपने युग सत असत भी मिलता चला गया। महाकाव्य काल और पौराणिक काल में ओजस्वी नारी भोग्या रूप में बदलती गई। पति की अर्धांगिनी लोभी पांच पुरुषों की पत्नी बना दी गई और इस कुकृत्य को छुपाने के लिए स्त्री को ही उसकी पूर्व जन्म की कामनाओं की कथा से बांधकर कटघरे में खड़ा कर दिया गया। (महाभारत का द्रोपदी प्रकरण) इतना ही नहीं पति ने पत्नी को संपत्ति मानकर जुए में उस पर दांव भी लगा दिया। प्रतीत होता है कि जिस प्रथा का आरंभ निर्मल संतान की रक्षा हेतु स्त्री- पुरुष ने किया था वही प्रथा धीरे-धीरे शक्ति स्वरूपा स्त्री की श्रृंखला बन गई। जब तक यह श्रृंखला कंगन - पायल की रुन-झुन तक छनकती रही स्त्री नए परिवेश में (माता-पिता का आंगन छोड़ पति का कुल अपनाती रही) ढलती रही। सास-ससुर की सेवा, परिवार के सदस्यों की देखभाल, गृहस्थी के काम-काज के बीच संतति का जन्म और पालन-पोषण की चक्की लोकगीतों में ढालकर चलाती रही। वह अन्नपूर्णा बनकर परिवार में सबसे अंत में बचा खुचा भोजन कर सशक्त से कुपोषित हो गई और वह जान ही नहीं पाई ? पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस चक्र ने स्त्री को कोमल से कमजोर कर दिया। वह भूल गई कि समस्त राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक तथा अन्य व्यवस्थाएं शक्ति के द्वारा ही निर्धारित परिवर्तित और संशोधित होती हैं। फलतः जैसे ही सबला स्त्री दुर्बला हुई उसे वही स्वीकारना पड़ा जो सबल पुरुषों ने भर्ता बन अहंकार वश उसे प्रदान किया। यूं भी अर्थ (धन) सदैव शक्ति का अंध अनुगमन करता है। शास्त्र और समाज के और संतान के लिए द्रव्य उपार्जन पुरुष का कर्तव्य था। अतः धन पर पति का ही अधिकार रहा। पत्नी तो पति की कमाई के अनुसार घर के प्रबंधन और संतान के लालन-पालन की अधिकारी थी। यह अधिकार भी उसे व्यवहार में कब मिलेगा इसका कोई स्पष्ट विधान नहीं था। पिता की संपत्ति की अधिकारी वह कभी थी ही नहीं। विवाह के अवसर पर मिलने वाले उपहार मात्र ही उसका स्त्री धन था, जो घर की आवश्यकताओं की भेंट कभी भी चढ़ सकता था। पिता, पति, पुत्र तथा अन्य संबंधियों के रूप में पुरुष ही स्त्री का भरण -पोषण कर सकता था। इसलिए उसकी आर्थिक स्थिति के उत्थान के प्रति समाज की रूचि ही नहीं थी ।

स्त्री की स्थिति किसी भी समाज के विकास को मानने का पैरामीटर बन सकती है। पूर्ण विकसित समाज में स्त्री पुरुष की सहयोगिनी बन समाज के उत्थान का अनिवार्य अंग होती है तो बर्बर समाज में पुरुष स्त्री पर वैसा ही अधिकार रखता है जैसा अन्य भौतिक वस्तुओं पर कुछ समाज कथनी और करनी का अंतर रखते हुए उसे धर्म के नाम पर बहला फुसलाकर, मानसिक रूप से उसे पुरुष से कमतर सिद्ध कर घर की चारदीवारी में कैद करने से नहीं झिझकते। ऐसे समाजों का धर्म दूसरों पर कब्जा करने के लिए युद्धों का सहारा लेता है और उदारवादी समाज यदि आत्मरक्षा करने में असमर्थ रहता है तो उनकी स्त्रियों के साथ क्रूरतम दुर्व्यवहार करके पाशविक पौरुषता अट्टहास करती है। दूसरी ओर भारत जैसे विकसित कृषि प्रधान देश में हजारों वर्षों तक स्त्री परिवार की परिधि में परवशता होने के बावजूद मातृत्व की चौकी पर बैठकर गरिमा पाती रही।

उसके मन की पीड़ा पर ससुराल और मायका संवेदना की मलमल लगाता रहा। संतान भी दादा-दादी, नाना-नानी ही नहीं परदादा-परदादी, ताऊ-चाचा, बुआ-मौसी, मामा-मामी जैसे रिश्तों की नेह भरी गोद में माँ के दुलार के साथ-साथ पल्लवित होते रहे। विदेशी आक्रांताओं की गिद्ध दृष्टि जब भारत पर पड़ी तो जाति और धर्म के विविध खंडों में विभाजित देश के राज्य पराधीन होते गए। विजेताओं का दंभ पराजितों का मनोबल तोड़ने के लिए उनकी मान्यताओं, धार्मिक विश्वासों को खंडित करते हुए भाषा और संस्कृति को तहस-नहस कर देता है। पराधीन राजा ही रंक नहीं बनाया जाता उसकी प्रजा पुरखों की विरासत भी लूट ली जाती है। पारिवारिक व्यवस्था का ताना-बाना इन्हीं कारणों से भारतीय समाज में भी मध्ययुग तक आते-आते ध्वस्त हो गया। विध्वंस की आंधी ने पहले से ही अशक्त हो रही आधी आबादी की जमीन को और दरका दिया। स्त्री की शिक्षा दीक्षा तो कब की छूट गई थी लेकिन घर परिवार की रानी होने का एहसास भी नष्ट होने लगा। आदिकाल से ही मानवेत्तर प्राणियों के साथ तालमेल बैठाने में मदद देते थे तो भला घर-परिवार कैसे अछूता रहता ? सरल कृषि कर्म में यूं ही ज्यादा मनुष्यों के सहयोग की आवश्यकता होती है और इससे समरसता बनती है लेकिन औद्योगिक युग में मनुष्य के काम यंत्रों ने छीन लिए और आकर्षक वस्तुओं से बाजार पट गए। उत्पादन की अधिकता ने वस्तुओं को जनसामान्य के निकट ला दिया और कौतूहल मिश्रित लोभी मन उन्हें पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो गया। कुछ भी करने वाला अविवेकी मनुष्य सर्वप्रथम विवेक की ही हत्या और अंतरात्मा की पुकार को अनसुना कर स्वार्थ के दलदल पाँव धरता है जिससे बाहर आना असंभव है। यह दलदल अपने पराए रिश्तों उचित अनुचित मूल्यों को ही नहीं बल्कि चिंतन - प्रक्रिया को भी नष्ट कर देता है। नतीजा कल तक जो मानव परिवार के पालने में महत्त्व के साथ तमाम विषम परिस्थितियों के बावजूद स्वतंत्र चिंतन के साथ फलता-फूलता था, वह यांत्रिकता के साथ बड़ा होने लगा। 'जीवन% अब रोटी कपड़ा और सिर पर छत की ही मांग नहीं करता बल्कि टीवी, फ्रिज, बड़ी गाड़ियों आदि अनगिनत वस्तुओं के बिना असंभव लगता है। इन वस्तुओं को पाने के लिए बाजार में बाजार का हिस्सा बनना पड़ता है। यह बाजार विशिष्ट प्रकार के कौशल की मांग करता है। कौशल विशिष्ट ज्ञानार्जन से विकसित होता है जोपश्चिम की शैक्षिक नीतियों से निर्मित होता रहा है। पाश्चात्य शैक्षिक नीतियों ने ज्ञान और सांस्कृतिक प्रक्रियाओं के परंपरागत रूप से अकादमिक और सामाजिक प्रवेश की परिधि से बाहर लाकर हाशिए पर डाल दिया है, जिसका सीधा असर परिवार संस्था और उसके बाशिंदों पर पड़ा है।

औद्योगिक चिंतन से निकली शिक्षा व्यवस्था के केंद्र में मानव और मानवतावाद नहीं और उसका उपभोग है। इस चिंतन का दर्शन ज्यादा मांग पैदा कर ज्यादा वस्तुओं वस्तु का उत्पादन करने की कृत्रिम प्रक्रिया पर टिका है, जिसे बाजार की शक्तियाँ नियंत्रित करती हैं। बाजार मानवीय भावनाओं, रिश्ते-नाते, त्योहार से लेकर प्रकृति के एक-एक इंच का दोहन करने से भी नहीं चूकता। इस बाजार ने सादा जीवन उच्च विचार के आदर्श को पीछे धकेल दिया है। मनुष्य के भीतर लोभ-लालच ही नहीं ईर्ष्या जैसे कुत्सित भावों का भी रोपण किया है। बीसवीं सदी के अंत तक जहां माँ और उसका आंचल जन्नत का प्रतीक था, वही 21वीं सदी के विज्ञापन ने 5-6 वर्ष के बालक की नजर में माँ को बुद्धू बना दिया क्योंकि वह नहीं जानती थी कि विटामिन-डी का पाउडर मिलाएं बिना दूध पीना बेकार है। और माँ भी माँ कहां बची ? गाँव का सादा जीवन बेवकूफी भरा है। इसलिए पैसे कमाने के लिए कृषि कर्म छोड़ परिवार श्रमिक बन गया। इसी के साथ छूट गए गांव, कुटुंब, बिरादरी के ताने-बाने जिनसे नई पीढ़ी का जुड़ाव ही नहीं हुआ। एकल परिवार (पति पत्नी और बच्चे) में शहरी जरूरतों को पूरा करने के लिए पति के साथ-साथ पत्नी को भी घर से बाहर निकलकर धन कमाने की दौड़ में शामिल होना पड़ा।

परंपराओं, रीति-नीति का बोझ ना उठाने पड़े इसलिए निम्न और मध्य वर्ग ने माता-पिता, बहन-भाई गांव देहात में छोड़ दिए तो उच्च वर्ग उन्हें वृद्धाश्रम में संतान का पालन क्रेच आया मोबाइल और कैमरे की निगरानी में होता है। बच्चे भी बड़े होते-होते पहले उच्च शिक्षा संस्थानों में फिर देश-विदेश के लिए उड़ जाते हैं और इस भाग में ख़त्म हो जाते हैं। आनंद, प्रेम, संस्कार मिलता है, अहंकार, संत्रास, एकाकीपन, जीवन संध्या का निकट सन्नाटा, पति-पत्नी नदी के दो किनारों के समान अब साथ-साथ तो हैं पर 'अर्धनारीश्वर' की कल्पना से कोसों दूर हैं। जो परिवार पुराने मूल्यों को अपनाकर घर गृहस्ती में जुड़े हैं वहां छोटी-मोटी नौकरी करने वाले पति की पत्नी कम पैसे में गृहस्ती संभाल भी ले, बच्चों को संस्कारित भी करे, बूढ़े सास-ससुर, नाते रिश्तों की देखभाल भी कर ले लेकिन दुर्भाग्य से कमाने वाला असमय काल कलवित हो जाए तो शहरी परिवार दाने-दाने को मोहताज हो जाता है। कथित रिश्ते नाते कन्नी काट जाते हैं ताकि मदद के लिए उनकी ओर दृष्टि भी न उठ जाए।

सिर पर छत नहीं, पेट में अन्न नहीं, चिथड़े वस्त्र, अस्मिता की रक्षा करने में असमर्थ हो जाए तब परिवार बोझ लगने लगता है। दूसरी ओर नौकरी पेशा पति-पत्नी की गृहस्थी में पत्नी से अपेक्षाएं खूब बढ़ गई हैं। वह नौकरी के साथ-साथ परंपरागत स्त्री के समान गृहस्ती भी संभाले। यदि गलती से सास-ससुर साथ हैं तो उनकी सेवा करें। हां बच्चों की पढ़ाई लिखाई उन्हें संस्कारित करना तो उसका दायित्व ही है। यदि वह किसी तरह का काम का बंटवारा चाहे तो यह आज की स्त्री का बेहियापन बन जाता है। समाज की दृष्टि में सदियों से सीता ही पूजनीय है द्रौपदी नहीं क्योंकि सीता अधिकार नहीं मांगती । वह वनवास का दंश झेल कर भी लव-कुश को संस्कारित कर पति को सौंप देती है। अपने स्वाभिमान और स्त्री की लड़ाई लड़ने वाली द्रोपदी तो महाभारत करवा बैठी ! वह कैसे पूजनीय हो सकती है ? फलतः जो स्त्री 'पढ़िए गीता, बनिए सीता'का पालन नहीं करती उसे घर की चौखट से बाहर होना ही पड़ेगा। संविधान में सात जन्मों के बंधन को तलाक की दूरी से जब चाहो काटने की सुविधा दे दी है। धीरे-धीरे पहले पुरुष बेपरवाह हुए अब स्त्री भी पुरुषों से कम कहां ?

क्योंकि भूमंडलीकरण जो भूमंडलीकरण का पर्याय है वहां 'बहुजन हिताय नहीं स्वान्तः सुखाय का ही मंच सफल होता है। स्वान्तः सुखाय की सिद्धि का ही परिणाम है बिखरा समाज, टूटते परिवार, खंडित होती स्त्री जिनकी अनंत कथाएं विश्व पटल पर बिखरती जा रही हैं। पर जिन्हें सुनने वाला अब कोई नहीं है क्योंकि अब यह कहानी घर-घर की बन गई है और इन कथाओं की रोचकता समाप्त होती चली गई है। एकांकी जीवन ही भयावह भविष्य का आगाज कर रहा है। यही आज का यथार्थ और समकालीन समय की गाथा का प्रखंड है।

इंसान ओर चींटी

सुमिता धीमान

लेखिका विभिन्न समाचार पत्र पत्रिकाओं आदि के लेखन कार्यो में सक्रीय है।

अब हम विचार करते है कि विकास करते-करते हमारे साथ क्या मजाक हुआ। हम और ज्यादा विकसित हुए या हमे बहुत जबरदस्त अँधेरे में रखा गया। हम देखते है कि हम क्रमिक विकास के सिद्दांत से विकसित नहीं हुए हैं । इस क्रमिक विकास मे तो चींटियाँ भी हमसे अच्छी है। हम सर्वश्रेष्ठ इंसान चींटियों के भी स्तर के नही रहे। चींटियाँ तो पूरी तरह से आत्म निर्भर, आत्म कुशल या अपने आप के लिए पर्याप्त है। क्या ऐसा हम इंसानो के लिए कह सकते हैं ?

(1) अनुकूलन : -- वह हर तरह के मौसम से दो चार होना जानती है।

(2) बढिया नक्शा नवीस : --- वह बिना किसी स्कूल, कॉलेज × यूनिवर्सिटी गए, बिना किसी वास्तु-कला,आर्किटेक्चर की डिग्री के, बिना किसी भी तरह के अनुभव के अपने घर की समस्या का समाधान करने मे सक्षम होतीं है। इनका जीवन काल इतना छोटा होता है कि पढ़ाई लिखाई के लिए और किसी भी तरह के अनुभव लेने की बात ही नहीं उठती। इन्हे पता होता है कि घर बनाने के लिए कौन सी जगह ठीक रहेगी। क्योंकि हर तरह की मिट्टी और जगह इनके घर बनाने के लिए उचित नहीं होती। फिर सिर्फ इतना ही नहीं यह अपने घर मे अलग अलग कामों के लिए अलग अलग चेंबर/कमरे बनातीं है। इनके छोटे से दिमाग को पता होता है कि कौन सा कमरा बच्चों को पालने के लिए बनाया गया है, कौन से कमरे मे खाना रखना है, किस कमरे मे कूड़ा करकट रखना है ओर किस कमरे मे रानी होगी। इनके बनाए घर हर तरह के मौसम ओर हालातों का सामना करने के लायक होते है। इनके घरों मे वेंटिलेशन का पूरा पूरा ध्यान रखा होता है। पता नहीं कौन इन को ये सब बातें बताता है ?

(3) मौसम का पूर्वानुमान : --- हमारी तरह इनके पास बहुत शक्तिशाली कंप्यूटर्स भी नहीं होते, जो इन्हे मौसमो के बारे मे जानकारी दे सके। पर फिर भी ना जाने कैसे इन्हें मौसम के मिजाज का पता चल जाता है। बारिश होने से पहले यह अपना भोजन इकट्ठा करने का कार्यक्रम बीच मे ही छोड़ अपने घरों मे वापिस चली जातीं है। कमाल है इन्हें मौसोमो की जानकारी होती है और हमे नही।

(4) सहज अनुभूति : -- इन छोटे छोटे से अधने प्राणियों को कौन बताता है कि यह यह मौसम इनके लिए सही है ओर यह यह मौसम नहीं, जो यह विषम परिस्थितियों के लिए पहले से ही खाना इकट्ठा कर लेती है। क्या हम इंसानो के पास ऐसी सुविधा है ? क्या हमे पता होता है कि अब बाढ़ आएगी या सूखा पड़ेगा। पहले से ही कोई बंदोबस्त कर लो ? हमारा अति विकसित दिमाग और इन्द्रियाँ कुछ नही बताती।

(5) सूँघने की क्षमता : --- इन नदारद प्राणियों की सूँघने की क्षमता हम इंसानो से ज्यादा होती है। इन्हे पता चल जाता है कि बंद डिब्बे मे क्या है पर हमे नही।

(6) थकावट : --- इन्हें थकावट भी नही होती। यह सारे दिन और रात काम कर सकतीं है।

(7) रात्रि दृष्टि : --- यह रात को भी बड़े आराम से काम कर लेती है। इन्हे कोई परेशानी नही होती।

(8) जलना : --- यह भरी दोपहर मे भी बड़े आराम से काम कर लेती है। इन्हे गर्म जमीन से कोई नुक्सान नही होता। इनके पैर नही जलते और ना ही बदन को गर्मी लगती है और लू लगती है।

(9) प्रकृतिक जैविक हथियार : --- यह अपनी हैसियत के हिसाब से बहुत ही अच्छे प्राकृतिक जैविक हथियार (natural biological weapons) रखतीं हैं। खतरे मे, जरूरत पड़ने पर यह काट कर इंसानो की भी बस करवा देती है।

(10) हिम्मत : --- इंसान ओर चींटी के साइज़ ओर भार की तुलना करने पर पता चलता है कि हम इनसे बहुत ही बड़े प्राणी है पर फिर भी यह इंसानो को काटने की हिम्मत कर लेती है। हम इंसान बिल्ली, चूहों, शेर ओर हाथी आदि को काट सकते है ? अगर काटे भी तो कितना नुक्सान पहुँचा सकते है ?

(11) भार उठाने की क्षमता : -- चींटियाँ अपने भार से 50 ङ्ग ज्यादा भार उठा लेतीं है ओर हम अपने शरीर के वजन के हिसाब से कितना भार उठा सकते है ?

(12) योग्यता : --- इनके पास मिट्टी खोदने के लिए बहुत ही उत्तम औज़ार होते है। पर हम इंसानो के पास ऐसा भी कोई औज़ार नहीं है। हम सख्त मिट्टी को जरा भी नहीं खोद सकते पर यह चींटियाँ झट से यह काम कर लेती है। हमे मिट्टी खोदने जैसे मामूली से काम के लिए भी औजारों की जरूरत पड़ेगी।

(13) गुरुत्वाकर्षण बल : --- यह बहुत ही आराम से गुरुत्व आकर्षण के बल से बाहर निकल जातीं है पर हम इंसान इस बल से बाहर निकलना नहीं जानते। यह इस बल से बाहर आ जाती है तभी यह दीवार पर ओर छत पर चढ पातीं है।

(14) अंधेरे मे देखने की योग्यता : --- चींटियाँ बड़े ही आराम से अपने भूमिगत/अंडर ग्राउंड घरों मे बिना बिजली के सब कुछ साफ साफ देख लेती है। क्या हम किसी भूमिगत बंद घर मे कुछ साफ देख सकते है ?

(15) ऑल राउंडर : --- बिना हमारी तरह विकसित हाथ, पाँव ओर दिमाग के, बिना पढ़ाई लिखाई के यह अपने सारे काम बहुत ही सुचारू ढंग से करने मे सक्षम है। यह अपने बच्चों की बहुत ही अच्छे ढंग से देख भाल करतीं है। हम इंसान सब तरह की समझ ओर बोध होने के बावजूद भी इंसानो के बच्चे कई कई तरह की बीमारियाँ ओर परेशानियों से ग्रस्त रहते है।

(16) प्रजनन तंत्र : --- इन्हे प्रजनन के मामले मे कोई परेशानी नहीं होती पर हम इंसानो को इस से जुड़ी कितनी परेशानी होती है। अभी हमारे गुण/genes बहुत ही बढिया है। पर बहुत ही निक्कमा काम करते है। कभी बच्चा ही नहीं होता, कभी हो जाए तो बच्चा ही जीवित नहीं रहता ओर ढेर सारे पंगे, पर चींटियों का जीवन बहुत ही सुचारू रूप से, शान्ति से चलता है। पर हमारा सब से ज्यादा विकसित शरीर, दिमाग हमे कोई ना कोई परेशानी से ही ग्रस्त रखता है।

चलो चाँद के पार

चलो चाँद के पार
वह भी बिना स्वर्ग सिधार।
गया बेचारा विक्रम
हमारे आंसू आये हजार।।

काश विक्रम बाबू
चाँद की तस्वीरें भेजता।
तो गली-गली सरफिरा आशिक़
प्रेमिका को चाँद नहीं कहता।।

जिसे देख देख वो कहता
चाँद का टुकड़ा।
विक्रम अंदर से दिखला देता
तो सुनाता फिरता दुखड़ा।।

विक्रम के साथ भी हुआ यही
जैसे ही देखी चंदा की जमी।
दिल में हुई जबरदस्त टूट फुट
और इसरो से संपर्क गया छूट।।

अब लैंडर का नाम विक्रम नहीं
वीर नारी रखा जायेगा।
ताकि चाँद की असलियत देख
घायल नहीं हो पायेगा।।

शार्ट न्यूज

अलीगढ़ में मांस फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव होने से खलबली, 59 कर्मचारी हुए बेहोश

अलीगढ़। यूपी में अलीगढ़ के रोरावर क्षेत्र में गुरुवार को एक मांस फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक होने से खलबली मच गई। गैस की चपेट में आने से 59 कर्मचारी बेहोश हो गए हैं। सभी को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी इंद्रवीर सिंह ने बताया कि रोरावर थाना क्षेत्र के टकलसपुर इलाके में एक मांस फैक्ट्री में अमोनिया गैस का पाइप फट जाने से रिसाव शुरू हो गया और गैस के संपर्क में आने से लोग बेहोश होने लगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हारिस मंसूर खां ने बताया कि गैस के संपर्क में आने से करीब 59 कर्मचारी बेहोश हो गए और उन सभी को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है। खां ने बताया कि कुछ लोगों को ऑक्सीजन लगानी पड़ी थी, मगर उनकी हालत अब तेजी से ठीक हो रही है और उम्मीद है कि शाम तक सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। जिला प्रशासन ने इस मामले की मजिस्ट्रेट से जांच कराने के आदेश दिए हैं और एहतियात के तौर पर फैक्ट्री के सुरक्षा बंदोबस्त कड़े कर दिए गए हैं।

उपमुख्यमंत्री का ललितपुर दौरा रद्द

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर ललितपुर आने का कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री के निजी सचिव प्रवीण कुमार वर्मा ने बुधवार को देर शाम मौर्य का दौरा रद्द करने पुष्टि करते हुए जिला प्रशासन को यह जानकारी दी। ललितपुर के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों को भेजे पत्र में वर्मा ने बताया कि अपरिहार्य कारणों के चलते मौर्य का 29 सितंबर का कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि मौर्य को कल ललितपुर प्रवास के दौरान सामाजिक कार्यों के अलावा अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करने का कार्यक्रम था।

अखिलेश को फिर सौंपी गयी सपा की कमान

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के निवर्तमान अध्यक्ष अखिलेश यादव को एक बार फिर पार्टी की कमान सौंपी गयी है। सपा के यहां आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में गुरुवार को अखिलेश को पार्टी अध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा की गयी। सपा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी प्रो. रामगोपाल यादव ने अखिलेश को सर्वसम्मति से पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। गौरतलब है कि सपा के दो दिवसीय सम्मेलन के आज दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जाना था। राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद देश और प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं के बारे में कुछ प्रस्ताव पेश किये जायेंगे। इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के बारे में पार्टी आगे की कार्ययोजना तय करेगी। सम्मेलन के पहले दिन बुधवार को प्रांतीय सम्मेलन में सपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद पर भी एक बार फिर नरेश उत्तम के नाम की घोषणा की गयी थी। प्रांतीय सम्मेलन में प्रदेश की योगी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों को उजागर करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। जिसमें बेरोजगारी और मंहगायी जैसी समस्याओं के लिये भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए इस दिशा में राज्यव्यापी जागरुकता अभियान चलाने की रणनीति तय की गयी।

विशेष लोक अदालत में 321 मामलों का हुआ निस्तारण

लखनऊ। बैंक के चैक बांउस के सालों से लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिये लखनऊ में आयोजित विशेष लोक अदालत में 321 मामले निस्तारित किये गये हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव निहारिका जायसवाल ने गुरुवार को बताया कि चेक बाउंस के लंबित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया था। बुधवार को आयोजित लोक अदालत में कुल 321 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। जायसवाल ने बताया कि विभिन्न अदालतों में चैक बाउंस के लंबित मामलों को लोक अदालत में निस्तारित किया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा उच्च न्यायालय के निर्देशों पर उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विशेष लोक अदालतों का आयोजन जनपद न्यायालय में किया जाता है। इसी क्रम में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने बुधवार को एनआईएक्ट के अन्तर्गत चेक बाउंस के मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन लखनऊ के जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय शंकर पाण्डेय के दिशानिर्देशन में किया गया। लखनऊ जनपद न्यायालय में आयोजित लोक अदालत में एनआई एक्ट के तहत चेक बाउंस के 321 मामलों का सुलह सहमति के आधार पर निस्तारण किया गया।

सैकड़ों वर्षों से प्रज्वलित है ब्रज की काली देवी का धूना

मथुरा। उत्तर प्रदेश की पौराणिक नगरी मथुरा में ब्रज की चौरासी कोस परिक्रम पथ पर स्थित काली मंदिर में होने वाली आरती, श्रृद्धालुओं की आस्था के साथ कौतूहल का भी केन्द्र बनती है, क्योंकि इस मंदिर में आरती की ज्योत जलाने के लिए कभी दिया सलाई या अन्य माध्यम को प्रयोग नहीं होता है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक मंदिर में सैकड़ों वर्षों से अनवरत प्रज्वलित हो रहा देवी का धूना ही आरती की ज्योत जलाने का माध्यम बनता है। मथुरा में खेलन बिहारी मन्दिर से कूछ दूरी पर स्थित काली मंदिर के महंत नागरीदास बाबा ने गुरुवार को बताया कि संतों के आश्रम या मंदिर में हवन की प्रज्वलित अग्नि को धूना कहा जाता है। वैसे भी संतो द्वारा जहां तक संभव होता है हवन की अग्नि को प्रज्वलित करने के लिए माचिश का प्रयोग न करके अरण्य मंथन से अग्नि प्रज्वलित की जाती है। अरण्य मंथन वह क्रिया है जिसमें दो सूखी लकड़ियों को रगड़कर अग्नि प्रज्वलित की जाती है। उन्होंने बताया कि यहां की देवी स्वयं प्राकट्य हैं तथा अति प्राचीन हैं। उनका कहना था कि जिस प्रकार यहां पर श्याम तमाल और विशालतम वटवृक्ष श्यामाश्याम के रूप में मौजूद हैं, उससे ऐसा लगता है कि श्यामसुन्दर नंदबाबा और मां यशोदा को तीर्थ कराने के लिए इसी मार्ग से आए थे। इतिहास साक्षी है कि जब नंदबाबा और मां यशोदा ने श्यामसुन्दर से तीर्थाटन कराने के लिए कहा तो श्यामसुन्दर ने उनकी आयु को देखकर सभी तीर्थों को ब्रज की चौरासी कोस परिक्रमा में प्रकट कर दिया था और प्रयागराज को आदेश दिया था कि वह चातुर्मास में सभी तीर्थों को लेकर ब्रज में रहेंगे।

झांसी में महिला की हत्या कर लाश नदी में फेंकी

झांसी। झांसी में एक महिला की हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर से 5 सौ मीटर दूर नदी में फेंक दिया। 17 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। मायके पक्ष ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया। मामला बरुआसागर थाना क्षेत्र के बारेई गांव के पाल डेरा का है। पुलिस ने नदी से शव को बरामद कर लिया है। पिता ने पति, सास, ससुर समेत 4 पर दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है। गुरुवार दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम होगा। मध्य प्रदेश के दतिया जिले के गांव बहादुरपुर गांव निवासी भज्जू पाल ने बताया कि मैंने अपनी इकलौती बेटी पूजा (22) की शादी बारेई गांव के पाल डेरा निवासी कमल पाल से की थी। शादी में 10 लाख रुपए खर्च किए थे। अब ससुराल वाले दहेज में फोर व्हीलर मांग रहे थे। इसको लेकर बेटी को परेशान किया जा रहा था। मारपीट तक करते थे। फुफेरे भाई गुलाब ने बताया, पूजा का ढाई माह का बेटा है। 10 दिन पहले ससुर बच्चे को लिए थे। रोने पर पूजा ने बच्चे को ससुर से ले लिया। ससुर से बच्चे को छीनने का आरोप लगाते हुए पति ने पूजा को बेल्टों से पीटा। फोन भी छीन लिया। पूजा ने किसी तरह फोन करके घर पर सूचना दी। मैं और पूजा के पिता 25 सितंबर को पूजा के लिए ससुराल पहुंचे। वहां पर पंचायत हुई और समझा दिया था। गुलाब ने कहा, पूजा के ससुराल से सूचना मिली पूजा कपड़े धोने नदी पर गई थी। वहां पर वह नदी में गिर गई। उनको पता चला कि सुबह झगड़ा होने पर ससुराल वालों ने मारपीट कर पूजा की हत्या की। फिर शव को ढुमरई नदी में फेंक दिया। सूचना पर ऑनलाइन नंबर निकालकर बरुआसागर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला।

चंडीगढ़ के बाद कानपुर के गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं का नहाते समय बना वीडियो

सड़क पर उतरीं छात्राएं, जमकर हंगामा

कानपुर। चंडीगढ़ के गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं का नहाते हुए वीडियो बनाने का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है कि ऐसी ही घटना कानपुर में हुई है।

यहां छात्राओं का नहाते समय वीडियो बनाने का आरोप हॉस्टल के एक कर्मचारी पर लगा है। आक्रोशित छात्राएं सड़क पर उतरी हैं और जमकर हंगामा चल रहा है। पुलिस छात्राओं को शांत कराने की कोशिश में जुटी है। आरोपी कर्मचारी को हिरासत में ले लिया गया है।

इससे पहले चंडीगढ़ में एक हॉस्टल की छात्राओं का नहाते समय वीडियो बनाने का मामला सामने आने के बाद जमकर हंगामा हुआ था। कुछ छात्राओं ने इसके बाद सुसाइड की कोशिश भी की थी। हॉस्टल की ही एक छात्रा पर अन्य छात्राओं का वीडियो बनाने का आरोप लगा था।

कानपुर में काकादेव के तुलसी नगर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का हॉस्टल किराए पर चलता है। इस हॉस्टल में लगभग 60 छात्राएं रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। आरोप है कि इस हॉस्टल में पिछले 7 सालों से काम करने वाला एक कर्मचारी छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाता था। यह कर्मचारी छात्राओं के कमरे और बाथरूम में जाकर अश्लील वीडियो बनाता था।

गुरुवार सुबह एक छात्रा बाथरूम में नहा रही थी। इसी दौरान इस कर्मचारी ने बाथरूम के टूटे दरवाजे के नीचे हिस्से से मोबाइल डालकर उसका वीडियो बनाना शुरू कर दिया। छात्रा को भनक लगी तो उसने शोर मचाया। इस पर हॉस्टल में रहने वाली अन्य छात्राओं ने कर्मचारी को पकड़ लिया। छात्राएं हंगामा करते हुए सड़क पर आ गई और पुलिस को भी सूचना दी गई।

पुलिस के पहुंचने पर आरोपी कर्मचारी को उसके हवाले कर दिया। छात्राओं ने हॉस्टल और थाने में हंगामा किया। रावतपुर एसओ ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। हिरासत में लिए गए युवक के मोबाइल की पड़ताल भी हो रही है।

यूपी के चार और शहरों में मेट्रो चलाने की तैयारी

डीपीआर के लिए यूपीएमआरसी को निर्देश

लखनऊ। यूपी में कई और शहरों में मेट्रो चलाने के लिए प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। मेरठ, बरेली, झांसी व प्रयागराज में मेट्रो चलाने के लिए प्री फिजिविलिटी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

इन शहरों में लाइट अथवा नियो मेट्रो चलाई जाएगी। शासन ने इसके लिए उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन को निर्देशित किया है। वहीं बनारस में मेट्रो की जगह रोप-वे की तैयारी है। यहां पर रोपवे का नए सिरे से टेंडर होगा। इसके अलावा गोरखपुर में लाइट मेट्रो परियोजना की मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है।

एनसीआर के साथ लखनऊ, कानपुर, आगरा के बाद अब प्रदेश के चार और बड़े शहरों में मेट्रो के निर्माण की कवायद तेज हो गई है। बरेली, झांसी, प्रयागराज के लिए पूर्व में स्थानीय स्तर पर खुद ही डीपीआर तैयार कराया गया था, लेकिन अब यह उपयोगी नहीं है।

क्योंकि इन शहरों में मेट्रो की जगह लाइट अथवा नियो मेट्रो की संभावना तलाशी जा रही है। इसलिए शासन ने यहां नए सिरे से फिजिविलिटी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इसी के साथ-साथ डीपीआर भी तैयार कराई जाएगी। इसमें मेरठ को भी शामिल किया गया है।

इन शहरों कानपुर, लखनऊ, और आगरा से कम यात्री मिलने की उम्मीद है, इसी वजह से इन शहरों में छोटी मेट्रो चलाई जाएगी। हाल ही में प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण की अध्यक्षता में शासन में बैठक हुई।

अयोध्या में मिड डे मील के नाम पर बच्चों को नमक-चावल खिलाने वाली प्रिंसिपल सस्पेंड

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या के एक प्राथमिक स्कूल में मिड डे मील में छात्रों को नमक के साथ चावल परोसने के मामले में अयोध्या डीएम ने स्कूल प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया है। खंड विकास अधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए डीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को स्कूल की प्रिंसिपल एकता यादव को सस्पेंड कर दिया और ग्राम प्रधान को नोटिस जारी किया है। दरअसल ये मामला बुधवार का है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुई जिसमें बच्चे मिड डे मील में नमक-चावल खाते नजर आए। बताया जा रहा है कि मिड डे मील वितरण के दौरान किसी बच्चे के माता-पिता स्कूल पहुंच गए और मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इस स्कूल में करीब 50 छात्र पढ़ते हैं। अभिभावकों के मुताबिक बच्चे स्कूल में परोसे जा रहे मिड-डे मील की खराब गुणवत्ता की शिकायत कर रहे थे। बुधवार को सत्यनारायण, विवेक कुमार, ब्रजेश मिश्रा, आशा देवी समेत कई ग्रामीण मिड डे मील के दौरान स्कूल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बच्चों को मिड-डे मील में नमक के साथ चावल खाते हुए पाया। ग्रामीणों ने ये मामला प्रखंड विकास अधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव के सामने उठाया। ग्रामीणों ने ये भी कहा कि स्कूल में अक्सर अध्यापक भी अनुपस्थित रहते हैं। शिकायत पर प्रखंड विकास अधिकारी ने स्कूल का दौरा किया और शिकायत को सही पाया। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की जानकारी डीएम नीतीश कुमार को दी।

मेरठ नगर निगम से ढाई लाख लोगों के जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र का डाटा गायब, अधिकारियों के हाथ-पांव फूले

एजेंसी

मेरठ। मेरठ नगर निगम द्वारा बनाए गए करीब ढाई लाख जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों का डाटा नगर निगम के पास नहीं है। प्रदेश स्तर पर शुरू की गई ई-नगर सेवा पोर्टल के बंद होने के बाद से यह डाटा गायब हो गया है। अब नगर निगम में जांच के लिए आने वाले जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों का सत्यापन करना सिरदर्द बना हुआ है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा.गजेन्द्र सिंह का कहना है कि ई नगर सेवा पोर्टल को फिर से शुरू कराने के लिए शासन को पत्र लिखा है। फिलहाल डाटा उपलब्ध नहीं है।

नगर निगम में 2013 से पहले बनने वाले जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र हाथ से तैयार कर आवेदक को दिए जाते थे। 2013 में शासन ने इसे कैंसिल कर ई-नगर सेवा नाम से पोर्टल शुरू किया। नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र ई नगर सेवा पोर्टल पर अपलोड किए जाते थे। ऑनलाइन ही प्रमाण पत्र निकाले जाते

थे। अस्पताल और घरों में जन्मे बच्चे या किसी की मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए इसी पोर्टल पर जानकारी अपलोड और उसका सत्यापन होने के बाद नगर निगम द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जाता था।

2020 में सरकार ने इस पोर्टल को बंद कर नया सीआरएस नाम से पोर्टल शुरू कर दिया। नया पोर्टल शुरू होने के बाद ई नगर सेवा पोर्टल पर बनाए गए करीब दो लाख 50 हजार जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों का डाटा गायब हो गया। 2020 से पहले बने दो लाख 50 हजार जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों का डाटा नगर निगम के पास उपलब्ध नहीं है। ई नगर सेवा पोर्टल के बंद होने से नगर निगम के सामने तो परेशानी हो ही रही है, लोगों के सामने भी परेशानी आ रही है। बच्चों के दाखिले के समय दिया जाने वाला जन्म प्रमाण पत्र जब आनलाइन चेक किया जा रहा है तो उसका कोई डाटा नहीं होने के कारण दाखिल किया गया जन्म प्रमाण पत्र कैंसिल हो रहा है। कर्मचारियों का कहना कि विभाग में प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए आते हैं। जैसे किसी का विदेश के लिए वीजा लगना है तो किसी को कोर्ट में दाखिल कागज आदि पोर्टल के बंद होने से उनका सत्यापन नहीं होने के कारण वह कैंसिल हो रहे हैं। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गजेंद्र सिंह के मुताबिक ई नगर सेवा पोर्टल के बंद होने के कारण बड़ी परेशानी हो गई है। ऑनलाइन डाटा ही उपलब्ध नहीं है।

ऐसे में 2020 से पहले बने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों का विभाग के पास डाटा नहीं होने के कारण उनका सत्यापन करना बहुत मुश्किल हो रहा है। सत्यापन के लिए शासन को पत्र लिखकर पोर्टल को फिर से शुरू किए जाने को कहा गया है। इससे जनता और विभाग दोनों को आसानी होगी

बाराबंकी : घरेलू विवाद में पति ने पत्नी की फावड़े से हत्या की

एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक पति ने घरेलू विवाद में अपनी पत्नी की फावड़े से काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी को हत्या में इस्तेमाल किए गए फावड़े के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार बाराबंकी के सतरिख थाना क्षेत्र के बबुरिहा गांव निवासी अजय रावत का अपनी पत्नी वर्षा रावत (38) से किसी बात को लेकर बीती रात विवाद हुआ था। अजय रावत ने आज तड़के लगभग 4:00 बजे, घर में रखे फावड़े से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार किये। इससे गंभीर रूप से घायल हुयी पत्नी की कुछ ही देर में मौत हो गई।

हत्या के बाद युवक भागा नहीं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) डा अखिलेश नारायण सिंह ने बताया कि आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मामले की छानबीन की जा रही है। मृतका के चार बच्चे हैं।

पेपर मिलते ही लॉ की छात्रा ने फोटो खींचकर व्हाट्सएप पर कर दिया वायरल

आगरा। आगरा डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की लॉ परीक्षा का पेपर देने आई छात्रा ने ही पेपर मिलते उसकी फोटो खींचकर उसे वायरल कर दिया। परीक्षा कक्ष में मौजूद निरीक्षक ने छात्रा को ऐसा करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद कॉलेज की ओर से मामले में पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने छात्रा और फोन को हिरासत में ले लिया। जानकारी के मुताबिक मामला विश्वविद्यालय में चल रही विधि की परीक्षा से जुड़ा हुआ है। परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से नोडल केंद्र बनाए गए हैं। गुरुवार को सुबह की पाली में आरबीएस कॉलेज नोडल केंद्र पर परीक्षा देने आई एक छात्रा ने पेपर का फोटो खींचकर व्हाट्सएप पर भेज दिया। छात्रा ने पेपर बंटने के तुरंत बाद ही उसकी फोटो खींचकर बाहर भेज दिया। छात्रा की संदिग्ध स्थिति को देखकर कक्ष निरीक्षक ने उसे पकड़ लिया। जांच में छात्र के पास से मोबाइल बरामद बरामद हुआ। मोबाइल मिलने के बाद कक्ष निरीक्षक ने इसकी सूचना प्राचार्य को दी। छात्रा को पकड़ कर प्राचार्य ने मामले में पुलिस को सूचना दे दी। छात्रा ने एलएलबी के सिविल प्रोसिजन कोड का पेपर बाहर भेजा। प्राचार्य प्रो विजय श्रीवास्तव ने मामले में तहरीर पुलिस को दे दी। छात्रा का मोबाइल जब्त कर लिया है। छात्रा डीएस कॉलेज ऑफ लॉ की है।

जांच के लिए गठित हुई कमेटी

विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ ओमप्रकाश के अनुसार जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया हैं। प्रति कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। इसमें प्रो. यूसी शर्मा, आरबीएस कॉलेज प्राचार्य प्रो. विजय श्रीवास्तव और एआर एग्जाम को शामिल किया गया है।

बेटे को लगा करंट, छुड़ाने गई मां, दोनों की मौत

सीतापुर। सीतापुर के विकास खण्ड गोंदलामऊ की ग्राम पंचायत कल्ली के मजरा खरगापुर में बिजली करंट की चपेट में आने से मां-बेटे की मौके पर मौत हो गई। इस घटना से समूचे क्षेत्र के सनसनी फैल गई। जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मिश्रिख थाना के कल्ली चौकी क्षेत्र के खरगापुर गांव में गुरुवार सुबह घर से बाहर साइकिल निकाल रहे शिवम 10 वर्ष पुत्र नंदराम अचानक बिजली तार के संपर्क में आ गया। बच्चे को बचाने निकली मां रीना 42 वर्ष पत्नी नन्दराम भी चपेट में आ गईं विधुत की चपेट में आने से मां और बेटे दोनों की मौके पर मौत हो गयी इस घटना से क्षेत्र में हड़कम्प मच गया, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पहुचे मिश्रिख एसडीएम अनिल कुमार रस्तोगी ने मृतको मुआवजा दिलाने के बात कही।

कानपुर : इमारत लगी आग, सुरक्षित निकाले गए 14 छात्र

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर के साकेत नगर स्थित दो मंजिला इमारत के बेसमेंट में बने एक गोदाम में गुरुवार को बिजली का शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग की तेज लपटें और धुआं निकलने पर इमारत में चीख पुकार मच गयी। आग की सूचना मिलने पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने इमारत की दूसरी मंजिल पर चला रहे एक कोचिंग सेंटर में मौजूद छात्र-छात्राओं को सुरक्षित निकाल लिया। आग के कारण इमारत में फंसे लोगों को अफरा तफरी के बीच निकाल लिया गया। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस व दमकलकर्मी तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गये। पुलिस के अनुसार करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। कानपुर के साकेत नगर में विवेक सचान की दो मंजिला बिल्डिंग के बेसमेंट में कारोबारी सुमित मिश्रा का बाइक के कलपुर्जों का का गोदाम है। भूतल पर डायग्नोस्टिक सेंटर, पहली मंजिल पर जस्ट डायल का ऑफिस और दूसरी मंजिल पर ग्लोबल करियर अकादमी है। गुरुवार को गोदाम में बिजली का शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। कर्मचारियों ने पहले खुद आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब आग बढ़ने लगी तो कंट्रोल रूम पर सूचना दी।

गाजियाबाद में बेटी ने पिता को मार डाला

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 22 सितंबर को हुई महिला स्वास्थ्यकर्मी के वृद्ध पति की हत्या का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा कर दिया। वृद्ध की हत्या गोद ली हुई 14 वर्षीय बेटी और उसके बॉयफ्रेंड ने की थी। प्रेम संबंधों में मृतक बाधक बन रहा था। दोनों ने रस्सी से हाथ-पैर बांधे और रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात करके दोनों महाराष्ट्र भाग गए थे, जहां से पुलिस उन्हें पकड़ लाई। दोनों की दोस्ती फायर फ्री गेम एप्लीकेशन पर हुई थी। एसपी सिटी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया, कौशांबी थाना क्षेत्र के वैशाली सेक्टर-चार में 58 वर्षीय अनिल सक्सेना रहते थे।

मेरठ : सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, देह व्यापार की सूचना पर पुलिस की रेड में होटल से पकड़े गए 14 जोड़े

मेरठ। मेरठ में गुरुवार सुबह पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस को इस रेड में एक होटल से 14 जोड़े मिले। बता दें कि देह व्यापार के शक में गुरुवार सुबह पुलिस ने कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के रेक्स हैरिटेज होटल में छापेमारी की। मेरठ पुलिस के साथ एंटी हयूमन ट्रेफिकिंग यूनिट की टीम ने सीओ दौराला अभिषेक पटेल के नेतृत्व में रेड डाली। रेड के लिए पहुंची पुलिस को देखकर होटल में अफरा-तफरी मच गई और होटल स्टाफ समेत कमरों में मौजूद जोड़े भागने लगे। पुलिस ने सभी को पकड़ा और पूछताछ की।

जानकारी के मुताबिक पुलिस को होटल से 14 जोड़े मिले जिनमें कुछ छात्र-छात्राएं भी बताई जा रही हैं। पुलिस ने स्टाफ को पकड़ा और होटल रजिस्टर की भी जांच की। होटल रजिस्टर में बुकिंग को लेकर पुलिस को कमियां दिखाई दीं जिसके बाद पुलिस ने तीन महिलाओं को हिरासत में भी लिया। साथ ही पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर यानि रिकॉर्डिंग को भी जब्त कर लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस को इस होटल में देह व्यापार की लंबे समय से सूचना और शिकायत मिल रही थी। इसी के बाद पुलिस ने शक के बिनाह पर छापेमारी की थी। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने तीनों महिलाओं को हिरासत में लेकर थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी। ये महिलाएं देह व्यापार में शामिल बताई जा रही हैं। तीनों के खिलाफ कंकरखेड़ा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

इनके अलावा पुलिस ने होटल संचालक समेत कुछ अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। साथ ही होटल में मिले अन्य लड़कियों और लड़कों के परिजनों को बुलाकर उन्हें सुपूर्द करने की बात भी कही जा रही है। पुलिस होटल को सील करके मामले में आगे की जांच कर रही है।

सुलतानपुर में हादसा, ट्रक ने ई-रिक्शा को रौंदा, 3 की मौत, 7 घायल

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में प्रयागराज-अयोध्या राजमार्ग पर बुधवार की देर रात त्रिशुंडी गांव के निकट अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से ई रिक्शा सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना में दो युवतियों समेत 7 युवक घायल हो गए। ग्रामीणों व स्थानीय पुलिस की मदद से सभी घायलों को सुलतानपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुलतानपुर कोतवाली नगर क्षेत्र के गोलाघाट स्थित आर.के झांकी ग्रुप के संचालक रोहित निषाद पुत्र श्याम बहादुर निषाद अपने साथ दो महिला कलाकारों समेत आठ अन्य कलाकारों के साथ प्रतापगढ़ जनपद के भूपियामऊ के निकट गौतम ढाबे के पास राधा कृष्ण की लीला से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित करने बुधवार की शाम ई-रिक्शा बुक करके गए थे।कार्यक्रम के समापन के बाद रात्रि 2:00 बजे 9 कलाकारों के साथ वह ई-रिक्शा से ही सुल्तानपुर की तरफ वापस आ रहे थे कि त्रिशुंडी गांव के निकट प्रयागराज की तरफ जा रही अनियंत्रित ट्रक उनके ई रिक्शा को रौंदते हुए प्रयागराज की तरफ फरार हो गया।

दुर्घटना में घटनास्थल पर सुल्तानपुर नगर के दरियापुर निवासी 36 वर्षीय अजय कुमार चुनहा निवासी 22 वर्षीय राहुल , ई रिक्शा चालक पांचोपीरन निवासी 20 वर्षीय राजेंद्र की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना में घायल होने वाले म्यूजिकल ग्रुप के संचालक कोतवाली नगर के निवासी रोहित निषाद (27)पुत्र श्याम बहादुर निषाद,गोलाघाट निवासी लक्खू निषाद पुत्र ओम प्रकाश निषाद,वलीपुर निवासी शुभम निषाद (12)पुत्र सूरज निषाद, रतनपुर तिराहा निवासी रजवंत मिश्रा(18) पुत्र धर्मराज मिश्रा, अंबेडकर नगर जिले के जलालपुर निवासी विपिन कुमार (16)पुत्र श्याम सुंदर,चोपड़ा गली निवासी राधा सोनी(26) पुत्री राम बहोर सोनी, जमाल गेट के निकट की निवासी पूजा(27) का ईलाज सुल्तानपुर जिला अस्पताल में चल रहा है।

म्यूजिकल ग्रुप के संचालक रोहित निषाद ने बताया कि ई रिक्शा चालक राजेंद्र देर रात वापसी की जिद कर रहा था। कार्यक्रम के बाद सभी कलाकार थके हुए थे, रात में वापसी का किसी कलाकार का मन नहीं था लेकिन ई रिक्शा चालक ने सुबह स्कूली बच्चों को पहुंचाने का वास्ता देकर रात में ही सभी 9 कलाकारों को सवार कर सुल्तानपुर के लिए रवाना हो गया था। देर रात त्रिशुंडी गांव के निकट अनियंत्रित ट्रक उनके वाहन में टक्कर मारकर फरार हो गया। वहीं स्थानीय पुलिस का मानना है कि दुर्घटना का कारण ई रिक्शा पर ओवरलोडिंग का था। ई रिक्शा पर चालक समेत 10 लोग सवार थे,जबकि नियमानुसार ई रिक्शा पर चालक समेत 5 लोगों के सवार होने के नियम निर्धारित किए गए हैं। घायलों के अनुसार, ट्रक अनियंत्रित गति से आ रहा था, ई रिक्शे के हेड लाइट की रोशनी भी बेहद कम बताई जा रही है।

भ्रष्टाचार, अपराध और आतंक में डूबी थी सपा सरकार : बृजेश पाठक

एजेंसी

देवरिया, 29 सितंबर (वार्ता) उत्तर प्रदेश के देवरिया में गुरुवार को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा सरकार भ्रष्टाचार, अपराधी और आतंक में आकंठ डूबी थी।

पाठक ने संवाददाताओं से कहा कि सपा सरकार मे हुए भ्रष्टाचार को गिनाया जाय तो कम पड़ जायेंगे। उन्होंने कहा कि रिवरफ्रंट से लेकर खनन घोटाले सहित अनेक घोटाले सपा सरकार में हुए हैं। उन्होंने कहा कि सपा का अपराधियों और भ्रष्टाचार से पुराना नाता रहा है।

पाठक ने कहा कि अभी हाल ही में आजमगढ़ जेल में बंद कुख्यात शराब माफिया से मिलने सपा मुखिया गये थे।इससे साफ होता है कि सपा की नीयत अपराधियों को पुष्पित और पल्वित करने की रही है। उन्होंने कहा कि सपा अपना राष्ट्रीय और प्रादेशिक अधिवेशन करने का नाटक कर रही है। उन्होंने कहा कि सपा का आम जनता से कोई वास्ता नहीं है। यह एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई है। सपा को आने वाले चुनाव में 20 प्रतिशत वोटों के भी लाले पड़ जायेंगे।

शार्ट न्यूज

अडानी पावर द्वारा डिलिजेंट पावर और डीबी पावर की शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अडानी पावर लिमिटेड द्वारा डिलिजेंट पावर प्राइवेट लिमिटेड और डीबी पावर लिमिटेड की शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित संयोजन में अधिग्रहणकर्ता द्वारा शेयर पूंजी के शत-प्रतिशत और लक्ष्य के आर्थिक अधिकारों का अधिग्रहण शामिल है। अधिग्रहण करने वाली कंपनी भारत में निगमित एक सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी है, जिसके शेयर बीएसई लिमिटेड के साथ-साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं। अधिग्रहणकर्ता एक बिजली कंपनी है, जिसके भारत में आठ बिजली संयंत्र चल रहे हैं। इसकी बिजली उत्पादन क्षमता 13,650 मेगावाट की है जिसमें गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में स्थित ताप विद्युत संयंत्र और गुजरात में 40 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना शामिल है। डिलिजेंट पावर मुख्य रूप से एक होल्डिंग कंपनी की गतिविधियों में लगी हुई है। यह डीबी पावर तक सीमित परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करती है। डीबी पावर छत्तीसगढ़ में 1200 मेगावाट प्रति घंटे की स्थापित क्षमता वाले कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र का संचालन करती है।

दूसरी छमाही में सरकार बाजार से जुटायेगी 5.92 लाख करोड़

नयी दिल्ली। सरकार ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5.92 लाख करोड़ रुपये बाजार से जुटाने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय ने आज यहां बताया कि रिजर्व बैंक के साथ सलाह मशविरा के आधार पर दूसरी छमाही के लिए उधारी जुटाने के कैलेंडर को अंतिम रूप दिया गया है। चालू वित्त वर्ष में बाजार से कुल मिलाकर 14.31 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनायी गयी थी और उसी के अनुरूप दूसरी छमाही में 5.92 लाख करोड़ रुपये जुटाने के लिए कैलेंडर जारी किया गया है। सरकार 20 सप्ताह तक बाजार से उधारी लेकर 5.76 लाख करोड़ रुपये जुटायेगी। इसके साथ ही 16 हजार करोड़ रुपये संप्रभु हरित बाँड के माध्यम से जुटाये जायेंगें।

रुपया 20 पैसे मजबूत

मुंबई। आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 20 पैसे मजबूत होकर 81.73 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 40 पैसे लुढ़ककर अबतक के रिकॉर्ड निचले स्तर 81.93 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। शुरुआती कारोबार में रुपया 33 पैसे की बढ़त लेकर 81.60 रुपये प्रति डॉलर खुला। सत्र के दौरान बिकवाली होने से यह 81.58 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 81.94 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 81.93 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 20 पैसे मजबूत होकर 81.73 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

इंजीनियरिंग छात्रों के लिए वर्ल्डलाइन इंडिया का कार्यक्रम

मुंबई। डिजिटल भुगतान सेवा क्षेत्र से जुड़ी वर्ल्डलाइन इंडिया ने गुरुवार को देशभर के कॉलेज से कुछ सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को शामिल करने के लिए पेटेट पायनियर कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। वर्ल्डलाइन इंडिया ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने 2023 बैच के लिए मुंबई, पुणे, बैंगलोर और चेन्नई कार्यालयों में 200 से अधिक ट्रेनी इंजीनियरों को शामिल करने की योजना बनाई है और तीन वर्षों में इसकी संख्या 3000 तक बढ़ाने की योजना है। कार्यक्रम के तहत नए स्नातक इंजीनियरों को तीन साल की अवधि में जावा, डॉट नेट, सी++, टेस्टिंग, पीएचपी, पायथन, एमवायएसक्यूएल, पोस्टग्रेज जैसे कौशल सेटों का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वह अच्छे डेवलपर के तौर पर उभरेंगे। वर्ल्डलाइन इंडिया और एपीएससी के मानव संसाधन विभाग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड जोस राज ने कहा,देश में एक प्रौद्योगिकी पेशेवर के लिए एक अच्छा समय है क्योंकि भारत तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बना हुआ है। वर्ल्डलाइन की पेशकश का लाभ यह है कि हम पेटेक में नवाचार के मामले में सबसे आगे हैं। हमें विश्वास है कि युवा प्रतिभा संगठन के लिए नया दृष्टिकोण लाएगी क्योंकि हम भुगतान करने, रहने और व्यवसाय करने के नए तरीकों को आकार देना जारी रखते हैं।

जल संरक्षण लोगों की आजीविका के लिए अहम

नयी दिल्ली। विदेश और शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि जल संरक्षण लोगों के जीवन और आजीविका के लिए अहम है तथा इसमें उनकी सामाजिक दायरे से परे भागीदारी और भूमिका अपरिहार्य है। वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया (डब्ल्यूआईएसए) के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां आयोजित कार्यक्रम में डॉ सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता के अपने 75वें वर्ष में देश ने 75 आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) को रामसर स्थलों के रूप में नामित किया जो एशिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है। उन्होंने 1986 से प्राथमिकता वाली आर्द्रभूमियों के लिए प्रबंधन योजनाओं को लागू करने में राज्य सरकारों का समर्थन करने के लिए पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सराहना की, जिसमें अब तक 250 से अधिक आर्द्रभूमि शामिल हैं। उन्होंने लोकतक वेटलैंड को मणिपुर के लोगों के लिए इमा या मां के रूप में सम्मानित किए जाने का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारी आर्द्रभूमि भी एक अनूठी सांस्कृतिक विरासत है। डब्ल्यूआईएसए के अध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ कौल ने कहा कि आर्द्रभूमि संरक्षण और स्मार्ट उपयोग के प्रयासों को तत्काल बढ़ाने की अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपने रजत जयंती वर्ष में संगठन ने दक्षिण एशियाई क्षेत्र में आर्द्रभूमि के संरक्षण के प्रयासों को उजागर करने के लिए विभिन्न पर्यावरणीय विषयों पर कईप्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं का समूह केंद्र बिंदु था। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूआईएसए एक गैर-सरकारी संगठन है जो दक्षिण एशिया क्षेत्र में वेटलैंड्स, उनके संसाधनों और जैव विविधता को बनाए रखने और बहाल करने के लिए काम कर रहा है।

आकाश अंबानी टाइम100 नेक्स्ट में शामिल

नयी दिल्ली। टाइम मैगजीन ने देश के दूसरे बढ़े धनकुबेर उद्योगपति मुकेश अंबानी के बड़े बेटे और रिलायंस जियो के अध्यक्ष आकाश अंबानी को टाइम100 नेक्स्ट लिस्ट में जगह दी है। उन्हें लीडर्स कैटेगरी में चुना गया है। आकाश अंबानी के बारे में टाइम मैगजीन का कहना है कि वह बिजनेस बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने गूगल और फेसबुक के साथ अरबों डॉलर की निवेश डील पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस सूची में शामिल होने वालों में वह अकेले भारतीय हैं। आकाश अंबानी के बारे टाइम मैगजीन की राय है कि मात्र 22 वर्ष की उम्र में ही आकाश अंबानी को जियो के बोर्ड में जगह मिल गई थी। और इसी वर्ष जून में उन्हें, भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी जियो की कमान सौंप दी गई। 42 करोड़ 60 लाख ग्राहकों वाली रिलायंस जियो को संभालने की जिम्मेदारी अब अध्यक्ष आकाश अंबानी के कंधों पर है। रिलायंस जियो का 5जी रोलआउट आकाश अंबानी की निगरानी में हो रहा है। कंपनी की योजना दीवाली तक दिल्ली, मुंबई सहित कुछ अन्य मैट्रों में 5जी लॉन्च करने की है। अकेली जियो ही है जिसने 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड खरीदा है और यह अकेला स्पेक्ट्रम बैंड है जिस पर स्टैंड-अलोन 5जी नेटवर्क यानी 5 जी चल सकता है। अमेरिका और यूरोप में 5जी के लिए 700 मेगाहर्ट्ज बैंड को प्रीमियम बैंड माना जाता है। इस लिहाज से 5जी के मामले में जियो को बाकी कंपनियों के मुकाबले बढ़त हासिल है।

गोयल ने निर्यातकों को सब्सिडी का सहारा छोड़ने की दी सलाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को सेवा क्षेत्र के निर्यातकों से गुरुवार को सरकारी सब्सिडी का सहारा छोड़ने का आह्वान करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि सब्सिडी उद्योग को अप्रतिस्पर्धी बनाती है।

श्री गोय ने सेवा क्षेत्र से नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करने और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के निर्माण पर ध्यान देने की अपील की और कहा कि सेवा क्षेत्र ने 350 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे हासिल करने की राह पर है। उन्होंने निर्यातकों से दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका जैसे नए बाजारों की खोज पर विचार करने का भी आग्रह किया।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि सरकार की सब्सिडी रणनीति गरीबों और जरूरतमंदों पर केंद्रित है। उन्होंने सेवा क्षेत्र की निर्यात संवधन परिषद (एसईपीसी) से महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को लगातार आगे बढ़ाने का आग्रह किया और कहा कि ये लक्ष्य छोटी सब्सिडी और प्रोत्साहन से प्रभावित नहीं होते हैं। श्री गोयल सर्विसेज एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल्स (एसईपीसी) इंडिया@2047: सेवा क्षेत्र की निर्यात की रणनीति कौशलसंवर्धन एवं उच्च शिक्षा क्षेत्र का अंतर्राष्ट्रीयकरण विषय पर एक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। निर्यात में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सेवा क्षेत्र की सराहना की श्री गोयल ने सराहना की और इस क्षेत्र के सभी हितधारकों से भारत की सहज

प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताओं का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत की एलईडी लाइटिंग क्रांति का उदाहरण देते हुए, श्री गोयल ने कहा कि पहल की सफलता सुनिश्चित करने वाला पहला कदम सब्सिडी को हटाना था। बड़े पैमाने पर कारोबार की रणनीति इस्तेमाल किए जाने से देश में एलईडी बल्ब की मांग बढ़ी और अंतत: कीमतों में भारी कमी आई और गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ।

श्री गोयल ने कहा कि नयी शिक्षा नीति, पांच साल के परामर्श के परिणाम ने इस क्षेत्र को दुनिया के साथ व्यापक जुड़ाव के लिए खोल दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के शीर्ष शैक्षणिक संस्थान प्रख्यात भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने, विदेशों में भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसरों की मेजबानी करने और छात्र विनिमय कार्यक्रमों में संलग्न होने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत छह पायदान चढ़ 40वें स्थान पर

नयी दिल्ली। भारत को विश्व बौद्धिक-संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) की ताजा वैश्विक नवप्रवर्तन तालिका (ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स) में 40वें स्थान पर रखा गया है। पिछली बार भारत इस सूचकांक में 46वें स्थान पर था। देश इस तालिका में सात साल में 41 पायदान की ऊंची छलांग लगा चुका है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस उपलब्धि पर गुरुवार को एक संदेश में कहा कि भारत इस तालिका में 2015 में नीचे 81 वें स्थान पर था और वहां से उठ कर 2022 में 40 वें स्थान पर पहुंचने का एक एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि भारत इस इंडेक्स में अपनी रैंकिंग को शीर्ष 25 में ले जाने की इच्छा रखता है। उन्होंने कहा कि देश में इनक्यूबेशन, हैंडहोल्डिंग, फंडिंग, उद्योग-अकादमिक साझेदारी और मेंटरशिप ने पूरे देश में उद्यमशीलता की भावना को जगाया है। उन्होंने बताया कि भारत तेजी से एक ज्ञान अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो रहा है, पिछले 5 वर्षों में पेटेंट की घरेलू फाइलिंग में 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। श्री गोयल ने कहा, जीआईआई ने पिछले कुछ वर्षों में सरकार और उद्योग द्वारा हाथ से काम कर रहे प्रगतिशील उपायों के कारण भारत के निरंतर विकास को मान्यता दी है। उन्होंने 1.3 अरब भारतीयों की ओर से डब्ल्यूआईपीओ का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि भारत आज शीर्ष 25 में जीआईआई इंडेक्स में हमारी रैंकिंग लेने की इच्छा रखता है।

कारों में छह एयर बैग लगाने की अनिवार्यता में एक वर्ष की मिली छूट

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने ऑटोमोबाइल कंपनियों को बड़ी राहत देते हुये यात्री कारों में एक अक्टूबर 2022 से छह एयर बैग लगाने की अनिवार्यता में एक वर्ष की छूट दे दी है और अब ऑटोमोबाइल कंपनियों को एक अक्टूबर 2023 से छह एयर बैग लगाने होंगे।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज कहा कि सड़क पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए एम-1 श्रेणी की कारों में एक अक्टूबर 2023 से छह एयरबैग लगाना अनिवार्य हो

जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑटो उद्योग के सामने मौजूद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संकट और माइक्रो इकोनॉमिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है कि सभी यात्री कारों एम-1 श्रेणी की कारों पर कम से कम 6 एयरबैग अनिवार्य करने का प्रस्ताव एक अक्तूबर 2023 से लागू किया जाएगा।

गडकरी ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा कि सभी कीमतों और सभी प्रकार के मोटर वाहनों में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्री सुरक्षा को देखते हुए अगले साल 1 अक्टूबर से एम-1 श्रेणी की यात्री कारों में छह एयर बैग लगाने जरूरी कर दिए जाएंगे।

गडकरी का कहना है कि इससे पहले, पीछे से लगने वाली टक्कर की सूरत में मोटर वाहन यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियमों 1989 में संशोधन कर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने का फैसला किया गया। इस संबंध में गत 14 जनवरी को मसौदा अधिसूचना जारी की गई थी जिसमें आगामी एक अक्तूबर के बाद निर्मित सभी एम-1 श्रेणी के वाहनों के भीतर दोनों तरफ और दो साइड से खुलने वाले एयर बैग फिट किए जाने का प्रस्ताव किया गया था।

इनमें से आगे की सीटों पर बैठने वाले यात्रियों के लिए एयरबैग और पीछे की सीटों पर बैठने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए वाहन के भीतर दोनों ओर से खुलने वाले पर्दे और ट्यूब आकार के एयरबैग लगाए जाने का प्रस्ताव था।

शंघाई सहयोग संगठन की व्यापार क्षमता के उपयोग में विश्वास, पारदर्शिता महत्वपूर्ण : अनुप्रिया

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की व्यापार क्षमता का उपयोग करने के लिए परस्पर विश्वास और पारदर्शिता के साथ रचनात्मक सहयोग महत्वपूर्ण है। पटेल ने एससीओ के व्यापार मंत्रियों की 21वीं बैठक को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक मुश्किलों के इस दौर में वृद्धि नयी जान फूंकने के लिये यह जरूरी है कि संतुलित तथा न्यायोचित आर्थिक वृद्धि को ध्यान में रखकर परस्पर सहयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विश्वास और पारदर्शिता वैश्विक व्यापार में स्थिरता आती है तथा इससे बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के मूलभूत सिद्धांतों और उद्देश्यों को संरक्षित करती है। उन्होंने एससीओ की हालिया पहल की सराहना की, जिसमें वाराणसी शहर को 2022-2023 की अवधि के लिए पहली बार एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित किया गया है। ऑनलाइन सम्मेलन में भारत के साथ चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने भाग लिया।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के खाताधारकों के निधन पर लागू नहीं होगा प्रीमैच्युरिटी का नियम

नयी दिल्ली। सरकार ने स्पष्ट किया है कि डाकघर के वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के खाताधारकों के निधन की स्थिति में खाता को प्रीमैच्युरिटी वाला नहीं माना जायेगा और उस खाते पर डाकघर बचत योजना के लिए प्रभावी ब्याज दरें लागू होंगी। वित्त मंत्रालय ने आज यहां इस संबंध में जारी स्पष्टीकरण में कहा कि वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के कुछ खाताधारकों के निधन के बाद परिचालन एजेंसी द्वारा उनके खाता को प्रीमैच्युर बताकर बंद कर दिया जा रहा है। खाताधारक के निधन की स्थिति में इस खाते को प्रीमैच्युर नहीं माना जायेगा और उस खाते को खाताधारक के मनोनित व्यक्ति या वैधानिक उत्तराधिकारी के आग्रह पर बंद किया जायेगा। खाताधारक के निधन की तिथि तक उस खाते पर डाकघर बचत ब्याज दरें दी जायेंगी। इस योजना के खाते को तभी प्रीमैच्युर माना जायेगा जब उसके खाताधारक उसको निर्धारित परिपक्वता अवधि से पहले बंद करने का आग्रह करेंगे और ऐसी स्थिति में उस खाता पर नियम के अनुसार जुर्माना लगाया जायेगा।

अगस्त में आधार से 23.45 करोड़ ई-केवाईसी लेनदेन

एजेंसी

नयी दिल्ली। आधार के उपयोग और नागरिकों द्वारा अपनाए जाने में काफी वृद्धि देखी नज़र आ रही है क्योंकि अगस्त महीने में 219.71 करोड़ लेनदेन आधार के माध्यम से किए गए हैं। यह जुलाई 2022 के मुकाबले 44 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। इनमें से अधिकांश मासिक लेन-देन नंबर फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (128.56 करोड़) का उपयोग करके किए गए थे, इसके बाद जनसांख्यिकीय प्रमाणीकरण और ओटीपी प्रमाणीकरण थे। अगस्त 2022 के अंत तक, अब तक कुल 8074.95 करोड़ आधार प्रमाणीकरण किए जा चुके हैं, जबकि जुलाई के अंत तक कुल 7855.24 करोड़ आधार प्रमाणीकरण किए जा चुके थे। अगस्त के महीने में आधार के माध्यम से किए गए ई-केवाईसी लेनदेन की संख्या 23.45 करोड़ थी।

अब तक ई-केवाईसी लेनदेन की कुल संख्या जुलाई में 1249.23 करोड़ से बढ़कर अगस्त के अंत तक 1272.68 करोड़ हो गई है। आधार संख्या पर आधारित ई-केवाईसी लेनदेन केवल आधार धारक की स्पष्ट सहमति से किया जाता है, और इस प्रक्रिया के माध्यम से भौतिक कागजी कार्रवाई तथा केवाईसी के लिए व्यक्तिगत सत्यापन की आवश्यकता भी समाप्त हो जाती है।

आधार ई-केवाईसी सेवा बेहतर और पारदर्शी ग्राहक अनुभव एवं व्यवसाय करने में आसानी प्रदान करने में बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अगस्त में लोगों ने सफलतापूर्वक 1.46 करोड़ आधार अपडेट कराए हैं और नागरिकों के आधार अपडेट करने के अनुरोधों के बाद कुल मिलाकर (अगस्त के अंत तक) 65.01 करोड़ आधार नंबर सफलतापूर्वक अपडेट किए गए हैं। आधार अपडेट करने के ये अनुरोध जनसांख्यिकीय के साथ-साथ भौतिक आधार केंद्रों पर और ऑनलाइन आधार प्लेटफॉर्म का उपयोग करके किए गए बायोमेट्रिक अपडेट से संबंधित हैं।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील द्वारा एस्सार ग्रुप की संपत्तियों के अधिग्रहण को स्वीकृति

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड द्वारा एस्सार ग्रुप की संपत्तियों के अधिग्रहण को स्वीकृति दे दी है।

इस प्रस्तावित संयोजन में आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड (एएमएनएस) द्वारा एस्सार ग्रुप (ईजी) से इन संपत्तियों बिजली संपत्तियां (एस्सार पावर हजीरा लिमिटेड (ईपीएचएल), गांधार हजीरा ट्रांसमिशन लिमिटेड (जीएचटीएल)); बंदरगाह संपत्तियां (हजीरा कार्गो टर्मिनल्स लिमिटेड (एचसीटीएल), आइब्रॉक्स एविएशन एंड ट्रेडिंग प्रा. लि. (आईएटीपीएल), एस्सार बल्क टर्मिनल लिमिटेड (ईबीटीएल), एस्सार बल्क टर्मिनल पारादीप लिमिटेड (ईबीटीपीएल), एस्सार विजाग टर्मिनल्स लिमिटेड (ईवीटीएल)); (ग) अन्य संपत्तियां (स्नो व्हाइट एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड (एसडब्ल्यूएपीएल), भगवत स्टील लिमिटेड (बीएसएल)) का अधिग्रहण शामिल है। ये सभी संपत्तियां एस्सार ग्रुप से संबंधित हैं। एएमएनएस, आर्सेलर मित्तल एस. ए. (एएम) और उसकी सहयोगियों तथा निप्पॉन स्टील कॉर्पोरेशन, जापान (एनएससी) के बीच का एक संयुक्त उपक्रम है।

ईपीएचएल एक बिजली संयंत्र है, जो एएमएनएस, हजीरा, गुजरात से लगा हुआ है और इसमें दो 135 मेगावाट (प्रत्येक) क्षमता की उत्पादन इकाइयां शामिल हैं तथा इसे खरीदार द्वारा निजी (कैप्टिव) उद्देश्यों से उपयोग किया जाता है।

जीएचटीएल एक सार्वजनिक कंपनी है, जिसकी स्थापना कोयला सहित सभी खनिजों की पूर्वेक्षण, अन्वेषण, खनन, प्रसंस्करण, खरीद, बिक्री, वितरण और सामान्य व्यापार तथा बिजली उत्पादन, खरीद, पारेषण, वितरण और बिक्री के व्यवसाय के लिए की गई थी।

इसके पास 104.6 किमी लंबी गंधार (एनटीपीसी) स्विचयार्ड से हजीरा तक 400 केवी पारेषण लाइन है, जिसका उपयोग खरीदार द्वारा कैप्टिव उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

मीशो की फेस्टिव सेल में 3.34 करोड़ के ऑर्डर

बेंगलुरु। देश की ई-कॉमर्स कंपनी मीशो पर 23 से 27 सितंबर तक चली फेस्टिव सेल में ग्राहकों ने 3.34 करोड़ ऑर्डर दिए जो वर्ष 2021 में लगी इसी सेल के मुकाबले 68 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इस साल की सेल में रसोई में काम आने वाली चीज़ों जैसी श्रेणी में 116 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी जबकि सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल में 109 प्रतिशत और सामान एवं यात्रा के लिए एक्सेसरीज में 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सेल में करीबन 60 प्रतिशत ऑर्डर देश के 4 से अधिक टियर शहरों से आए हैं जबकि लेनदेन करने वाले ग्राहकों की संख्या भी इस दौरान 60 प्रतिशत से बढ़ी है। ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शॉपिंग पहली बार कर रहे कई उपभोक्ता भी इसमें शामिल है। कंपनी ने मीशो पर मौजूद छोटे उद्यमों ने सेल में भारी वृद्धि दर्ज की है। विक्रेताओं की सहभागिता पिछले साल के मुकाबले चार गुना बढ़ी इनमें से 75 प्रतिशत विक्रेता टियर 2 और उससे भी नीचली श्रेणी के बाजारों से हैं। सेल ने करीबन 20,000 विक्रेताओं को लखपती और 24 विक्रेताओं को करोड़पति बना दिया है। सेल में मीशो की एक खास पहल के तहत इस उद्योग से जुड़े एमएसएमई के कमीशन के 104 करोड़ रुपये बचाए है।

मीशो के संस्थापक और सीईओ विदित आत्रे ने कहा,फेस्टिव सेल में 80 प्रतिशत से ज्यादा ऑर्डर टियर 2 से अधिक शहरों से आए हैं। देश में जहां इंटरनेट कॉमर्स की सुविधा आज तक नहीं मिल पायी हैं उन सभी इलाकों तक हम पहुंचना चाहते हैं। फेस्टिव सीज़न में मीशो पर छोटे उद्यमियों को मिली सफलता से हम बहुत खुश हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमियों को ज़्यादा वृद्धि प्रदान करने वाले प्लेटफार्म के निर्माण के हमारे प्रयास अब और भी मज़बूत हो गए हैं।

एजीपे की डिजिटल बचत खाता सेवा आगामी धनतेरस से

नयी दिल्ली। फिनटेक क्षेत्र में सक्रिय एजीपे तकनीकी साझेदार डिसेंट्रो के साथ मिलकर आगामी 23 अक्टूबर धनतेरस को डिजिटल बचत खाता सेवा की लांचिंग करेगा।

एजीपे ने अपने पांचवें स्थापना दिवस के अवसर 16 अगस्त पर तकनीकी कंपनी डिसेंट्रो के साथ करार किया था जिसके तहत यस बैंक का डिजिटल बचत खाता सेवा प्रदान करने की योजना है जो मुख्य तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के लिए बनाया गया है।

एजीपे के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शम्स तबरेज ने यूनीवार्ता को बताया कि यह खाता ग्रामीण क्षेत्रों में धनराशि प्रबंधन में सहायता प्रदान करेगा। इसमें शहर में काम करने वाली कर्मचारी इस खाते में पैसे भेज देंगे जिससे उनके परिजन पास की किसी भी दुकान से अपना पैसा ले लेंगे। यह दुकानों एजीपे से जुड़ी हैं और मिनी बैंक की तरह कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अगस्त 2022 में एजीपे पर सकल लेनदेन 1089 करोड़ रुपये का हुआ और हमारी योजना वित्त वर्ष 2023-24 तक इसे पूरे वर्ष में 25,000 करोड़ रुपये करने की है। तबरेज ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाएं कम होने के कारण लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन से ही देश सही मायनों में डिजिटल भारत का सपना साकार कर सकता है जिसमें फिनटेक कंपनियां बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इन क्षेत्रों में लेन-देन से लेकर खातों की पूरी जानकारी महज एक क्लिक पर फोन पर प्राप्त कर सकते हैं जिससे स्पष्ट है कि देश डिजिटलाइजेशन की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएमएमई) में फिनटेक एक बड़ी भूमिका निभा रही है। एमएसएमई में तकरीबन 90 प्रतिशत लेन-देन फिनटेक की मदद से हो रहा है इससे व्यापारियों को धनराशि की सुरक्षा को लेकर निश्चिंत है क्योंकि वह सीधे तौर पर हर जगह से अपने खाते से जुड़े है। इससे व्यापारियों को समय की बचत भी हो रही है जिससे वह अपने कारोबार में अधिक समय दे सकते हैं।

मात्र एक तिहाई लोग ही रिटायरमेंट के लिए वित्तीय तैयारियों को देते हैं प्राथमिकता

नयी दिल्ली। देश में एकल परिवार के बढ़ते चलन के बावजूद भी मात्र एक तिहाई लोग ही रिटायरमेंट के लिए वित्तीय तैयारियों को प्राथमिकता दे रहें हैं और अधिकांश लोगों को मानना है कि रिटायरमेंट के बाद उनके बच्चें उनकी देखभाल कर लेंगे।

जीवन बीमा क्षेत्र की निजी कंपनी मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने कांतार के साथ मिलकर किये गये सर्वेक्षण के आधार पर आज 'इंडिया रिटायरमेंट इंडेक्स स्टडी (आईआरआईएस)' का दूसरा संस्करण लॉन्च किया। इसके अनुसार भारत का रिटायरमेंट इंडेक्स 44 पर रहा, परिवार और बच्चों पर निर्भरता आज भी रिटायरमेंट की निवेश संबंधी योजनाओं में सबसे बड़ी बाधा है। सर्वे में सेहतमंद, स्थिर और वित्तीय तौर पर स्वतंत्र रिटायरमेंट लाइफ जीने को लेकर शहरी भारत की तैयारियों का विश्लेषण किया गया है। डिजिटल स्टडी के माध्यम से 28 शहरों में रहने वाले 3,220 लोगों ने सर्वे में हिस्सा लिया। इन शहरों में 6 मेट्रो, 12 टियर 1 और 10 टियर 2 शहर शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 23 फीसदी भारतीयों को यह भी नहीं पता है कि उन्हें अपनी रिटायरमेंट से जुड़ी योजनाओं की शुरुआत कहां से शुरू करनी है। 50 वर्ष से ज़्यादा उम्र के 10 में से 9 लोगों को इस बात का दुख है कि उन्होंने जल्द ही होने वाली अपनी सेवानिवृत्ति के लिए कोई बचत या निवेश नहीं किया है। ज़्यादातर लोग 'जितना जल्दी उतना बेहतर' की धारणा में विश्वास करते हैं, क्योंकि 59 फीसदी लोगों का मानना है कि उनकी बचत, सेवानिवृत्ति के 10 वर्षों के भीतर खत्म हो जाएगी जबकि 69 फीसदी लोग सेवानिवृत्ति से जुड़ी बचत के लिए सबसे उपयुक्त उत्पाद मानते हैं।

पूर्वी ज़ोन और मेट्रो शहरों में सेवानिवृत्ति के लिए तैयारी का स्तर सबसे ज़्यादा रहा है। महिलाओं की तुलना में पुरुष वित्तीय तौर पर ज़्यादा परेशान नज़र आते हैं, हालांकि दोनों के लिए इंडेक्स का स्तर लगभग बराबर ही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ प्रशांत त्रिपाठी ने आज यहां रिपोर्ट को जारी करते हुये कहा कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। ऐसे में इस सर्वे में बीते वर्ष के दौरान देश में सेवानिवृत्ति को लेकर लोगों की तैयारियों का स्तर का पता लगाया गया है। भारत का रिटायरमेंट इंडेक्स (0 से 100 के स्केल पर) 44 के स्तर पर है जिससे पता चलता है कि एक वर्ष की अवधि में सेवानिवृत्ति की योजना को लेकर शहरी भारत की तैयारियों में कमी है। सेहत और वित्तीय तैयारियों का स्तर क्रमश: 41 और 49 पर है, जबकि भावनात्मक तैयारी का स्तर 62 से गिरकर 59 के स्तर पर आ गया है जिससे सेवानिवृत्ति के दौरान परिवार, दोस्तों और सामाजिक समर्थन पर निर्भरता बढ़ने का पता चलता है।

उन्होंने कहा कि भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और सेहत संबंधी रुझानों में बदलाव आया है, ऐसे में देश में वृद्ध लोगों की आबादी 2031 तक करीब 41 फीसदी बढ़कर 19.4 करोड़ होने का अनुमान है। इसके अलावा, भारत में बढ़ती जीवन प्रत्याशा को ध्यान में रखकर सेवानिवृत्ति की उम्र की समीक्षा का काम भी जारी है। चूंकि उद्योग और व्यापक ईकोसिस्टम सकारात्मक दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, इस बेहतरीन और सही तरह से प्रतिनिधित्व करने वाले इस अध्ययन से पता चलता है कि भारतीय भी समय से सेवानिवृत्ति के लिए योजना बनाने की ज़रूरत को समझ रहे हैं। हालांकि, इस जागरूकता का बढ़चढ़कर बचत करने और निवेश के तौर पर मूर्त रूप लेना बाकी है।

जब बात सेवानिवृत्ति के लिए योजना बनाने की हो, तो सभी भारतीयों को 'जितना जल्दी उतना बेहतर' के विचार का पालन करना चाहिए और कम उम्र से ही योजना बनाने की शुरुआत कर देनी चाहिए, ताकि यह पक्का किया जा सके कि सेवानिवृत्ति के वर्षों के दौरान उन्हें सेहतमंद और वित्तीय तौर पर स्वतंत्र जीवन जीने का मौका मिल सके।

शार्ट न्यूज

भारत के लिये टी20 में एक साल में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने सूर्यकुमार

तिरुवनन्तपुरम। भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में एक कैलेंडर वर्ष में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। सूर्यकुमार ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में यह उपलब्धि हासिल की। वह इस साल 40.66 की औसत और 180.29 के स्ट्राइक रेट से 732 रन बनाकर शिखर धवन (2018) के 689 रन के पहाड़ को पार कर चुके हैं। सूर्यकुमार ने कल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में 50 रन की नाबाद पारी खेली और तीन ओवर शेष रहते भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने पारी की शुरुआत में दो छक्कों के साथ पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को पछाड़ते हुए एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। रिज़्नान ने 2021 में 42 छक्के जड़े थे, जबकि 2022 में सूर्यकुमार अब तक 45 छक्के लगा चुके हैं।

गढ़वाल और सुदेवा जीते, वाटिका को खिताब

नयी दिल्ली। गढ़वाल हीरोज ने अपनी जीत और दिल्ली एफसी की हार की बदौलत गुरुवार को दिल्ली प्रीमियर लीग के उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। दिन के पहले मुकाबले में गढ़वाल ने भारतीय वायुसेना को 3-2 से परास्त किया, जबकि दिल्ली एफसी को सुदेवा के हाथों 0-3 की हार मिली। वाटिका एफसी 44 अंकों के साथ पहले ही खिताब जीत चुकी थी। उपविजेता की दौड़ में गढ़वाल और दिल्ली एफसी शामिल थे। गढ़वाल को हर हाल में जीत के साथ-साथ डीएफसी की हार की जरूरत थी और यही हुआ भी। गढ़वाल ने अपने स्टार स्ट्राइकर निर्मल सिंह बिष्ट की तिकड़ी की बदौलत जीत दर्ज की जबकि दिल्ली एफसी को सुदेवा के हाथों अपनी सबसे बड़ी हार मिली। गढ़वाल के विरुद्ध वायुसेना के दोनों गोल कप्तान विवेक कुमार ने किये। सुदेवा की जीत में तोथांग, लालबीएकलिमा और रमेश छेत्री के दर्शनीय गोलों का योगदान रहा। दिल्ली प्रीमियर लीग की विजेता वाटिका को 3.5 लाख, उपविजेता गढ़वाल को 1.75 लाख, तीसरे स्थान की दिल्ली एफसी और चौथे पायदान की सुदेवा को 75-75 हजार रुपये से पुरस्कृत किया गया।

केन्द्र पाइथियन खेलों को पुनर्जीवित करने में करें मदद: बिजेंदर गोयल

नयी दिल्ली। मॉडर्न पाइथियन खेलों के संस्थापक बिजेंदर गोयल ने केन्द्र सरकार से पाइथियन खेलों को बढ़ावा देने की पहल का आग्रह किया। श्री गोयल ने कहा मॉडर्न पाइथियन खेल दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इंटरनेशनल पाइथियन काउंसिल ने गुरुवार को दिल्ली में पहला वैश्विक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जिसमें भारत में प्राचीन पाइथियन खेलों को आधुनिक ढंग से खेलने के लिए इनको पुनर्जीवित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने उम्मीद जतायी कि जिस तरह स्विटजरलैंड ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को प्रायोजित और संरक्षित किया है, ठीक उसी तरह भारत इन खेलों को पुनर्जीवित कर ओलंपिक खेलों से बेहतर बनाएगा। वैश्विक मीडिया को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि यही सही समय है जब मॉडर्न पाइथियन खेलों को दुनिया भर में प्रसारित करके, इस खेल के कानूनी ढांचे को स्थापित किया जाए और इसके साथ ही सभी राष्ट्रीय पाइथियन काउंसिल और अंतरराष्ट्रीय पाइथियन काउंसिल के लिए शासी निकायों को नामित कर कला और सांस्कृतिक गतिविधियां फिर से शुरूआत की जाए। श्री गोयल ने बताया कि पाइथियन खेल हर चार साल में आयोजित किए जायेंगे।

ब्रूक्स के शतक ने तलाहवाज़ को सीपीएल फाइनल में पहुंचाया

प्रोविडेंस। जमैका तलाहवाज़ ने शमारह ब्रूक्स (109 नाबाद) के शतक की बदौलत गुरुवार को क्वालीफायर-2 में गयाना अमेज़न वॉरियर्स को 37 रन से हराकर कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के फाइनल में जगह बनाई। तलाहवाज़ ने 20 ओवर में 226 रन बनाये, जिसके जवाब में अमेज़न वॉरियर्स आठ विकेट के नुकसान पर 189 रन तक ही पहुंच सकी। ब्रूक्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 52 गेंदों पर सात चौकों और आठ छक्कों की बदौलत नाबाद 109 रन बनाये। हरफनमौला इमाद वसीम ने बल्ले से 15 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ 41 रन का योगदान दिया, जबकि गेंद से चार ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिये। अमेज़न वॉरियर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह शुरुआत में अच्छा निर्णय प्रतीत हुआ क्योंकि तलाहवाज़ पावरप्ले में दो विकेट के नुकसान पर 37 रन ही बना सके। रोवमैन पॉवेल (37) और रेमन रीफर (22) का विकेट गिरने के बाद तलाहवाज़ का स्कोर 15 ओवर में 123/4 था, लेकिन ब्रूक्स और वसीम की विस्फोटक पारियों ने टीम को सीजन के सर्वाधिक स्कोर तक पहुंचाया। दोनों ने आखिरी पांच ओवर में 103 रन जोड़े और अमेज़न वॉरियर्स के सामने 20 ओवर में 227 रन का विशाल लक्ष्य रखा। अमेज़न वॉरियर्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विस्फोटक शुरुआत की और पावरप्ले में 62 रन जोड़े, हालांकि इस दौरान उन्होंने तीन विकेट गंवाये।

कबड्डी में जयपुर जगुआर, शेखावाटी, किंग्स चंबल पाइरेट्स एवं सिंह सूरमा सेमीफाइनल में पहुंची

जयपुर। एटलेंचर स्पोर्टस द्वारा आयोजित केईआई रियल कबड्डी लीग सीजन 2 में खिताब के लिए जंग अब अंतिम चरण में है और जयपुर जगुआर, शेखावाटी किंग्स, चंबल पाइरेट्स एवं सिंह सूरमा टीमें सेमीफइनल में पहुंची है। अब सेमीफाइनल में जयपुर जगुआर का शेखावाटी किंग्स और चंबल पाइरेट्स का सिंह सूरमा के साथ मुकाबला होगा। इससे पहले लीग मुकाबलों के दौरान टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी । आरकेएल के सीईओ, शुभम चौधरी ने बताया कि लीग में टॉप रेडर व टॉप टैकल पॉइंट्स के साथ 169 पॉइंट्स पर मेवाड़ मॉन्क्स के जतिन शर्मा है जिनके 159 रेड पॉइंट्स व 10 टैकल पॉइंट्स है। लीग में टॉप डिफेंडर जयपुर जगुआर के खिलाड़ी दीपांशु खत्री है जिनके 36 टैकल पॉइंट्स है। केईआई रियल कबड्डी लीग सीजन 2 में सेमीफाइनल मुकाबले में दर्शक कबड्डी के साथ म्यूजिकल प्रस्तुतियों भी आनंद ले सकेंगे। इंडियन आइडल फेम और बॉलीवुड सिंगर स्वरूप खान मैच के दौरान प्रस्तुति देंगे। अपनी जादुई आवाज से वह दर्शकों का दिल जीतेंगे। इसके अलावा स्वरूप खान के सुपरहिट सांग बालम, बालम के प्रोड्यूसर अमोल डांगी भी शामिल होंगे।

मोदी ने श्रीलंका में अधिक भारतीय निवेश का भरोसा दिलाया

टोक्यो। भारत ने पड़ोसी देश श्रीलंका को आर्थिक संकट से लड़ने में मदद करने लिए और अधिक निवेश का भरोसा दिलाया है। श्रीलंका अपनी आजादी के 75 वर्ष के बाद सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। समाचार पत्र 'डेली मिरर' की गुरुवार की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को यह आश्वासन दिया। रिपोर्ट के अनुसार जापान के पूर्व प्रधान मंत्री शिनाजो आबे के अंतिम संस्कार के मौके पर दोनों नेता कुछ देर के मिले थे। अखबार ने कहा कि दोनों नेताओं ने बुधवार शाम श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन पर चर्चा की। 'द मिरर' ने कहा कि श्री मोदी ने राष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने पर विक्रमसिंघे को बधाई दी और श्रीलंका के आर्थिक संकट पर चर्चा की, जिसकी वजह से देश में भोजन, ईंधन और दवाओं जैसी आवश्यक चीजों की व्यापक कमी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ श्रीलंका की बातचीत और वार्ता की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। अखबार के अनुसार श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने और अधिक भारतीय निवेश का अनुरोध किया जिस पर श्री मोदी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने में मदद करने के लिए श्रीलंका में अपना निवेश बढ़ाएगा।

रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची इंडिया लीजेंड्स

रायपुर। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज की गत चैंपियन इंडिया लीजेंड्स ने नमन ओझा (नाबाद 90) और इरफान पठान (नाबाद 37) की नायाब पारियों के दम पर गुरुवार को यहां शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स को पांच विकेट से हराकर एक बार फिर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

बीते साल फाइनल में श्रीलंका को हराकर रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के पहले संस्करण का खिताब जीतने वाली इंडिया लीजेंड्स ने ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिए गए 172 रनों के लक्ष्य को 19.2 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। ओझा ने अपनी 62 गेंदों की नाबाद पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाए जबकि इस मैच को इंडिया लीजेंड्स की ओर मोड़ने वाले इरफान ने 12 गेंदों पर चार छक्के और दो चौके जड़े। नमन और इरफान ने छठे विकेट के लिये 22 गेंदों पर 50 रनों की साझेदारी करके इंडिया लीजेंड्स को लक्ष्य तक पहुंचाया।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 171 रन बनाए। कंगारुओं ने बुधवार को बारिश के कारण खेल रोके जाने से पहले 17 ओवरों में पांच विकेट पर 136 रन बनाए थे। अगले दिन गुरुवार को जब दोपहर के वक्त खेल शुरू हुआ तो ऑस्ट्रेलिया ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए 18 गेदों में 35 रन जुटा लिए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान शेन वाटसन ने 30, एलेक्स डूलन ने 35, बेन डंक ने 46 और कैमरन व्हाइट ने नाबाद 35 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हेडिन 12 रनों पर नाबाद लौटे। इंडिया लीजेंड्स की ओर से यूसुफ पठान और अभिमन्यु मिथुन ने दो-दो विकेट लिए जबकि राहुल शर्मा को एक सफलता मिली।

वॉटसन और डूलन ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 43 गेदों पर 70 रनों की साझेदारी की। वॉटसन 21 गेंदों पर 6 चौके लगाने के बाद आउट हुए। डूलन भी अधिक देर तक नहीं टिक सके और 78 के कुल योग पर 31 गेंदों पर पांच चौके लगाने के बाद यूसुफ का शिकार हुए।

यूसुफ ने कैलम फर्ग्यूसन (10) और मिथुन ने नेथन रियरडन (5) को अधिक देर नहीं टिकने दिया लेकिन बेन डंक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का मनोरंजन किया। डंक ने 131 रन के कुल स्कोर पर पवेलियन लौटने से पहले 26 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद हेडिन विकेट पर आए लेकिन साथ ही बारिश भी आ गई।

बारिश के कारण बुधवार को आगे का मुकाबला नहीं हो सका और इसे गुरुवार को वहीं से शुरू करने का फैसला किया गया जहां यह रोका गया था। उस समय व्हाइट छह रन और हेडन एक रन पर नाबाद थे।

ऑस्ट्रेलिया के 171 रन के जवाब में भारत ने भी अच्छी शुरुआत। कप्तान सचिन तेंदुलकर (10) और नमन ओझा ने पहले विकेट के लिए 32 गेंदों पर 38 रन जोड़े। सचिन हालांकि बड़ा स्कोर नहीं कर सके और इसी योग पर आउट हुए। सचिन ने 11 गेंदों का सामना कर दो चौके लगाए।

इसके बाद सुरेश रैना (11) भी सस्ते में आउट हुए लेकिन ओझा ने एक छोर संभाले रखा और टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। ओझा ने 35 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। युवराज सिंह (18), स्टुअर्ट बिन्नी (02) और यूसुफ पठान (01) के आउट होने के बाद भारत ने 125 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे जबकि टीम को अब भी 26 गेंदों पर 47 रन की दरकार थी।

इसके बाद इरफान ने ओझा का साथ देते हुए टीम को मुश्किल हालात से ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया जहां इंडिया लिजेंड्स को जीत के लिए 10 गेंदों पर सिर्फ 11 रनों की जरूरत थी। इरफान ने डर्क नैनिस द्वारा फेंके गए 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर टीम को फाइनल में पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स की ओर से नेथन रियरडन, ब्रायस मैक्गोन, जेसन क्रेजा ने एक-एक विकेट लिया जबकि कप्तान वॉटसन को दो सफलता मिली।

सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लीजेंड्स फाइनल में श्रीलंका या वेस्टइंडीज में से किसी एक से भिड़ेगी। यह दोनों टीमें शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी।

विश्व कप से पहले ध्यान 'अनुकूलनशीलता' पर : अर्शदीप

एजेंसी

तिरुवनन्तपुरम। भारत के युवा तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह ने कहा है कि अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम का ध्यान मुख्यत: अनुकूलनशीलता पर है।

अर्शदीप ने बुधवार को यहां मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, अनुकूलनशीलता हमारी टीम का बड़ा मकसद है। हमारा लक्ष्य टीम की परिस्थितियों और मांगों के अनुकूल खेलना है, चाहे परिस्थितियां जैसी भी हों। जब हम वहां (ऑस्ट्रेलिया) जाएंगे तो देखेंगे कि हालात कैसे हैं। मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं।

अर्शदीप (3/32) ने दीपक चाहर (2/24) के साथ मिलकर दक्षिण अफ्रीका को पहले टी20 में 106/8 के स्कोर पर रोककर भारत की जीत की नींव रखी। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और लोकेश राहुल ने अर्द्धशतक जड़कर भारत को 16.4 ओवर में 107 रन के लक्ष्य तक पहुंचाया।

अर्शदीप ने विश्व कप की तैयारी के बारे में कहा, हम अभ्यास सत्र में सभी क्षेत्रों को छूने और मैदान पर अपनी सभी योजनाओं को अमल में लाने की कोशिश कर रहे हैं। आज पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी दिखाने का एक अच्छा मौका था और हम आने वाले दिनों में अद्भुत चीजें करने की उम्मीद कर रहे हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप टी20 विश्व कप के लिये भारत की डेथ ओवर योजनाओं का हिस्सा हैं, लेकिन कंडीशनिंग-संबंधी कार्य के लिये राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जाने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 शृंखला का हिस्सा नहीं बन पाये थे।

पूर्व फीफा रेफरी सुमंत घोष का निधन, एआईएफएफ ने शोक व्यक्त किया

कोलकाता। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) के पूर्व रेफरी सुमंत घोष का गुरुवार को निधन हो गया। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने फीफा के पूर्व रेफरी घोष के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सुमंत घोष 70 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। देश में 1990 के दशक के दौर में घोष अपने त्वरित ऑन-फील्ड फैसलों, मैच पर मजबूत नियंत्रण और हाई-प्रोफाइल मैचों के सुचारू संचालन के लिए जाने जाते थे। बंगाल में 10 अप्रैल 1952 को जन्मे घोष 1990 में फीफा रेफरी बने और 1997 में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अपने करियर में प्री-विश्व कप, प्री-ओलंपिक, एएफसी क्लब चैंपियनशिप, सैफ कप, जवाहरलाल नेहरू कप जैसे शीर्ष आयोजनों में भाग लिया।

टी20 विश्व कप से बाहर हुए बुमराह

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय टीम के शीर्ष गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ में स्ट्रैस फ्रैक्चर के कारण दक्षिण अफ्रीका टी20 शृंखला और आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 से बाहर हो गये हैं।

क्रिकबज़ ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के हवाले से कहा कि बुमराह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) का रुख करेंगे। अगर बुमराह विश्व कप से पहले पूरी तरह से फिट नहीं होते तो यह भारत के लिए झटका माना जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उनके फिट होने पर संदेह है, लेकिन उम्मीद बरकारर है।

बुमराह ने दो महीने की चोट के बाद वापस आकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टी20 मुकाबले खेले, हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में वह टीम का हिस्सा नहीं रहे।

भारतीय टीम के फिजियो और चिकित्सीय दल ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि दक्षिण अफ्रीका शृंखला के बाकी दो मैचों के लिए भी उनके नाम पर विचार नहीं किया जा सकता और उन्हें एनसीए जाना होगा। उल्लेखनीय है कि स्ट्रैस फ्रैक्चर को ठीक होने में कम से कम चार हफ्तों का समय लगता है, और विश्व कप में भारत का पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्टूबर को होगा जो सिर्फ तीन हफ्ते दूर है।

बुमराह इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एशिया कप 2022 में भी भारत का हिस्सा नहीं बन पाए थे। बुमराह ऑस्ट्रेलिया शृंखला के लिए टीम में लौटने से पहले एनसीए में रिहैब से गुजरे थे। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने फिलहाल बुमराह की जगह किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार दक्षिण अफ्रीका शृंखला के लिये मोहम्मद सिराज के नाम पर विचार किया जा रहा है। विश्व कप के लिये अतिरिक्त खिलाड़ियों की सूची में शामिल अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी 15-सदस्यीय स्क्वाड में जगह बना सकते हैं।

शमी कोविड के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका टी20 शृंखला से बाहर रहे, लेकिन कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद वह चयन के लिए उपलब्ध हैं।

अब रूस से सस्ता तेल खरीदेगा अफगानिस्तान, तालिबान और पुतिन के बीच हुई डील

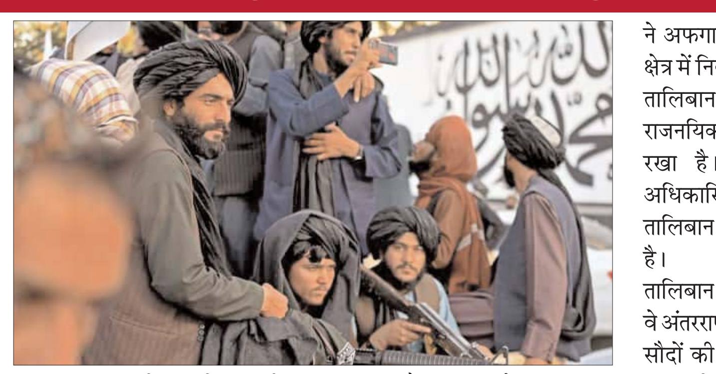

काबुल। भारत के बाद अब अफगानिस्तान भी रूस से सस्ता तेल खरीदेगा। तालिबान के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को ये जानकारी दी। तालिबान ने रूसी गेहूं, गैस और तेल खरीदने व आयात करने के लिए एक समझौता किया है। तालिबान के एक प्रवक्ता ने कहा कि गैसोलीन, डीजल, गैस और गेहूं सहित कई उत्पादों को रूसी मुद्रा में विशेष छूट पर खरीदा जाएगा।

हालांकि रूस भले ही डिस्काउंट पर तालिबान के साथ डील करने पर सहमत हो गया हो लेकिन तालिबान के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी नहीं दी है कि वह रूस को भुगतान कैसे करेगा।

न ही तालिबान ने यह बताया है कि तेल या अन्य वस्तुओं की कीमत किस आधार पर तय की जाएगी। यह डील ऐसे समय में हुई है जब रूस यूक्रेन पर आक्रमण के बाद लगाए गए प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों के बाद मास्को को अपने निर्यात को यूरोप से एशिया में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इस बीच, तालिबान के लिए पिछले साल अगस्त में सत्ता में आने के बाद से आर्थिक मोर्चे पर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

यह सौदा इस साल की शुरुआत में उच्च स्तरीय तालिबान प्रतिनिधिमंडल के रूस दौरे के बाद हुआ है। मॉस्को के अलावा, क्षेत्रीय देशों की कई कंपनियों ने अफगानिस्तान में निष्कर्षण उद्योग क्षेत्र में निवेश करने में रुचि दिखाई है। तालिबान ने क्षेत्रीय देशों के साथ राजनयिक और आर्थिक जुड़ाव जारी रखा है। हलांकि इन देशों के अधिकारियों साफ कहा है कि उन्होंने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है।

तालिबान नेतृत्व ने लगातार कहा है कि वे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ व्यापार सौदों की तलाश कर रहे हैं। रूस के साथ डील फाइनल करने के बाद तालिबान को काफी मदद मिलेगी। मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गंभीर आर्थिक संकुचन और तालिबान के अधिग्रहण के बाद बैंकिंग और वित्तीय संकट से अफगान अर्थव्यवस्था बहुत कमजोर बनी हुई है।

यूक्रेन के चार क्षेत्रों पर कब्जा लेंगे पुतिन, कहा- इन पर हमला करना रूस को चुनौती जैसा

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 30 सितंबर को यूक्रेन के चार क्षेत्रों पर औपचारिक कब्जा लेगी। साथ ही वो समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। बताया जा रहा है कि कल ही यहां रूस की ओर से प्रशासकों की नियुक्ति भी जाएगी। क्रेमलिन के हवाले से रूसी मीडिया ने कहा कि मास्को में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और पुतिन ऐतिहासिक भाषण के बाद आधिकारिक रूप से यूक्रेनी क्षेत्रों पर कब्जा लेंगे। रूसी सरकार के स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी टैस ने क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से कहा कि रूसी संघ में समझौतों पर हस्ताक्षर करने का समारोह शुक्रवार को दोपहर 3 बजे मास्को समय पर आयोजित किया जाएगा। पेसकोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति क्रेमलिन में एक हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता करेंगे, जिसके बाद ऐतिहासिक प्रमुख भाषण देकर यूक्रेन के कब्जा वाले क्षेत्रों में प्रशासकों की नियुक्ति भी कर सकते हैं।

जनमत संग्रह में मिला समर्थन

क्रेमलिन ने इससे पहले दावा किया था कि यूक्रेन के कब्जा वाले क्षेत्रों डोनेट्स्क, लुहान्स्क, ज़ापोरिज़्ज़िया और खेरसॉन में जनमत संग्रह में 99 फीसदी लोगों ने रूस के समर्थन में वोटिंग की थी। हालांकि इससे उलट यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने यूक्रेनी इलाकों में जनमत संग्रह की निंदा की थी।

रूस ने पश्चिम को धमकाया

क्रेमलिन ने पश्चिम को दो टूक शब्दों में कहा कि एक बार कब्जा करने के बाद इन क्षेत्रों में हमला होता है तो इसे सीधे रूस पर हमला माना जाएगा। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते यूक्रेन के डोनेट्स्क, लुहान्स्क, ज़ापोरिज़्ज़िया और खेरसॉन क्षेत्रों में तथाकथित जनमत संग्रह की घोषणा करते हुए, व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अगर रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है तो वे परमाणु हथियारों से इसका जवाब देंगे।

अब सऊदी अरब भी हुआ योग का मुरीद, सभी यूनिवर्सिटी में किया जाएगा लागू

रियाध। सऊदी अरब ने अपनी यूनिवर्सिटीज में योग की शुरुआत की है। इस सिलसिले में सभी यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधियों के लिए सोमवार को एक वर्चुअल लेक्चर का आयोजन किया गया। इसके जरिए लोगों को योग को अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके साथ ही स्टूडेंट्स के पास भी यूनिवर्सिटी कैंपस में विभिन्न योगासनों को करने का विकल्प मौजूद रहेगा।

भारत में ट्रेनिंग ले रहे सऊदी के योग रेफरी

लेक्चर के दौरान योग के मेंटल और फिजिकल स्वास्थ्य पर असर के बारे में बताया गया। साथ ही स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कांपटीशन का हिस्सा बनने के लिए प्रोफेशनल योगासन स्पोर्ट्स ट्रेनिंग की योजना पर भी बात की गई। सऊदी स्पोर्ट्स फेडरेशन और सऊदी योगा कमेटी ने रियाध में यह आयोजन किया था। सऊदी गैजेट के मुताबिक इसमें छात्र-छात्राओं दोनों शामिल होंगे। इस रिपोर्ट के मुताबिक योगा रेफरी के क्वॉलीफिकेशन कोर्स के लिए पहला बैच सऊदी से भारत भी पहुंच चुका है।

पूरे सऊदी समाज में प्रसार की योजना

इस कार्यक्रम के दौरान योग से युवाओं को होने वाले शारीरिक और मानसिक फायदों के बारे में बात की गई। साथ ही टूर्नामेंट्स और कांपटीशंस के लिए योगासन स्पोर्ट्स और प्रोफेशनल योग ट्रेनिंग पर चर्चा की गई। लेक्चर के दौरान युवाओं को प्रोफेशनल योग ट्रेनिंग लेने के लिए मोटिवेट किया गया। साथ ही यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स और यूनिवर्सिटी लीग के तहत होने वाले प्रोफेशनल योगासन कांपटीशंस के बारे में भी बताया गया। सऊदी योग कमेटी के प्रेसीडेंट नॉफ अलमरवाई ने कहा कि हमारी कोशिश है कि योग पूरे सऊदी समाज में बड़े पैमाने पर प्रसार हो। इसीलिए कमेटी योग प्रेमियों की एक जमात तैयार करने में जुटी हुई है।

पाकिस्तान में चीन के नागरिक की गोली मारकर हत्या

कराची। पाकिस्तान के कराची में एक हथियारबंद हमलावर खुद को दंतरोगी बताकर एक डेंटल क्लीनिक में घुस आया और एक चीनी नागरिक की हत्या कर दी और एक चीनी दंपति को घायल कर दिया। बीबीसी ने बताया कि पीड़ित तीनों चीनी-पाकिस्तानी के पास दोहरी नागरिकता है और इस क्षेत्र में 40 वर्षों तक दंत चिकित्सालय का संचालन कर रहे थे। मामले की जांच कर रहे अधिकारियों का कहना है कि करीब 30 वर्षीय हमलावर ने बुधवार की घटना के समय क्लिनिक में मौजूद पाकिस्तानियों को चोट नहीं पहुंचाई। घटना के बाद आरोपी अपने साथी की मदद से मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ितों की पहचान 74 वर्षीय दंत चिकित्सक रिचर्ड हू और उनकी 72 वर्षीय पत्नी मार्गरेट और उनके सहायक रोनाल्ड चाउ के रूप में की है। स्थानीय मीडिया के अनुसार दंपति गोली लगने से घायल हो गए और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है बीबीसी ने कहा कि किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और मकसद का पता नहीं चला है। पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर यह पहला हमले का यह पहला मामला नहीं है इससे पूर्व अप्रैल में, शहर के कन्फ्यूशियस संस्थान के पास कराची में एक कथित आत्मघाती बम विस्फोट में तीन चीनी भाषा के शिक्षक और उनके पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई थी।

अमेरिका में शक्तिशाली 'इयान' तूफान ने मचाई तबाही

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा प्रायद्वीप में शक्तिशाली 'इयान' तूफान से हुई तबाही के कारण पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। अमेरिकी नेशनल हरिकेन सेंटर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सेंटर द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस क्षेत्र में इयान तूफान बुधवार दोपहर आया और पलक झपकते ही शक्तिशाली तूफान ने पूरा शहर अपनी आगोश में ले लिया, जिससे यहां की व्यवस्थित व्यवस्था तितर-बितर हो गयी। इस शहर पर इसका असर कुछ घंटे रहा और बाद में 185 किमी प्रति घंटे की अधिकतम निरंतर हवाओं के साथ कमजोर पड़ गया। सेंटर ने बताया कि तूफान का केंद्र बुधवार रात और गुरुवार की सुबह मध्य फ्लोरिडा से होकर गुजरने का अनुमान है। इसके बाद गुरुवार देर रात तक पश्चिमी अटलांटिक के ऊपर उभरने के आसार हैं। सेंटर के मुताबिक, तूफान के शुक्रवार को उत्तरपूर्वी फ्लोरिडा, जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना तटों पर तबाही मचाने के आसार हैं। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने राज्यवासियों से आग्रह किया, घर से बाहर जाने में सावधानी बरतें क्योंकि भयंकर तूफाने के कारण बिजली की लाइनें टूट गयी हैं। पानी में खड़े होने से या वाहन चलाने में दुर्घटना घट सकती है।

'सुनिश्चित करें कि श्रीलंका भ्रष्टाचार मुक्त हो'

कोलंबो। श्रीलंका के एक प्रमुख समाचार पत्र ने गुरुवार को जापान और अन्य अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि देश में आने वाले धन का उपयोग उसके इच्छित उद्देश्यों के लिए जाना चाहिए और भ्रष्ट राजनेताओं की जेब में नहीं डालना चाहिए। 'द आइलैंड' अखबार ने अपने संपादकीय में कहा, कोई केवल यह आशा ही कर सकता है कि जापान, भारत, अमेरिका, यूरोपीय संघ, आईएमएफ, विश्व बैंक और अन्य सभी राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संगठन, जिन पर श्रीलंका अब अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए निर्भर है, सरकार पर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से लडने के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करने के लिए दबाव बनायेगा ।यह टिप्पणी श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की टोक्यो में विश्व नेताओं के साथ हुई बैठकों के बाद की गई। दैनिक ने बताया कि कैसे जापानी विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी ने विक्रमसिंघे से अनुरोध किया था कि श्रीलंका को अंतरराष्ट्रीय नियमों और मानकों के अनुरूप पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से विकास वित्त को संभालना चाहिए। दैनिक ने कहा: उनके बयान ने सभी श्रीलंकाई लोगों के साथ एक प्रतिक्रियात्मक राग मारा है, जिनके नेताओं ने सार्वजनिक धन की चोरी करके और कुटिल सौदे करके खुद को समृद्ध किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

नवरात्र में व्रत रखने के साथ-साथ सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी

नवरात्र में नौ दिन के व्रत में सामान्यत- फलाहार लिया जाता है। कुछ लोग केवल एक वक़्त खाते हैं और कुछ फलाहार के चलते सामान्य दिनों के मुकाबले अधिक असंतुलित आहार लेने लगते हैं। इससे शरीर को पोषण तो नहीं मिलता, लेकिन कैलोरी, वसा और शर्करा की मात्रा ज़रूर बढ़ जाती है। इसी तरह लंबे अंतराल के बाद जब कुछ खाते हैं तो

कि किन खाद्यों के सेवन से आप अपने व्रत को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सार्थक बना सकते हैं...

पर्याप्त तरल पदार्थ

व्रत के दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना भी ज़रूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी तो पीना ही है, साथ में अन्य तरल पदार्थ जैसे नींबू का जूस या शिकंजी और नारियल पानी भी पिएं। फलों का रस ले सकते हैं लेकिन छाने बिना यानी कि जिसमें फल के रेशे भी हों। फलों के रस के साथ-साथ फाइबर भी मिलेगा जो कि भोजन को पचाने के लिए बहुत ज़रूरी है। तरल पदार्थ से शरीर को ज़रूरी विटामिन और खनिज मिलेंगे। फाइबर युक्त भोजन लेने की दूसरी वजह यह भी है कि व्रत के दरमियान कम भोजन ग्रहण करने से कब्ज़ की समस्या हो सकती है। इसलिए

लोग ले सकते हैं जिन्हें फल खाना पसंद नहीं या चबा नहीं सकते। यह भी ध्यान रखें कि जूस घर का बना ही पीना है।

खानपान की सलाह

कम होती है और पोषक तत्वों की मात्रा अधिक होती है। इसी तरह कम वसा युक्त दही, लस्सी और छाछ ले सकते हैं। तेल की बहुत कम मात्रा में भुनी हुई मूंगफली, कुट्टू के आटे की रोटियां ले सकते हैं। कम तेल या घी में बने हुए फलाहारी आलू, साबूदाना खिचड़ी या टिक्की ले सकते हैं। तेल में तली हुई टिक्कियां खाने से बचें। आलू के बजाय लौकी की सब्ज़ी और हलवा (कम घी में) ले सकते हैं। सबसे ज़रूरी बात, व्रत के दौरान घर का बना शुद्ध भोजन ही खाएं।

फल-सब्जियां लें

व्रत में फल और सब्ज़ियों के सलाद का सेवन कर सकते हैं। एक या

पर्याप्त मात्रा ले सकते हैं। गैर मौसमी फल, जैसे तरबूज़, ख़रबूज़, संतरे आदि का सेवन बिल्कुल न करें। वहीं सब्ज़ियों में खीरा, टमाटर, चुकंदर, हरा धनिया और शकरकंद आदि पर सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर खाया जा सकता है।

थोड़ा-थोड़ा खाएं

ऐसे कई लोग हैं जो व्रत के दौरान दिनभर कुछ नहीं खाते, और जब खाते हैं तो भूख से अधिक खा लेते हैं, जैसे कि एक प्लेट भरकर फलाहारी आलू, सिंघाड़े का हलवा, थोड़े-से आलू के चिप्स और एक गिलास दूध। इससे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा और वज़न भी बढ़ेगा। एक-साथ खाने के बजाय बेहतर है कि आप दिनभर में तीन-चार बार थोड़ा-थोड़ा खाएं।

शरीर को आराम दें

इस दौरान खानपान में बदलाव होने के कारण आपके दिमाग़ और शरीर को खानपान के पैटर्न को समझने में समय लगेगा। इस स्थिति में थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है या चिड़चिड़ाहट हो सकती है। बेहतर होगा कि समय-समय पर आराम करें। रात को जल्दी सोएं और भरपूर नींद लें। यदि दफ़्तर में हैं तो दिमाग़ और शरीर को अधिक मेहनत न कराएं।

दिवाली की तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफ़ाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है।

दिवाली पर आपकी क्लीनिंग को बेहद आसान बनाएंगे ये गैजेट्स

दिवाली वर्ष में एक बार आने वाला ऐसा त्योहार होता है, जिसकी तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है। अगर आप दिवाली की सफाई बिना किसी परेशानी के बेहद ही आसान तरीके से करना चाहती हैं तो इन गैजेट्स की मदद ले सकती हैं। हालांकि, ऐसा करने में बहुत अधिक समय व मेहनत खर्च करना पड़ता है। कई बार महिलाओं का बहुत अधिक समय दिवाली की सफाई करने में ही खर्च हो जाता है। लेकिन अगर आप अपने समय व मेहनत को बचाना चाहती हैं तो कुछ गैजेट्स को खरीद सकती हैं। यह क्लीनिंग गैजेट्स आपके घर की सफाई के काम को ना केवल आसान बनाते हैं, बल्कि इससे आपको अधिक बेहतर रिजल्ट भी मिलते हैं।

खरीदें स्क्रीन क्लीनिंग ब्रश

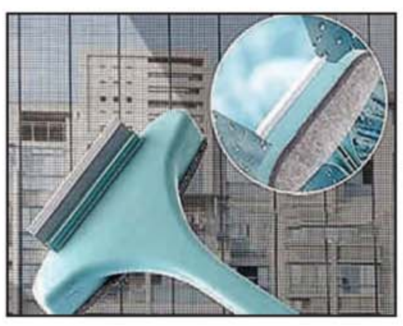

यह एक मल्टीफ़ंक्शनल स्क्रीन ब्रश होता है, जिसकी मदद से आप ग्लॉस, खिड़कियों, काउंटरटॉप आदि कई जगहों की बेहद आसानी से सफाई कर सकती हैं। आप इसे लिंट ब्रश के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं और अपने कपड़े, सोफे आदि से धूल और बालों को हटा सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसे गीला व व सूखा दोनों तरह से इस्तेमाल किया जाता है। धूल हटाने की सफाई इसे सूखा उपयोग करें, वहीं विंडो क्लीन करने के लिए इसे गीला इस्तेमाल करें।

खरीदें माइक्रोफाइबर फैन क्लीनिंग डस्टर

यह एक बेहद ही काम का प्रोडक्ट है, जो दिवाली की क्लीनिंग के दौरान आपके बेहद ही काम आने वाला है। यह वास्तव में एक फैन क्लीनिंग डस्टर है, लेकिन आप इससे सिर्फ फैन ही नहीं, बल्कि अपने घर के कई कोनों को आसानी से साफ कर सकती है। फर्श की सफाई करने से लेकर आप झूमर, दीवारें व कई ऐसी जगहों को क्लीन कर सकती हैं, जिसे हाथों की मदद से साफ करना काफी कठिन है। माइक्रोफाइबर फैब्रिक के उपयोग के कारण आपको अधिक बेहतर रिजल्ट मिलता है।

खरीदें शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश

दिवाली की सफाई के दौरान बाथरूम को साफ करना काफी मुश्किल होता है और इसमें काफी वक्त भी लगता है। मसलन, अगर आप शॉवर हैड को क्लीन करते हैं तो उसके छोटे-छोटे छेदों को साफ करना यकीनन एक टफ टास्क है। ऐसे में आप शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश का इस्तेमाल करें। इसके ब्रश ऐसे होते हैं जो उन छोटे छेदों को अनक्लॉग करके उसे अच्छी तरह साफ करने में आपकी मदद करते हैं। हालांकि, इस ब्रश की मदद से आप शॉवर हेड के अलावा अपना फोन या घर की टैप आदि को भी साफ कर सकती हैं।

खरीदें इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर

दिवाली पर जब महिलाएं अपने घर को साफ करना शुरू करती हैं तो वह हर कोने को साफ करने के लिए उसे अच्छी तरह रगड़ती हैं। जिसके कारण उनके हाथों से लेकर कमर तक में दर्द हो जाता है। लेकिन अगर आप इस दिवाली इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर खरीदती हैं तो आपको अपने घर को रगड़ने की मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आप अपने फर्श से लेकर दीवारों, शॉवर, बाथटब, किचन आदि जगहों पर इस इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर का इस्तेमाल करें। यह कुछ ही मिनटों में उस जगह को एकदम से चमका देगा।

बाजार से परफ्यूम क्यों खरीदना ? बस इन एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

हम सभी अपनी डे टू डे लाइफ में तरह-तरह के परफ्यूम का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इनकी महक आपको एक फील गुड देता है। लेकिन कई लोगों को परफ्यूम के इस्तेमाल के कारण परेशानी होती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप एसेंशियल ऑयल को ही परफ्यूम की तरह इस्तेमाल करें। यह ना केवल आपको पूरा दिन महकाने में मदद करेंगे, बल्कि आपको अन्य भी कई लाभ मिलेंगे। कई परफ्यूम में फ़ेथलेट्स जैसे हानिकारक सिंथेटिक तत्व होते हैं, वहीं दूसरी ओर एसेंशियल ऑयल सिंथेटिक नहीं होते हैं और इनमें वास्तव में उपचार गुण हो सकते हैं।

जैसमीन एसेंशियल ऑयल

जैसमीन एसेंशियल ऑयल एक ऐसा ऑयल है, जिसे परफ्यूम के रूप में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। यह महंगा है, लेकिन किसी खास अवसर के लिए इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इस तेल में एक मीठी, फूलों की सुगंध है जो आपको ऐसा महसूस कराएगी कि आप चमेली के बगीचे से गुजर रहे हैं। चमेली के तेल में अपनी मादक सुगंध के अलावा चिंता को कम करने की क्षमता भी होती है। तो ऐसे में आप खुद को तनावमुक्त रखने के लिए भी इसके इस्तेमाल पर विचार कर सकते हैं।

रोज एसेंशियल ऑयल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल इलंग इलंग फूलों से बनाया जाता है। इसकी सुगंध काफी आनंददायक होती हैं। यह आपको एक खुशनुमा अहसास करवाती है। अगर आप चाहें तो इसे भी बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। इसकी खुशबू काफी रोमांटिक होती है। इंडोनेशिया में तो नवविवाहितों के पलंगों के ऊपर इलंग इलंग के फूल बिछाए जाते हैं।

फलाहार के नए स्वाद

स्टफ्ड साबूदाना बड़ा, मीठे में पान की मिठाई और फलों का श्रीखंड बनाएं

नवरात्र में व्रत के दौरान फलाहार को लेकर अक्सर असमंजस बना रहता है कि हर रोज़ ऐसा क्या बनाएं, जो स्वाद में नयापन लिए हो और सेहत के लिहाज़ से भी ठीक हो। आपकी इस मुश्किल को दूर करने के लिए हम नौ दिनों के लिए नौ ख़ास रेसिपी यहां प्रस्तुत कर रहे हैं। इन्हें तैयार करने में समय भी कम लगेगा और व्रत में नया फलाहार भी मिलेगा।

स्टफ्ड साबूदाना वड़ा

क्या चाहिए

दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, आलू- 4 मध्यम आकार के उबले हुए, साबूदाना- 1 कप (6-8 घंटे पानी में

मूंगफली- 1/2 कप दरदरी पिसी, हरा धनिया- आवश्यकतानुसार, सेंधा नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच। भरावन के लिए- दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

बोल में आलुओं को मसल लें। इसमें साबूदाना, हरी मिर्च, हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर और मूंगफली डालकर गूंध लें। अलग बोल में भरावन की सामग्री मिला

भरावन भरें। वड़े को बंद करके गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तल लें। साबूदाना वड़े को चटनी के साथ परोसें।

पान की मिठाई

क्या चाहिए

मिल्क पाउडर- 6 बड़े चम्मच, आइसिंग शुगर- 1 बड़ा चम्मच, खाने वाला नारियल तेल- 5 बड़े चम्मच, गुलकंद- 1 बड़ा चम्मच, पान का

लिए- फूल के आकार का सिलिकॉन सांचा।

ऐसे बनाएं

मिक्सिंग जार में मिल्क पाउडर, आइसिंग शुगर, नारियल तेल, गुलकंद और पान का पत्ता डालकर पीस लें। अब सांचे में पहले 4-5 टूटी फ्रूटी डालें फिर थोड़ा पिसा हुआ मिश्रण डालकर अच्छी तरह से दबा दें। मिश्रण भरे सांचे को फ्रिज में रखें और आधे घंटे बाद निकालें। अब हल्के हाथों से सांचे को दबाते हुए मिठाई को बाहर निकाल लें। इसे सामान्य तापमान में लाकर या ठंडा ही सर्व करें।

समा चावल फिरनी

क्या चाहिए

समा के चावल- 1/4 कप, दूध- 500 मिली, शक्कर- स्वादानुसार, बादाम और काजू- 1/2-1/2 बड़ा चम्मच कटे हुए, पिस्ता- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ, इलायची पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, अनन्नास के टुकड़े- 1/4 कप, केसर- 5-6 धागे।

ऐसे बनाएं

कड़ाही में दूध उबलने रखें। एक-दो उबाल आने पर समा के चावल

जब तक कि वो गाढ़ी न हो जाए। चावल पकने के बाद आख़िर में

काजू, पिस्ता और इलायची पाउडर डालकर मिलाएं। फिरनी को ठंडा करके अनन्नास के टुकड़े डालकर परोसें।

पनीर-केला रोल्स

क्या चाहिए

पनीर- 200 ग्राम, हरी मिर्च- 3 बारीक कटीं, नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच, हरा धनिया- ज़रूरत के अनुसार। लपेटने के लिए- कच्चे केले- 1-2, लौंग- 8-10, तेल- 2 बड़े चम्मच। सलाद के लिए- गाजर- 2 किसी हुई, ऑलिव ऑयल- 1 बड़ा चम्मच, तिल- 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

कच्चे केले को छीलकर उसकी लंबी स्लाइस काट लें। इन स्लाइस को पैन में एक चम्मच तेल डालकर शैलो फाय करें। इन्हें टिशू पेपर

लें फिर इसमें हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक और काली मिर्च पाउडर मिला दें। पनीर की छोटी-छोटी बॉल्स बना लें और केले की स्लाइस से लपेटकर उनमें लौंग लगा दें, ताकि ये खुलें नहीं। अब इन पनीर रोल्स को पैन में एक चम्मच तेल डालकर दोनों तरफ़ से सुनहरा होने तक शैलो फाय करें। सलाद बनाने के लिए कद्दूकस की हुई गाजर में नमक, काली मिर्च पाउडर, तिल और ऑलिव ऑयल मिलाएं। प्लेट में गाजर का सलाद और पनीर-केला रोल्स रखकर परोसें।

CMYK